CMYK

3 राज्य
8 संस्करण
19.52 लाख
पाठक

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

रजत जयंती विशेष संस्करण

शाह टाइम्स

बरेली, सोमवार 15 सितम्बर 2025 बरेली संस्करण: वर्ष 22 अंक २९१ पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि शाह टाइम्स देहरादून अपनी पत्रकारिता की सफल यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती अंक का प्रकाशन कर रहा है। उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25 वर्षों की यात्रा के साथ दैनिक शाह टाइम्स राज्य की विकास यात्रा में अपनी सहभागिता निभाते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने तथा राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए हम विकल्पहीन संकल्प के साथ प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। राज्य के समग्र विकास की हमारी सोच को साकार करने में शाह टाइम्स भी अपनी सकारात्मक पत्रकारिता के मिशन के साथ सहयोगी बने, यही अपेक्षा है। शाह टाइम्स की गढ़वाल एवं कुमाऊं के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच उसकी पाठकों में लोक. प्रियता का प्रमाण है। समाजहित से जुड़े दायित्वों के निर्वहन की इसकी निरंतरता बनी रहे, यही मेरी कामना है। शाह टाइम्स के 25 वर्ष रजत जयंती अंक के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री उत्तराखंड

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि **दैनिक शाह टाइम्स** की और से रजत जयंती अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी समाचार पत्र के लिए 25 वर्षों की सफल यात्रा का कालखण्ड निश्चय ही गर्व और सम्मान की अनुभूति का विषय होता है।

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही समाचार पत्रों की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है। राज्य सरकार द्वारा संचा. लित जनहितकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने का दायित्व निभाना ही सार्थक पत्रकारिता मानी जाती है।

सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के महत्त्वपूर्ण दायित्वों के कारण ही इसे लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। सार्थक पत्रका. रिता का उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक सशक्त कड़ी का कार्य करे। दैनिक शाह टाइम्स अपनी स्वस्थ पत्रकारिता की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सहभागी बने, यही अपेक्षा है। दैनिक शाह टाइम्स के 25 वर्षों की इस रजत जयंती यात्रा एवं इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बंशीधर तिवारी
महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क उत्तराखंड

आज हृदय अपार संतोष और गर्व से भरा है कि 25 वर्ष पूर्व दैनिक शाह टाइम्स के रूप में जिस छोटे से पौधे को मैंने अपने हाथों से सींचा था, आज वह एक विशाल, घना और छायादार वटवृक्ष बन चुका है। हमें इस बात का भी गौरव है कि इस पूरी यात्रा में हमने पत्रकारिता के उच्च आदर्शों और मूल्यों को कभी डिगने नहीं दिया। इस गौरवपूर्ण रजत जयंती वर्ष के पावन अवसर पर, मैं अपने समस्त प्रबुद्ध पाठकों, सम्मानित विज्ञापनदाताओं, स्नेही शुभचिंतकों और प्रत्येक कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी को हृदय की अतल गहराइयों से हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं अर्पित करता हूं।

सम्पादक

25 वर्ष: सच का बेमिसाल सफर

देहरादून। पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, समाज को दिशा देना भी है। इस विचारधारा को आत्मसात करते हुए, वर्ष 1999 में मुजफ्फरनगर से प्रकाशित होने वाला प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक शाह टाइम्स, पृथक राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की भूमि पर वर्ष 2001 में पहली बार कदम रखता है। राज्य गठन के साथ ही समाचार जगत में यह एक नया अध्याय था। कुमाऊं मंडल से हल्द्वानी संस्करण और गढ़वाल मंडल से देहरादून संस्करण के रूप में शाह टाइम्स ने अपने क्षेत्रीय संस्करणों का शुभारंभ किया। यह केवल एक अखबार की शुरुआत नहीं थी, बल्कि नवोदित राज्य के विकास की यात्रा में एक सहयोगी की भूमिका और समाज के प्रति एक उत्तरदायित्वपूर्ण यात्रा का आरंभ था। उत्तराखंड के निर्माण से लेकर विकास तक के हर मोड़ का साक्षी बनने की यात्रा।

प्रकाशन यात्रा: शब्दों से सरोकार तक

उत्तराखंड के निर्माण के साथ ही जब नई व्यवस्थाएं आकार ले रही थीं, उसी समय शाह टाइम्स ने इस नवोदित राज्य की नब्ज को पहचाना। हल्द्वानी और देहरादून से शुरू हुए इन दो संस्करणों ने पहाड़ के गांवों से लेकर राजधानी के गलियारों तक, जनभावनाओं को स्वर देने का कार्य किया। यह यात्रा केवल समाचार छापने की नहीं थी। यह यात्रा जन-सरोकारों की, स्थानीय मुद्दों की, और नीतियों पर जन अभिव्यक्ति को स्थान देने और सवाल उठाने की थी।

सकारात्मक पत्रकारिता का दर्पण

पिछले 25 वर्षों में जब उत्तराखंड ने राजनीतिक उठापटक, प्राकृतिक आपदाएं और विकास की ऊंचाइयों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की, तब शाह टाइम्स हर मोड़ पर एक सजग प्रहरी के रूप में खड़ा रहा। चकराता के जंगलों में आग हो या जोशीमठ का भू-धंसाव, चारधाम यात्रा की कठिनाइयां हों या राज्य की राजनीति में आया संकट हो।

शाह टाइम्स की रिपोर्टिंग ने जनता की समस्याओं को न केवल उजागर किया, बल्कि नीति-निर्माताओं तक पहुंचाया। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को भी प्रभावशाली ढंग से जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनीतिक तटस्थता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता इस अखबार की सबसे बड़ी पहचान रही है।

एम. फहीम 'तन्हा'

चुनौतियों भरा, लेकिन डिगा नहीं सफर

पिछले 25 वर्षों में शाह टाइम्स ने पत्रकारिता के उसूलों पर कभी समझौता नहीं किया। कई बार बाजार की प्रतिस्पर्धा ने चुनौती दी, कभी तकनीकी संसाधनों की कमी ने रफ्तार धीमी की, तो कभी राजनीतिक दबावों ने कठिन हालात खड़े किए। लेकिन हल्द्वानी और देहरादून संस्करण की टीमों ने सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना खबरों की तलाश में, सच्चाई की खोज में, और जनहित की रक्षा में अपना संपूर्ण योगदान दिया।

जनता का प्रेम: सबसे बड़ा पुरस्कार

खबरें छुपाता नहीं, छापता है के स्लोगन को आत्मसात करते हुए दैनिक शाह टाइम्स ने राज्य के हर जिले, हर तहसील और हर कस्बे तक अपनी पकड़ बनाई। इस अखबार को पाठकों ने हमेशा विश्वसनीय साथी माना। एक ऐसा साथी जो, न तो सनसनी फैलाता है, न ही किसी प्रकार की चाटुकारिता की पत्रकारिता करता है, बल्कि तथ्यों के साथ सच की बात करता है। 25 वर्षों बाद भी शाह टाइम्स पत्रकारिता में एक सम्मानित नाम है और जनता का अटूट विश्वास भी।

समर्पण की टीम

किसी भी अखबार की सफलता के पीछे एक जुझारू टीम होती है। हल्द्वानी और देहरादून की टीमों सहित शाह टाइम्स के सभी संस्करणों में प्रत्येक स्टेशन पर कार्यरत संपादकीय टीम के साथियों ने समाचारों की डेडलाइन से परे जाकर, जनसरो. कारों, क्षेत्रीय मुद्दों और लोक संस्कृति को महत्व दिया। संवाददाताओं से लेकर संपादकों तक, सभी ने ग्राउंड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी, जिससे अखबार कुर्सी से नहीं, जमीन से जुड़ा महसूस हुआ। शाह टाइम्स की संपादकीय टीम का संचालन कार्यकारी संपादक के रूप में 21 वर्षों से आनन्द बत्रा सुमन सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं।

नवाचार और भविष्य की ओर दृष्टि

आज जब पारंपरिक रूप से चलने वाला प्रिंट मीडिया डिजिटल हो रहा है, तो शाह टाइम्स ने भी डिजिटल विस्तार, सोशल मीडिया, और मोबाइल रीडिंग जैसे पहलुओं में अपने प्रभावी कदम बढ़ाए हैं। पत्रका. रिता के मूल्य, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व व जनहित से जुड़े सरोकार जैसे सिद्धांत डिजिटल होने के बावजूद जस के तस हैं।

रजत से स्वर्ण की ओर

25 वर्षों की यह रजत यात्रा शाह टाइम्स की सदाबहार प्रासंगिकता का प्रतीक है। उत्तराखंड के जन-जीवन से जुड़ाव, राज्य के हर मोड़ पर सच्चाई को सामने रखने का साहस के प्रति निष्ठा। यही शाह टाइम्स की पहचान है। अब यह रजत पड़ाव स्वर्णिम भविष्य की ओर बढ़ते कदमों की तैयारी है। **शब्द रुके नहीं हैं, यात्रा जारी है।**

ऐतिहासिक दिन: जब एनडी तिवारी बने सम्पादक

दैनिक शाह टाइम्स के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय तब जुड़ गया, जब उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री, पंडित नारायण दत्त तिवारी, देहरादून के सुभाष रोड स्थित अखबार के कार्यालय में पधारे। यद्यपि उनका आगमन एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित था, किंतु संपादकीय कक्ष की दहलीज पर कदम रखते ही उनके भीतर का जन्मजात पत्रकार सहसा जाग उठा। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के तत्काल तत्कालीन स्थानीय संपादक नरेंद्र सेठी और उप-संपादक मोहम्मद शाहनजर के साथ उस दिन की प्रमुख खबरों पर गहन विमर्श किया। लगभग एक घंटे तक, पंडित तिवारी ने स्वयं बड़ी दिलचस्पी और गहनता से समाचार संपादन की कमान संभाली। यह अविस्मरणीय क्षण दैनिक शाह टाइम्स की संपादकीय स्वतंत्रता, उसकी अकाट्य साख और पत्रकारिता के प्रति उसकी अडिग गंभीरता का एक उदात्त प्रमाण बन गया।

8 संस्करणों का सफर

दमदार भूमिका

मुजफ्फरनगर

शाह पब्लिकेशन द्वारा 6 सितंबर 1999 को जनसरोकारों और सकारात्मक पत्रकारिता के दृष्टिकोण को आगे रखते हुए शुरू किया गया हिंदी दैनिक समाचार पत्र शाह टाइम्स आज तीन राज्यों में 8 संस्करणों के साथ निष्पक्ष और सबसे भरोसेमंद पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इन राज्यों के विकास में शाह टाइम्स ने सदैव एक प्रेरक की भूमिका निभाई है। यह अखबार 25 वर्षों में एक विशाल वृक्ष बन गया, जो उत्तर भारत में हिंदी पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसके स्लोगन खबरें छुपाता नहीं। छापता है की व्यापक पहचान और पाठकों के बीच इसकी विश्वसनीयता से लगाया जा सकता है। यह अखबार पूरे उत्तराखंड में एकमात्र ऐसा प्रकाशन है जो सभी जिलों में सामान्यत: एक समान पठन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा मिला।

देहरादून

26 मार्च 2001 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से गढ़वाल संस्करण की शुरुआत करने वाला दैनिक शाह टाइम्स उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। इस अखबार ने राज्य के सामाजिक, राजनी. तिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परि.श्य में घटित तमाम प्रमुख घटनाओं को न केवल सूक्ष्मता से कवर किया, बल्कि विकास से

जुड़ी जनसमस्याओं को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया।

नई दिल्ली

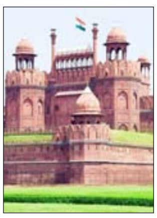

देश की राजधानी नई दिल्ली से 29 नवंबर 2002 अपने नई दिल्ली संस्करण की शुरुआत कर राष्ट्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज की। ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिल्ली न केवल भारत की सत्ता का केंद्र है, बल्कि विविधता में एकता, आधुनिकता और परंपरा का अद्वितीय संगम भी है। अपनी निर्भीक पत्रकारिता और वस्तुनिष्ठ .ष्टिकोण के साथ यह संस्करण राष्ट्रीय राजधानी के सामाजिक व राजनीतिक परि. श्य का एक विश्वसनीय दर्पण बन चुका है।

मुरादाबाद

दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद 11 अप्रैल 2003 में अपने मुरादाबाद संस्करण की शुरुआत की। पीतल नगरी के नाम से प्रसिद्ध मुरादाबाद न केवल अपने हस्तशिल्प उद्योग के लिए जाना जाता है, बल्कि यह सांस्कृतिक विविधता, व्यापारिक सक्रियता और शैक्षणिक प्रगति का भी केंद्र रहा है। इन वर्षों में दैनिक शाह टाइम्स ने मुरादाबाद मंडल की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों को निष्पक्ष, संवे. दनशील तथा जनपक्षधर पत्रकारिता के माध्यम से प्रस्तुत किया।

हल्द्वानी

22 अप्रैल 2003 को कुमाऊं संस्करण के साथ दैनिक शाह टाइम्स ने कुमाऊं मंडल में जनभावनाओं, विकास संबंधी मुद्दों और प्रशासनिक गतिविधियों को निष्पक्षता और गंभीरता से प्रस्तुत करते हुए इसने जनता और शासन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम तैयार किया है। क्षेत्रीय सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह संस्करण कुमाऊं की पत्रकारिता में एक विश्वसनीय महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मेरठ

मेरठ संस्करण की शुरुआत मेरठ 13 फरवरी 2007 में हुई थी। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक .ष्टि से समृद्ध मेरठ न केवल 1857 की क्रांति की पहली चिंगारी के लिए जाना जाता है, बल्कि यह आज भी खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मेरठ मंडल की राजनीतिक हलचलों, सामा. जिक बदलावों, प्रशासनिक

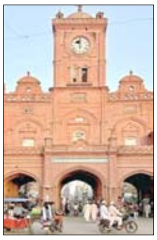

नीतियों और जन आंदोलन की गहराई से रिपोर्टिंग करते हुए शाह टाइम्स ने जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है।

जुड़े पत्रकारिता व साहित्य के बड़े हस्ताक्षर

शाह टाइम्स की इस 25 वर्षों की रजत यात्रा में पत्रकारिता एवं लेखन के प्रसिद्ध हस्ताक्षर डॉ. मेहरुद्दीन खां, पत्रकारिता के भीष्म पितामह के नाम से प्रसिद्ध श्याम अंजान और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमलेश्वर सहित कई अन्य बड़े वरिष्ठ पत्रकारों और साहित्यकारों के उल्लेखनीय योगदान एवं सहयोग ने अखबार की सफलता को नई ऊंचाइयां दीं। जिसमें संपादकीय टीम के साथ तकनीकी टीम और अन्य स्टाफ का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बरेली

बरेली संस्करण की 18 जुलाई 2003 को में शुरुआत कर शाह टाइम्स ने रुहेलखंड क्षेत्र की पत्रकारिता में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। सांस्कृतिक, धार्मिक और औद्योगिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान रखने वाला बरेली, झुमका नगरी के नाम से प्रसिद्ध है और यहां का सर्जिकल, फर्नीचर व बांस उद्योग राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ चुका है। पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण बरेली के विकास यात्रा का सजीव दस्तावेज बन चुका है।

लखनऊ

उप्र की राजधानी लखनऊ से 1 अगस्त 2009 आठवें संस्करण की शुरुआत की। अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और साहित्यिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध लखनऊ न केवल प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और उद्योग के क्षेत्र में भी इसकी विशिष्ट पहचान है। अपनी निष्पक्ष, सटीक और जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से यह संस्करण लखनऊ और उत्तर प्रदेश के विकास यात्रा का सशक्त साक्षी बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

तीन विभागों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षक दिवस पांच सितम्बर को सभी शिक्षकों के लिए की गई कैशलेश चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की घोषणा की गई थी। इस सुविधा का लाभ बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा के साथ ही श्रम, समाज कल्याण व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के शिक्षकों-कर्मचारियों को भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इन सभी विभागों को पत्र भेजकर निर्धारित प्रोफार्मा पर सूचना मांगी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ ही शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयां को इस योजना का लाभ मिलना था।

यूपी का रहस्यमयी मठ, जो भी अंदर गया, जिंदा नहीं बचा

बलिया। यूपी के बलिया में एक रहस्यमयी मठ है, जिसके अंदर जिसने भी प्रवेश किया, वह जिंदा नहीं बचा। इसकी मान्यता काफी अजीबो-गरीब है। यहां आज दिन तक कोई ऐसा मठाधीश नहीं रहा, जो जीते जी मठ से कभी बाहर निकला हो। इस मठ में खुद कपिलमुनि पांडेय ने तपस्या करते हुए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी थी। साथ ही आदेश दिया था कि कोई भी मठाधीश इस सीमा को पार न करे। तब से लेकर आज तक इस मठ की परंपरा और डर, दोनों बरकरार हैं। यहां के मठाधीश बाहर की दुनिया नहीं देख सकते हैं। यह रहस्यमयी मठ बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रकबा टोला गांव में है। इस मठ का नाम मुन जी बाबा की मठिया है। वर्तमान मठाधीश जयनारायण पांडेय के अनुसार वह इस परंपरा की आठवीं पीढ़ी में महंथ हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नियुक्ति पर लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को झटका

प्रयागराज, वार्ता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में गैर बीएड धारकों को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) कंप्यूटर पदों की भर्ती में गैर बीएड डिग्रीधारकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है।

कंप्यूटर शिक्षक भर्ती में बीएड की अनिवार्यता समाप्त करने पर सरकार से दो हफ्ते में जवाब तलब किया है। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की अदालत ने जौनपुर निवासी प्रवीन मिश्रा व अन्य की ओर से वर्ष 2024 में बने छठे संशोधन नियम और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 2025 में विज्ञापित सहायक अध्यापक भर्ती को चुनौती देने

सरकार की दलील मानने से किया इन्कार

वाली याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पद पर नियुक्ति के लिए बीएड की डिग्री अनिवार्य है, जबकि राज्य सरकार ने इसे केवल वांछनीय योग्यता बताकर भर्ती की राह आसान करने की कोशिश की। कोर्ट ने साफ किया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि छठे संशोधन नियम व आयोग के विज्ञापन में कहा गया कि कंप्यूटर शिक्षक के पद पर बीएड केवल वरीयता मानी जाएगी, अनिवार्य नहीं, जबकि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना के मुताबिक कंप्यूटर शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए बीएड अनिवार्य योग्यता है। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि एनसीटीई की 12 नवम्बर 2014 की अधिसूचना में बीएड को माध्यमिक स्तर के सभी अध्यापक पदों के लिए न्यूनतम योग्यता घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार इसे बदल नहीं सकती। वहीं राज्य सरकार के अधिवक्ता ने दलील दी कि 2018 की भर्ती में बीएड योग्य अभ्यर्थियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त रह गए थे। छात्रों के हित में संशोधन कर अधिक उम्मीदवारों को अवसर देने की कोशिश की गई। अदालत ने सरकार की दलीलों को मानने से इन्कार कर दिया।

यूपी के सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में श्रमदान शुरू

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य के सभी सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को श्रमदान अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत विद्यार्थी खुद अपना परिसर सजाएंगे। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। सरकार की इस नई पहल के तहत अब सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में हर रविवार को विद्यार्थियों द्वारा श्रमदान किया जाएगा, ताकि वो अपने परिसर को खुद सजा सकें और साफ-सुथरा रख सकें। इस कार्यक्रम का मकसद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, साथ ही बागवानी के जरिए से पर्यावरण चेतना भी बढ़ाना है। श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास में टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत की जाएगी, पानी की टंकियों और नालियों की सफाई एवं कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यूपी में आज रात से भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, वार्ता

पूरे प्रदेश में दो दिन तक अभी उमस और परेशान करेगी। सोमवार देर शाम से मौसम में बदलाव की उम्मीद है। तापमान भी गिर सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार मध्यांचल में सोमवार व मंगलवार को कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं पूर्वांचल में भारी या मध्यम बारिश हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार देर शाम से पूर्वांचल में भारी बारिश की संभावना है, जिसकी शुरुआत नेपाल बार्डर से सटे कुशीनगर व अन्य जिलों से हो सकती है। बारिश उत्तर से दक्षिण की ओर स्थानांतरित होगी। तीन से चार दिन तक बारिश के आसार हैं। तराई क्षेत्र में अच्छी बारिश की उम्मीद है, लेकिन रविवार और सोमवार को प्रदेश में छिटपुट

दो दिन और सताएगी गर्मी-उमस

बूंदाबांदी के बीच उमस परेशान करती रहेगी। सोमवार के बाद से पश्चिमी राजस्थान में मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में फिलहाल अभी ऐसी स्थिति नहीं है। लो प्रेशर एरिया की वजह से सोमवार शाम से मध्यांचल में मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का खास असर देखने को नहीं मिलेगा। यूपी में बीते कुछ दिनों से भारी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा है। लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह से शाम तक धूप बनी रही।

चावल के दाने पर तस्वीर देख चौंके राहुल

रायबरेली, वार्ता

अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उस समय चौंक गए, जब उन्होंने अपनी तस्वीर चावल के एक दाने पर देखी। कलाकार ने अरहर के दाने पर भी राहुल की तस्वीर उकेरी थी। इसे देखकर राहुल गांधी ने कलाकार की जमकर तारीफ की। रायबरेली के कलाकार मो. नसीम ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चावल पर बनी तस्वीरें नेता प्रतिपक्ष को भेंट कीं।

कलाकार मो. नसीम ने बताया कि राहुल गांधी ने यह तस्वीरें देखकर कहा कि इतनी महीन कारीगरी कैसे कर लेते हैं? उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी सरकार आई, तो ऐसा सम्मान देंगे, जिसे आपने सोचा

रायबरेली के कलाकार ने गिफ्ट किया मोमेंटो

तक नहीं होगा। नसीम ने बताया कि 11 सितंबर को सांसद राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे तब उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीर को चावल के एक दाने पर बनाया। दाल के दाने पर उन्होंने एक्रेलिक पेंट्स से राहुल गांधी की तस्वीर बनाई और उन्हें गिफ्ट की। नसीम ने बताया कि पिछले 25 वर्ष यानी 1999 से यह कलाकारी कर रहे हैं। 5 बार का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम है। रायबरेली का नाम पूरी दुनिया मे रोशन किया है। मो. नसीम ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी उनके हुनर की तारीफ की थी, सम्मान भी दिया था। मो. नसीम के घर पर इसी तरह से चावल के दाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित दिग्गज हस्तियों का चित्र बनाकर रखा ह। मो. नसीम ने बताया कि कई बार मुंबई में नेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें सम्मानित किया है। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा का दाल के दाने पर चित्र बनाने के बाद उन्होंने भी अमेठी में मिलने के लिए उन्हें बुलाया है।

शुरुआत में राहुल गांधी को छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। राहुल गांधी के रायबरेली दौर को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखा व्यंग करते हुए कहा कि शुरुआत में राहुल गांधी को हाइड्रोजन बम के स्थान पर छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था। राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के दौरान दिए गए बयान को लेकर रविवार को कटाक्ष करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स लिखा कि कांग्रेस को अपने मनमौजी नेता राहुल गांधी के हाथों में सीधे एटम बम या हाइड्रोजन बम नहीं थमाना चाहिए था। शुरुआत में उन्हें कोई छोटा-मोटा पटाखा देना चाहिए था।

सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें

नई दिल्ली, वार्ता

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कई भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें हिंदी देश की सबसे बड़ी आबादी में बोली जाने वाली भाषा है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसी फैसले को याद करते हुए 14 सितंबर 1953 को हिंदी दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमारा देश मूलतः भाषा प्रधान राष्ट्र है। हमारी भाषाएं संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम रही हैं। हिंदी दिवस के अवसर हम हिंदी सहित सभी

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील

भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विकसित भारत की ओर अग्रसर हों।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में बिहू के गीत, तमिलनाडु में ओवियालु की आवाज़, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति के पद, बंगाल में बाउल संतों के भजन, कजरी गीत और भिखारी ठाकुर का बिदेसिया - इन सभी ने देश की संस्कृति को जीवंत और कल्याणकारी बनाए रखा है। गृह मंत्री ने कहा कि संत तिरुवल्लुवर के पद दक्षिण में उतनी ही श्रद्धा से गाए जाते हैं जितनी उत्तर में उन्हें रुचि के साथ पढ़ा जाता है और कृष्णदेव. राय दक्षिण में भी उतने ही लोक. प्रिय थे जितने उत्तर में। अमित शाह ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती की देश भक्तिपूर्ण रचनाएं हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास हर भारतीय के लिए पूजनीय हैं और संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम में अनुवादित पाए जाते हैं।

सेंसेक्स 81101.32
निफ्टी 24868.60

सोना रु. 109707
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 128008
प्रति किलो

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख महंगाई के आंकड़ों और अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों के बारे में फैसले पर निर्भर करेगा।

खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े गत शुक्रवार को बाजार बंद होने पर जारी किए गए थे। वहीं कल यानी सोमवार को थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों पर बैठक मंगलवार और बुधवार को होगी और दूसरे दिन बयान जारी किया जाएगा। इन सभी कारकों का बाजार पर असर देखने को मिलेगा। खुदरा महंगाई दर जुलाई की तुलना में बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर रही। खाद्य मुद्रास्फीति जहां एक बार फिर शून्य से नीचे रही, वहीं गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। निवेशकों की नजर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर भी रहेगी। बीते

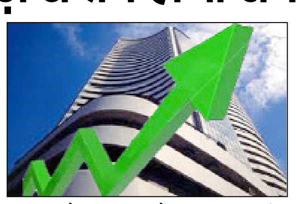

सप्ताह शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,193.94 अंक (1.48 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ शुक्रवार को 81,904.70 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 373 अंक यानी 1. 51 प्रतिशत चढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियां भी दिग्गज कंपनियों की राह पर रहीं। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2. 10 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.90 प्रतिशत मजबूत हुए। सप्ताह के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में चार प्रतिशत के अधिक की तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक करीब तीन प्रतिशत बढ़त में रहा। ऑटो और धातु सूचकांक दो प्रतिशत के अधिक चढ़े। निफ्टी फार्मा में करीब दो प्रतिशत की तेजी रही।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक एक प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। बीईएल में 7.63 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। बजाज ऑटो का शेयर 6.99 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.62 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 5.36 प्रतिशत चढ़ा। एक्सिस बैंक का शेयर 4.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक में दो प्रतिशत के अधिक की साप्ताहिक तेजी रही। ट्रेंट का शेयर 7. 15 प्रतिशत टूट गया। टाइटन में 2.57 फीसदी, इटरनल में 2.35 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलिवर में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही।

रुपए में रही 17 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

मुंबई। रुपया बीते सप्ताह दबाव में रहा और ऐतिहासिक निचले स्तर तक लुढ़कने के बाद 16.75 पैसे की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 88.26 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा गत सप्ताह गुरुवार को 88.35 रुपए प्रति डॉलर तक फिसल गयी थी। उसी दिन बीच कारोबार में यह 88.49 रुपए प्रति डॉलर तक भी लुढ़की थी। निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर लिवाली से रुपए पर दबाव रहा, हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार से पैसा निकालने से रुपए को कुछ समर्थन मिला और यह सप्ताहांत पर 88.26 रुपए प्रति डॉलर रहा।

चावल नरम, गेहूं-चीनी मजबूत, खाद्य तेलों में घटत-बढ़त, दालों के दाम बढ़े

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए, जबकि गेहूं में तेजी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि दालों के दाम बढ़ गए।

घरेलू थोक जिस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 18 रुपए कम होकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपए प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 10 रुपए महंगा होकर 2,859.13 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी 24 रुपए बढ़ गयी और सप्ताहांत पर यह 3,334.63 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 68 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंगफली तेल में 288 रुपए और वनस्पति में 112 रुपए प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी। सूरजमखी तेल 70 रुपए और पाम ऑयल 140 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वहीं सोयाबीन तेल 30 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम बढ़ गए। उड़द दाल में 42 रुपए और दाल मूंग में 38 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। तुअर दाल भी आठ रुपए महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 23 रुपए प्रति क्विंटल

बढ़ गई। चना दाल के भाव कमोबेश स्थिर रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में लगातार दो सप्ताह की नरमी के बाद फिर तेजी लौट आयी। गुड़ के औसत भाव करीब 54 रुपए प्रति क्विंटल और चीनी के 29 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7892.79 रुपए, मसूर काली 8115.39 रुपए, मूंग दाल 10089.95 रुपए, उड़द दाल 10446.72 रुपए, अरहर दाल 10571.89 रुपए प्रति क्विंटल। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2859.13 रुपए और चावल 3759 रुपए प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4329.01 रुपए और गुड़ 4980.74 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

कीमत बढ़ने से कम सोना खरीद रहे लोग, कैरेट पर भी कर रहे समझौता

नई दिल्ली। सोने की कीमत आसमान पर होने के कारण लोगों ने गहने-जेवरात की खरीद कम कर दी है, यहां तक कि कैरेट पर भी समझौता कर रहे हैं, इसके बावजूद सर्राफा व्यापारियों की चांदी है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,13,000 रुपये प्रति दस ग्राम से ऊपर है, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। यह इस साल 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हुआ है।

यहां भारत मंडपम में 13 से 15 सितम्बर तक जारी तीन दिवसीय दिल्ली ज्वेलरी एंड जेम्स फेयर 2025 में मीडिया से बात करते हुए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि ऊंची कीमत के अलावा एक और तथ्य है जो लोगों की पसंद को प्रभावित कर रही है। अब महिलाएं भारी जेवर की बजाय हल्के जेवर ज्यादा पसंद करती हैं जिन्हें वे ऑफिस या घरों में भी रोजाना पहन सकें, न कि सिर्फ खास मौकों पर। इसलिए, लोग शादियों में भी हल्के जेवर दे रहे हैं। यह जेब के लिए किफायती भी है और फैशन पसंद युवा वर्ग के लिए बिल्कुल सही है। यही कारण है कि अब बड़े सेट ज्यादा नहीं बिक रहे हैं। ज्वेलरी डिजाइनर वालिया ने कहा कि हमारे देश में कुछ भी हो जाए, लोग शादी-विवाह में गहने जरूर देते हैं। लेकिन बजट को देखते हुए अब वे कैरेट पर समझौता कर रहे हैं। दक्षिण भारत में पहले 22 कैरेट से कम का सोना बिकता ही नहीं था, अब वहां भी 18 कैरेट का सोना बिकने लगा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नौ कैरेट के सोने को भी हॉलमार्क देने का फैसला करते हुए सरकार ने अब उसकी बिक्री को भी मान्यता दे दी है। द बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (टीबीजेए) के चेयरमैन रामअवतार वर्मा ने भी स्वीकार किया कि लोग अब पहले के मुकाबले कम सोना खरीद रहे हैं, लेकिन दाम इतने ऊंचे हैं कि व्यापारियों की आय बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सोने की कीमत अभी और बढ़ेगी, क्योंकि पहले भी दाम में कितनी ही तेज उछाल के बाद भी इसने कभी वापस मुड़कर नहीं देखा। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं। उसका कहना है कि इस साल देश में सोने की खपत पांच साल के निचले स्तर पर 600 से 700 टन के बीच रह सकती है। पिछले साल यह 802.8 टन रही थी। अप्रैल-जून तिमाही में खपत 10 प्रतिशत कम होकर 134.9 टन रही थी।

बॉर्डर खुला, चार दिन बाद दिखी चहल-पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। सील रुपईडीहा बॉर्डर सुबह 10 बजे खोल दिया गया। इससे दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू हो गया।

कड़ी जांच के बाद ही सभी को आगे भेजा जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। इस बीच आईसीपी के पास लैंड पोर्ट में लगी ट्रकों की कतार भी करीब समाप्त हो गई। नेपाल में उपद्रव और बॉर्डर सील होने के कारण भारत-नेपाल व्यापार पांच दिन तक ठप रहा। इस दौरान भारत के निर्यातकों का करीब 22 करोड़

खत्म हुई ट्रकों की कतार, दोनों देशों के नागरिकों व मालवाहक वाहनों का आवागमन शुरू

रुपए का टर्नओवर प्रभावित हुआ है। वहीं, लैंड पोर्ट प्रशासन को भी 12 लाख रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा। राहत की बात यह रही कि नेपाल के हालात को देखते हुए ट्रकों से सामान्य शुल्क ही लिया गया। इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) में प्रतिदिन रुकने पर लगने वाला जुर्माना माफ कर दिया गया। आवागमन शुरू होने से शनिवार सुबह बॉर्डर पर रौनक लौटी। करीब 10 हजार लोग नेपाल से भारत आए। एसएसबी के अनुसार करीब पांच हजार नेपाली नागरिक भी यहां से नेपाल गए। साप्ताहिक अवकाश के कारण नेपाल में सरकारी कार्यालय बंद रहे। रविवार से सरकारी कार्यालयों के भी खुलने की उम्मीद है, जिससे हालात और भी सामान्य होंगे। बॉर्डर खुलने से स्थानीय व्यापारियों ने भी राहत की सांस ली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बलराम मिश्रा, संरक्षक विजय मित्तल और रतन अग्रवाल ने बताया कि धीरे-धीरे व्यापार पटरी पर लौटने की उम्मीद है। व्यापारी नेताओं के अनुसार शनिवार को नेपाल से बड़ी संख्या में खरीदार रुपईडीहा बाजार आए। इससे एक दिन में करीब 50 लाख रुपए के कारोबार की उम्मीद है। नेपाली नागरिकों ने सबसे ज्यादा खाद्य पदार्थों की खरीद की।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबरें छुपाता नही, छापता है

शाह टाइम्स

25 Years Anniversary

बरेली, सोमवार 15 सितम्बर 2025 बरेली संस्करण: वर्ष 22 अंक 291 पृष्ठ 12+12 मूल्य रुपये 5.00

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

shahtimes2015@gmail.com आश्विन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 22 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सूचना

सभी सम्मानित पाठकों और विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि **दैनिक शाह टाइम्स** के रजत जयंती विशेषांक के क्रम में आज का अंक 12 + 12 = 24 पृष्ठ का है।

–व्यवस्थापक

असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप, मकानों में दरारें आईं

नई दिल्ली। असम में रविवार शाम 4:41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक,भूकंप का केंद्र असम के उदलगुरी में 5 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके झटके पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश भूटान तक महसूस किए गए। भूकंप के बाद गुवाहाटी में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अब तक कहीं से जान–माल के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, कई मकानों में दरारें आ गई हैं। भूकंप के बाद असम के कई जिलों में मकानों में दरार आ गई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम में बड़ा भूकंप आया। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं, सभी सतर्क रहें।

अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्रपेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल , भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है। एनआईए के अनुसार विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च, 2025 तड़के ग्रेनेड फेंका था।

आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख आज

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2025–26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए रविवार को ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी। विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं, तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितम्बर है।

जनगणना की मॉकड्रिल अक्टूबर से शुरू होगी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना–2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच–परख के लिए एक अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी।

भारत की सात और संपत्तियां यूनेस्को विरासत बनीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हुई

नई दिल्ली। भारत की सात नई प्राकृतिक धरोहरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के पंचगनी और महाबलेश्वर के डेक्कन ट्रैप्स तथा आंध्र प्रदेश की तिरुमला पहाड़ियां प्रमुख हैं। इन सात स्थलों के जुड़ने के बाद भारत की कुल धरोहरों की संख्या 69 हो जाएगी।

इनमें 49 सांस्कृतिक, 3 मिश्रित और 17 प्राकृतिक श्रेणी की धरोहरें शामिल हैं। यूनेस्को के स्थायी प्रतिनिधिमंडल भारत की इन जगहों के चयन पर बताया कि इन धरोहरों को सूची में शामिल किया जाना देश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सूची में शामिल सात नए स्थलों पर एक नजर–डेक्कन ट्रैप्स (पंचगनी और महाबलेश्वर, महाराष्ट्र), सेंट मैरी आइलैंड क्लस्टर का भूवैज्ञानिक धरोहर (उडुपी, कर्नाटक), मेघालयन एज गुफाएं (ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय), नगा हिल ओफियोलाइट (किफाइरे, नगालैंड), एर्रा मट्टी डिब्बालु (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश), तिरुमला हिल्स का प्राकृतिक धरोहर (तिरुपति, आंध्र प्रदेश), वरकला का प्राकृतिक धरोहर (केरल)। विगत 12 सितम्बर को किए गए औपचारिक ऐलान में कहा गया कि कुल सात प्राकृतिक धरोहरें सूची में जोड़ी गई हैं। यूनेस्को की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी धरोहर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने से पहले उसका टेंटेटिव लिस्ट (अस्थायी सूची) में होना अनिवार्य है। यूनेस्को में भारत के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उनके इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया है।

भारत ने पाकिस्तान को सस्ते में लपेटा

■ पाक ने भारत को दिया 128 रन का टारगेट

दुबई। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एशिया कप के ग्रुप–ए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए।

साहिबजादा फरहान ने 40 और शाहीन शाह अफरीदी ने 33 रन बनाए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने 2–2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर सुफियान मुकीम को बोल्ड किया। टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हाथ नहीं मिलाया। दोनों ने एक–दूसरे से नजरें भी नहीं मिलाई। इंटरनेशनल मैचों में टॉस के बाद दोनों कप्तानों के हाथ मिलाने की परंपरा रही है।

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं

असम में पीएम बोले- कांग्रेस ने घुसपैठियों को दिया बढ़ावा, गरीबों को ठुकराया

गुवाहाटी, वार्ता

हमारे लिए जनता भगवान

■ मोदी ने 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे का रविवार को दूसरा दिन था। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। प्रधानमंत्री ने दरांग में कहा कि जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने–गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता। नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भव: है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से सीधा लोकगायक भूपेन हजारिका की विशेष श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके बाद रात में स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरे थे। असम से पहले पीएम ने मिजोरम और मणिपुर में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा। हम मिलकर नया असम बनाएंगे।

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

■ पीएम ने असम बायो एथेनॉल संयंत्र का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पालीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे–जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे–वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं।

नासिक में सीबीआई ने दो फर्जी कॉल सेंटरों का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। सीबीआई ने महाराष्ट्र के नासिक में दो अवैध कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है, जो स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से चलाए जा रहे थे। सीबीआई के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि 11 सितम्बर को चार व्यक्तियों और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नामजद लोग नासिक में स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दो अवैध कॉल सेंटर चला रहे हैं और ब्रिटिश नागरिकों से बीमा एजेंट या सरकारी अधिकारी बन कर ठगी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि इन अवैध सेंटरों को चलाने वाले आरोपियों की पहचान गणेश और श्याम कामनकर के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इन सेंटरों पर लगभग 60 लोग काम कर रहे थे। ये लोग इंटरनेट के माध्यम से कॉल करते थे, जाली नंबरों और दस्तावेजों का उपयोग करके नकली बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर पीड़ितों से क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारियां हासिल कर ठगी करते थे। सीबीआई ने नासिक और कल्याण में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आठ कम्प्यूटर, आठ फोन, फर्जी बीमा पॉलिसी, पांच लाख रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं।

लखनऊ में बड़ा विमान हादसा टला

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ उड़ान भरने से ठीक पहले रोकी गई फ्लाइट

■ सांसद डिंपल यादव समेत 151 यात्री थे सवार

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार सुबह उस वक्त दहशत का माहौल पैदा हो गया, जब इंजन में तकनीकी गड़बड़ी से विमान को अचानक रोक दिया गया। यात्रियों की जान सांसत में आ गई। विमान को रनवे से वापस लौटाया गया।

यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना किया गया। वहीं इंजीनियरों की टीम देर तक विमान में गड़बड़ी का पता लगाती रही। मामला शनिवार सुबह का है। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई–2111 चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से सुबह 10.30 बजे के आसपास उड़ान भरकर 12.30 बजे तक दिल्ली पहुंच जाती है। सुबह विमान उड़ान के लिए तैयार था। यात्रियों की बोर्डिंग हो चुकी थी। विमान रनवे पर पहुंचा। उसके इंजनों ने रफ्तार पकड़नी शुरू की। उड़ान से ठीक पहले इंजन थ्रस्ट लेते हैं, जिससे एक झटके में विमान जमीन छोड़कर हवा में आ जाता है। लेकिन, दिल्ली जाने वाली यह उड़ान रनवे से उड़ान ही नहीं भर पाई। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव और गोंडा के सपा नेता सूरज सिंह विमान में सवार थे। सूरज सिंह ने सोशल मीडिया पर मामले को साझा किया। उन्होंने बताया कि वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। उन्हें 2बी सीट मिली थी। वह विमान में सवार हुए। विमान के रनवे पर पहुंचने के बाद इंजनों को थ्रस्ट नहीं मिला। तकनीकी गड़बड़ी के चलते ऐसा हुआ। लिहाजा इंडिगो के विमान को वापस लौटा लिया गया, लेकिन तेज रफ्तार विमान को अचानक रोक देने से यात्रियों में दहशत पैदा हो गई। यात्रियों को शांत करवाकर दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया। वहीं इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि रनवे पर विमान आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इसके चलते विमान की जांच करवाई गई। इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रनवे से विमान को लौटाने के बाद इंजीनियरों की टीम ने खराबी तलाशी।

बसपा में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को सौंपा अहम दायित्व

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व गुजरात में संगठन को करेंगे मजबूत

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल करते हुए अपने समधी और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर उन्हें चार अहम राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है।

हाल ही में पार्टी में वापसी करने वाले अशोक सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और गुजरात में संगठन को मजबूत करेंगे। इससे पहले इन राज्यों की जिम्मेदारी रणधीर सिंह बेनीवाल के पास थी। अब बेनीवाल को सेक्टर–चार का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अभी तक डा. लालजी मेधांकर संभाल रहे थे। श्री मेधांकर को नए फेरबदल के तहत सेक्टर–पांच का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर–छह अब पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभालेंगे। यह जिम्मेदारी अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास थी। सेक्टर–एक और सेक्टर–दो में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्टर–एक पूर्व सांसद रामजी गौतम के पास रहेगा, जबकि सेक्टर–दो की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राजाराम के पास बनी रहेगी। मायावती ने संगठनात्मक ढांचे को बेहतर बनाने के लिए देश को छह सेक्टरों में विभाजित किया है।

हर सेक्टर में तीन से चार राज्यों को शामिल किया गया है। इन सेक्टरों के कार्यों की समीक्षा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद करेंगे।

हैदराबाद के स्कूल में ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रस्ट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी।

राजनीतिक दलों के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मामला: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: ठोस कानून क्यों नहीं, चुनाव आयोग और केंद्र से तीन नवम्बर तक जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे राजनीतिक दल जो इनएक्टिव हैं, उनके जरिए टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग गंभीर मुद्दा है। यह सीधे लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधि आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर 3 नवम्बर तक जवाब मांगा है। पूछा है कि दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए अब तक ठोस कानून क्यों नहीं बनाया गया। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि आयकर विभाग की छापामारी में दो दलों इंडियन सोशल पार्टी और युवा भारत आत्म निर्भर दल के जरिये 500 करोड़ के फर्जी चंदे का मामला सामने आया था। नेशनल सर्व समाज पार्टी के जरिये 271 करोड़ का लेन–देन पकड़ा गया था। आरोप है कि हवाला और कमीशनखोरी के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही ये दल बनाए गए थे। इनका चुनाव से कोई लेना–देना नहीं। याचिकाकर्ता की दलील में कहा गया है कि करीब 90 प्रतिशत दल कभी चुनाव नहीं लड़ते।

पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो का दावा

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बंकर में छिपे थे आसिम मुनीर

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ बोले- पाक एयर डिफेंस हमारी एक मिसाइल भी नहीं रोक पाया

नई दिल्ली। भारतीय सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर एक बंकर में छिप गए थे।

जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। ढिल्लो ने आगे कहा कि भारत ने 7 मई को 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीकता से हमला किया। पाकिस्तान का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे तबाह किए थे। साथ ही पाकिस्तान के एयरबेस को भी नुकसान पहुंचाया था। 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म हुआ था। केजेएस ढिल्लो ने कहा कि जब पाकिस्तान के डीजीएमओ 10 मई को दोपहर 3:35 बजे हमारे डीजीएमओ को फोन करते हैं और युद्धविराम की भीख मांगते हैं, तो हमारे लिए यह जीत है।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर से रोकी गई

■ यूपी में चार, हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया।

19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। उप्र में बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2एमएम बारिश हुई जो औसत 679.3एमएम बारिश से 4 फीसदी कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। राज्य में 12 सितम्बर तक 133फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है।

थूकने के विवाद को लेकर हुई थी फहीम की हत्या

मृतक को शक था कि हत्यारोपी ने उसके ऊपर जानबूझकर थूका है

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। बावर्ची फहीम की हत्या थूकने के शक में हुई थी। पुलिस ने हत्यारोपी जाकिर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अन्य हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिशे दे रही है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात शहर के मोहल्ला चकली निवासी बावर्ची फहीम अंसारी की मोहल्ला काजीजादा में इमामबाड़े के पास हत्या कर दी गई थी। पड़ोस में रहने वाले जाकिर ने सीने में सूजा घोंप दिया था। जख्मी फहीम को लेकर परिजन पहले शहर सीएचसी फिर जिला अस्पताल पहुंचे थे। दोनों जगह चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया था। हत्या के पीछे वजह पड़ोस में रहने वाले इन दोनों के परिवारों के बीच 25 साल से चली आ रही रंजिश बताई गई थी। पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हो चुके थे। दस साल पहले भी बच्चों को लेकर बड़ा झगड़ा हुआ था। तब बिरादरी के लोगों ने समझाकर समझौता करा दिया था लेकिन रंजिश की चिंगारी सुलग ही रही थी। शुक्रवार दोपहर भी दोनों परिवारों के बीच विवाद सामने आया था लेकिन मोहल्ले के लोगों ने उस समय भी

आरोपी जाकिर

बीच-बचाव करा दिया था। मामले में मृतक फहीम के भाई एजाज ने जाकिर व उसके तीन भाइयों के खिलाफ हत्या का मुक. दमा दर्ज कराया था। पोस्टमार्टम

पुलिस ने हत्यारोपी को किया गिरफ्तार, हत्या में प्रयुक्त सूजा बरामद

के बाद शनिवार शाम को फहीम को सुपुर्देखाक कर दिया गया था। पुलिस तभी से हत्यारोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही थी। रविवार सुबह पुलिस ने मुख्य आरोपी जाकिर को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त सूजा भी पास ही नाली से बरामद कर लिया। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि पूछताछ के दौरान जाकिर ने बताया है कि वह चांद सूरज इमामबाड़े के पास खड़ा हुआ था। उसी दौरान उसके मुंह में मच्छर या कोई बरसाती कीड़ा चला गया, जिसकी वजह से उसने थूका तो उस समय फहीम भी वहीं से गुजर रहा था। फहीम को ऐसा लगा कि जैसे जाकिर ने उसे देख कर थूका है। बस इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था। फहीम ने गाली दी तो तैश में आकर जाकिर ने पास में ही खड़े अब्दुल वहीद के शिकंजी के ठेले से सूजा उठा कर उसके सीने में घोंप दिया।

हादसे में बाइक सवार घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

जोया। डिडौली थाना क्षेत्र के हसनपुर कलां गांव निवासी रिजवान शनिवार की शाम बाइक से बुढ़नपुर जा रहे थे। इसी दौरान फत्तेहपुर जिवाई मार्ग के सामने हाईवे पर मुरादाबाद की ओर से आ रही एक अज्ञात कार ने पीछे से उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रिजवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को चौधरपुर गांव स्थित जीवन-24 अस्पताल में भर्ती करायाद्य जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चारा लेने गई महिला से दुष्कर्म का प्रयास

रिपोर्ट दर्ज, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। खेत से चारा लेने गयी महिला को युवक ने बुरी नियत से दबोच लिया तथा उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

घटना नौगावां सादात थाना क्षेत्र के एक गांव की है। यहां रहने वाले एक किसान की पत्नी बीती 11 सितंबर की शाम खेत से चारा लेने गई थी। आरोप है कि गांव का रहने वाला युवक अंजार पीछा करते हुए वहां पहुंच गया। उसने महिला को बुरी नीयत से दबोचते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर चाकू दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट करते हुए खामोश कर दिया। किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची महिला ने परिवार के लोगों को आपबीती सुना दी। इसी बीच आरोपी अंजार गांव से फरार हो गया। परिवार के लोग पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे और तहरीर दे दी। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले आरोपी अंजार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है, अभी वह फरार है, जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत

पति से विवाद पर मायके में रह रही थी मृतका

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत हो गई। परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई शव सुपुर्देखाक कर दिया। पति से विवाद के चलते मृतका मायके में रहती थी।

घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले की है। यहां रहने वाले एक व्यक्ति ने करीब 15 साल पहले बिहार निवासी एक महिला से निकाह किया था। महिला पहले से शादीशुदा थी तथा उसके एक बेटी भी थी। बाद में महिला को बेटा पैदा हुआ था। करीब दस साल पहले पति की मौत हो गई तो महिला मोहल्ले में दोनों बच्चों के साथ रहने लगी। बड़ी बेटी की शादी चार साल पहले मोहल्ले के ही रहने वाले एक गूंगे युवक के साथ कर दी।आरोप है कि मोहल्ले के कुछ युवक गूंगे युवक की पत्नी को बहुत ज्यादा परेशान करते थे। सालभर पहले युवती ने गूंगे पति को छोड़ अपने मायके में आकर रहना शुरू कर दिया था। शनिवार को अचानक उसकी संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दिए बिना आनन-फानन में मृतका का शव सुपुर्दे खाक करा दिया। मोहल्ले में चर्चा है कि युवती ने जहर का सेवन किया था, इसके चलते उसकी मौत हुई है। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर इस संबंध में किसी भी तरह की जानकारी से इनकार किया है। तहरीर मिलने पर जांच व कार्रवाई की बात कही।

कोचिंग सेंटर से दो छात्र लापता

सेंटर से सामान लेने की बात कहकर निकले थे बाहर

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। नगर के जवाहर नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर में अध्धयनरत छात्र सामान लेने की बात कहकर निकल गए और वापस नहीं लौटे और न ही वे घर पहुंचे। कोचिंग संचालक व परिजनों ने काफी तलाश की मगर कुछ पता नहीं चला। रविवार को कोचिंग संचालक व परिजनों ने थाने पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई।

जानकारी के मुताबिक नगर के जवाहरनगर में मोहित कुमार पुत्र बलराम सिंह आरपीएस कोचिंग सेंटर एकेडमी है। यहां पर वे बच्चों

को कोचिंग देते हैं, उन्होंने हॉस्टल भी बना रखा है। बच्चे रात को भी यहीं पर रहते हैं। यहां पर 15 वर्षीय छात्र प्रयांश पुत्र जितेन्द्र पाल व 12 वर्षीय छात्र अनुभव पुत्र लोकेश कुमार शनिवार की शाम को सात बजे सामान लेने की बात कहकर निकले मगर काफी देर तक वापस नहीं आए। जिस पर कोचिंग संच. ालक व स्टॉफ ने उनके परिजनों को भी सूचित किया और उनकी तलाश शुरू कर दी गई। मगर वे वापस नहीं लौटे, रविवार को कोचिंग संचालक व छात्रों के परिजनों ने थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया और गुमशुदा बच्चों की तलाश की मांग की। वहीं पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि छात्रों की तलाश के लिये पुलिस जुटी हुई है। सीसीटीवी भी चैक कराए जा रहे हैं।

गार्ड को बताकर बाहर गए थे दोनों छात्र बताते हैं कि दोनों छात्र कोचिंग सेंटर के गार्ड को बताकर ही बाहर गए थे मगर वे जब काफी देर तक नहीं लौटे, तब उनके लापता होने का अहसास हुआ। फिर उसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई।

विवाहिता के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी

पीड़िता की तहरीर पर जेठ व देवर पर रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पति से विवाद के चलते मायके में रहने वाली विवाहिता के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। इतना ही नहीं चरित्र को लेकर भी आपत्तिजनक आरोप लगाए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी जेठ व देवर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

घटना डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है। यहां रहने वाले एक किसान ने अपनी बेटी की शादी क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवक के साथ की थी। ससुराल वालों से विवाद के चलते विवाहिता कुछ समय से डिडौली में अपने मायके रह रही है। आरोप है कि बीती 15 अगस्त को जेठ नईम और देवर मोहम्मद वसीम ने उसके पिता को फोन कर अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। साथ ही विवा. हिता के चरित्र पर अभद्र टिप्पणी करते हुए गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी थी। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने दोनों आरो. पियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

मिहिर भोज पर निकाली भव्य शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। नगर में रविवार को साहस शौर्य पराक्रम सुशासन के प्रतीक सनातन धर्म रक्षक गुर्जर प्रतिहार राजवंश के चक्रवर्ती सम्राट मिहिर भोज के जन्म उत्सव के उपलक्ष में विशाल शोभायात्रा निक. ाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। यह शोभायात्रा नुमाइश ग्राउंड हसनपुर से शुरू होकर अंबेडकर चौक, पुरानी तहसील, होते हुए रहरा अड्डा से रहरा मार्ग पर गांव शाहपुर कला, हथिया खेड़ा मंगरोला में स्थित शहीद स्मारक अजीत सिंह गुर्जर की मूर्ति पर जाकर संपन्न हुई। जिसमें लोगों ने नगर पालिका स्थित शहीद भगत सिंह स्मारक, अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण किया। गुर्जर महासभा के पूर्व प्रदेश महासचिव ओमकार सिंह कटारिया ने कहा कि गुर्जर प्रतिहार राजवंश के चक्रवती के महान शासक मिहिर भोज हमारा आदर्श हैं। उन्होंने

सनातन धर्म की रक्षा की देश की रक्षा की ओर देश में एक अच्छा राज्य स्थापित किया। उन्होंने समाज के लोगों से उनके पद चिन्हो पर चलने का आह्वान भी किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत, कोतवाल प्रेमपाल सिंह समेत सर्किल का फोर्स मौजूद रहा। इस मौके पर डॉ मनोज कटारिया, महकार सिंह प्रधान, ओमकार कटारिया, पिंटू भाटी, यशपाल सिंह, दिग्विजय सिंह भाटी, नेपाल सिंह, विनोद कुमार, मनोज कुमार समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

पीड़ित की फरियाद अनसुनी उल्टा दर्ज हुआ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। ग्राम डिंगरा निवासी अनुज पुत्र महीपाल सिंह ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। अनुज का कहना है कि बीते 29 अगस्त को रास्ते के विवाद को लेकर गांव के ही कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर उसके घर में घुस आए और हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने बेरहमी से पिटाई की जिससे उसके हाथ की दो उंगलियां टूट गईं और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसकी जान बची। घायल अनुज थाने पहुंचा तो पुलिस ने उसे अस्पताल भेजकर मेडिकल कराया और अगले दिन अमरोहा में एक्स-रे भी हुआ। लेकिन, रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय पुलिस ने उल्टा अनुज और उसके परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। अनुज ने एसपी अमरोहा को तहरीर देकर मांग की है कि उसकी रिपोर्ट दर्ज की जाए और हमलावरों पर सख्त कार्रवाई हो। उधर मामले में एसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं

बाइक की टक्कर से दो युवक घायल

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। अनियंत्रित होकर तेज गति में दौड़ रही बाइक की टक्कर से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को सीएचसी केंद्र से हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। शनिवार की देर शाम को सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव बेगपुर सर्की निवासी तेजपाल पुत्र टेकचंद एवं देवेंद्र पुत्र गंगासरन दोनों लोग गांव के ही मंदिर के नजदीक सड़क के किनारे बैठे हुए थे। जहां अनियंत्रित तेज गति में बगैर लाइट जलाये आ रही बाइक सवार ने दोनों लोगों को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। आनन फानन मौके पर पहुंचे लोगों तथा परिजनों द्वारा दोनों घायलों को हसनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति देखते हुए तेजपाल को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। उधर सरकारी अस्पताल में पहुंचे परिजनों में तेजपाल की हालत गंभीर होने से चीख पुकार मच गई।

दबंगों ने सब्जी विक्रेता को किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। दबंगों ने सब्जी विक्रेता के साथ मारपीट कर उसे बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। कोतवाली नगर के मोहल्ला कायस्थान निवासी फैज पुत्र रहीसुद्दीन ठेले पर लहसुन प्याज बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। बीते गुरुवार को नगर में एक ई रिक्शा से ठेला टकरा गया। जिससे दोनों पक्षों के बीच कहा सुनी हो गई। उस समय तो लोगों ने बीच बचाव कर दिया। लेकिन रविवार को दबंगों ने फैज को उसके घर के सामने ही लाठी डंडों से पीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। दबंगों ने उसके सिर पर धारदार हथियार से भी हमला किया। जिसमें वह घायल हो गया। घायल फैज परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने घायल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने बताया कि घायल को मेडिकल के लिए भेजा गया है। परिजनों द्वारा दी गई टिहरी के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास

दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। किशोरी के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। जिसमें पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। यह घटना रहरा थाना क्षेत्र की है। जहां एक पिता ने अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ हुई छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश की शिकायत पुलिस से की है। घपिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 2 जून को उनकी बेटी के साथ गांव के ही एक युवक ने अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ की थी। उस समय आरोपी के परिवार ने माफी मांगकर मामले को सुलझा लिया था और भविष्य में ऐसी घटना न होने का आश्वासन दिया था। घ्लेकिन 17 अगस्त को आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर फिर से उसकी बेटी को निशाना बनाया। सुबह जब नाबालिग छात्रा घर से कूड़ा डालने गई थी। तभी आरोपियों ने उसे पकड़कर गन्ने के खेत में खींचने की कोशिश की और दुष्कर्म का प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर गांव के लोगों को आता देख आरा. ेपी उसे धमकी देकर फरार हो गये। घ्इस घटना के बाद से पीड़िता बहुत डरी हुई है। जिसकी वजह से उसने स्कूल जाना भी छोड़ दिया है। पीड़िता के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुंदर पुत्र जबर सिंह और सोमित पुत्र भूप सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वरिष्ठ उप निरीक्षक संदीप पवार ने बताया कि दोनों आरोपियों की तलाश जारी है।

महिला का दो युवकों पर चेन स्नेचिंग का आरोप

भीड़ ने आरोपियों को पकड़ पिटाई कर पुलिस को सोंपा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। शहर के व्यस्तम सड़क पर दिनदहाड़ मेडिकल स्टोर संचालक की पत्नी ने चैन स्नैचिंग का आरोप लगाते शोर मचा दिया। भीड़ ने घेरकर दो युवकों को पकड़ लिया तथा उनकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। देर सांय तक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराने को पुलिस को तहरीर नहीं दी थी।

रविवार दोपहर की घटना टीपी नगर चौकी क्षेत्र में बटवाल तिराहा(सन प्लाजा) की है। यहां पर एक मेडिकल स्टोर है। जिसके संचालक की पत्नी ने दोपहर में करीब चार बजे बिजनौर रोड से गुजर रहे बाइक सवार दो युवकों पर चेन स्नैचिंग करने का आरोप लगाते हुए शोर मचा दिया। शोर सुनकर राहगीर रुक गए, दुकानदार भी दुकानों से बाहर निकल आए। वहीं, भागने की को. शिश कर रहे युवक थोड़ा आगे निकलते ही जाम में फंस गए। इतने में ही भीड़ ने दौड़कर दोनों युवकों पकड़ लिया। पहले उनकी जमकर पिटाई की तथा बाद में चौकी से पहुंचे पुलिसकर्मियों के हवाले कर दिया। पुलिस फिलहाल दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है। मेडिकल स्टोर संचालक की पत्नी ने मामले में देर शाम तक कोई तहरीर नहीं दी थी। वहीं प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि विवाद कार व बाइक की साइड लगने को लेकर हुआ था। युवकों से पूछताछ की गई है। आस-पास दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी जा रही हैं। वहीं, घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

मृतक के परिजनों का सांसद ने बंधाया ढांढस

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। सांसद कंवर सिंह तंवर ने भाजपा के धनौरा के शेरपुर मंडल अध्यक्ष कपिल भड़ाना के गांव शहजहांपुर पहुंचकर उनकी माता की मौत पर दुख जताया। वहीं भाजपा जिला मंत्री सुरेन्द्र ओलख की माता की मृत्यु पर परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी सहानुभूति पीड़ित परिवारों के साथ है। इस अवसर पर महेन्द्र खड़गवंशी, मनोज शर्मा, अंकुर नागर, मनीराम सिंह, कावेन्द्र भड़ाना, जबर सिंह, गंगासरन, प्रमोद, कमल सिंह व कपिल चौधरी आदि मौजूद रहे।

प्रबंध समिति ने किया प्रधानाचार्य को

महिला प्रवक्ता व छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोप में दर्ज हुआ है मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। महिला प्रवक्ता व छात्राओं द्वारा छेड़छाड़ व अश्लील बातें करने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद शिव इण्टर कॉलेज की प्रबंध समिति ने आरोपी प्रधानाचार्य डॉ.शलभ भारद्वाज के विरूद्ध निल. ंबन की कार्रवाई की, अब वे बिना अनुमति के विद्यालय नहीं आ सकेंगे। अब प्रबंध समिति ने गगन कुमार अग्रवाल को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया है।

बता दें कि महिला प्रवक्ता व छात्राओं के साथ अश्लील बात करने का आरोपों में प्रधानाचार्य डॉ. शलभ भारद्वाज के विरूद्ध पॉक्सो एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमा

गगन अग्रवाल को बनाया कार्यवाहक प्रधानाचार्य

दर्ज हुआ था और गिरफ्तारी के बाद चालान भी किया गया था, हालांकि उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई थी। इसी प्रकरण को लेकर रविवार की दोपहर स्कूल में प्रबंध समिति की बैठक संपन्न हुई। डीआईओएस की जांच रिपोर्ट को समिति के सदस्यों के सामने रखा गया। जिसमें प्रधानाचार्य दोषी हैं। इस आधार पर प्रबंध समिति ने प्रधानाचार्य को निलंबित करते हुए कालेज में प्रवेश भी वर्जित कर दिया है। प्रबंध समिति के मैनेजर एडवोकेट सुभाष भूषण शर्मा ने बताया कि बिना अनुमति के प्रधानाचार्य कालेज में प्रवेश नहीं करेंगे। उन्हें निलंबित भी कर दिया गया है। अब वे कॉलेज में तभी आएंगे जब उन्हें किसी जांच या बयान के लिये बुलाया जाएगा। बैठक में अनुरुद्ध कुमार रस्तोगी, अशोक कुमार शर्मा, मुनीश चंद्र गुप्ता, रमेशचंद्र सक्सेना, भूरे खां आदि शामिल रहे।

ग्रामीण को चार युवकों ने पीटा, केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। थाना क्षेत्र के गांव अहरौला तेजवन में एक ग्रामीण के साथ चार युवकों ने मारपीट करके घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरो. पियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांव निवासी रिंकु पुत्र सुरेश का आरोप है कि 13 सितम्बर की शाम को करीब आठ बजे गांव निवासी दो सगे भाई अभिषेक व धोनी व हेमंत और हेमपाल ने घेरकर लाठी डण्डों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के विरूद्ध मुक. दमा दर्ज कर लिया है।

आटा लेने गई मासूम से की छेड़छाड़

माफी मांगने पर दोनों पक्षों में समझौता

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। चक्की से आटा लेने गयी बच्ची से स्वामी ने छेड़छाड़ की। परिजनों के तहरीर न होने पर दोनों पक्षोंमें समझौता हो गया।

घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले की है। यहां रहने वाले एक परिवार की 13 साल की बच्ची शनिवार शाम चौराहे पर एक चक्की से आटा लेने आई थी। आरोप है कि अधेड़ उम्र के चक्की संचालक ने किसी बहाने से बच्ची को दुकान के भीतर बुला लिया। इसके बाद उसके सिर से दुपट्टा हटाकर छेड़छाड़ करने लगा। उस समय दुकान में कोई और मौजूद नहीं था। इरादे भांप बच्ची ने शोर मचा दिया और चीखती हुई दुकान से बाहर निकल आई। आवाज सुनकर आस-पास के दुकानदार भी अपनी दुकानों से बाहर निकल आए। पीड़ित बच्ची के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी दुकानदार को हिरासत में ले लिया लेकिन बताया जा रहा है कि थोड़ी देर बाद दोनों पक्षों में फैसला हो गया। बच्ची के परिजनों ने तहरीर देने से इनकार कर दिया लिहाजा मामले में बाद में पुलिस स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने दोनों पक्षों के बीच समझौता होने की बात कही।

बार महासचिव बनने पर अंशू का स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो हसनपुर। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन का महासचि. चव नियुक्त होने पर अंशू त्यागी का स्वागत किया गया। कांठ विधायक कमाल अख्तर के कैम्प कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में श्री अख्तर ने कहा कि सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव अंशू त्यागी के सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन का महासचिव बनने से युवा नेतृत्व समाज और बार दोनों के लिए नई ऊर्जा लेकर आता है। बार एसोसिएशन केवल अधिवक्ताओं का मंच नहीं है बल्कि न्याय व समाज के बीच एक मजबूत कड़ी हैं उन्होंने उम्मीद जतायी कि अंशू त्यागी अधिवक्ताओं की समस्याओं को दूर करने में अहम भूमिका निभायेंगे। इस दौरान उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मनोज त्यागी, अंकुर त्यागी, अरविंद त्यागी, अंकुर त्यागी, मनोज त्यागी, अमर त्यागी, आलोक भारती, कैसर परवेज आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर दो भाई घायल

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। सड़क हादसे में बाइक सवार दो चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गये हैं।

रविवार को यह घटना उस समय हुई जब व एक ट्रैक्टर से जुड़ी हैरो की चपेट में आ गये। सैदनगली के कस्बा उझारी के मोहल्ला कादरी चौक के निवासी सैफ पुत्र नासिर और हुजैब पुत्र वकार दोपहर करीब तीन बजे बाइक से हसनपुर से अपने घर लौट रहे थे। उझारी के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के नजदीक अचानक उनकी बाइक एक ट्रैक्टर से जुड़ी हैरो (खेत की जुताई में इस्तेमाल होने वाला औजार) से टकरा गई। इस टक्कर में दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गये। घटना की सूचना मिलने पर सरकारी एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। वहां मौजूद स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. ध्रुवेंद्र ने बताया कि दोनों घायलों की हालत गंभीर है, जिसकी वजह से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। हादसे की जानकारी मिलने पर दोनों युवकों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। इस घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और कृषि उपकरणों को सड़कों पर लाने के खतरों को उजागर किया है।

जुआ खेलने का वीडियो वायरल

हसनपुर में धड़ल्ले से खेला जा रहा जुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में जुए का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव गुलामपुर का बताया जा रहा है, जहाँ खुलेआम जुआ खेला जा रहा है।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बड़ी संख्या में युवा जुआ खेल रहे हैं। जिसमें लाखों रुपये दांव पर लगाये जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार इस जुए के कारोबार को गांव लठीरा के बबलू और गांव गुलामपुर के मलखान सिंह द्वारा चलाया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही जुआ खेलना शुरू होता है। बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो जाते हैं। यह वीडियो वहाँ मौजूद किसी शख्स ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड करके वायरल कर दिया। वीडियो में जुए का पूरा घटनाक्रम कैद है। जिससे यह साबित होता है कि इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध गति. विधियां चल रही हैं। कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने बताया कि उन्हें वायरल वीडियो की जानकारी है और इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरो. पियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जालमगी और उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा। यह घटना पुलिस और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि जुए का यह कारोबार समाज में कई तरह की समस्याओं को जन्म दे सकता है। पुलिस का कहना है कि वे इस तरह की अवैध गति. विधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

जुआ खेल रहे युवक बाइक छोड़कर भागे

पुलिस ने आधा दर्जन बाइकें कब्जे में लीं

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। जुआ खेलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कोतवाली पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने जुआरियों की आधा दर्जन बाइको को अपने कब्जे में ले लिया है।

रविवार की देर शाम कोतवाली पुलिस ने गांव लुहारी खादर के जंगल में जुआ होने की सूचना पर पुलिस ने बिना समय गंवाये छापा मार दिया। पुलिस को देखते ही जुआ खेलने वाले जुआरी वहां से भाग गये। लेकिन पुलिस जुआरियों की बाईको को ट्रैक्टर ट्राली में भरकर कोतवाली ले आई। बताया जा रहा है की लुहारी के जंगल में मोटा जुआ खिलाया जाता है। यहां पर दूर दराज के गांवों के जुआरी जुआ खेलने के लिए आते हैं। पुलिस को कई अन्य गांवों में छापेमारी करके जुआरियों की कमर को तोड़ना होगा। ताकि सीधे-साधे लोगों को जुआ खेलने के इस गलत काम से बचाया जा सके।

यतीन्द्र की हिन्दी सेवा अनुकरणीयः श्यौनाथ

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। शनिवार रात मौहल्ला महादेव स्थित डॉ. यतींद्र कटारिया के आवास पर हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर भव्य हिन्दी महोत्सव आयोजित हुआ। अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. कटारिया के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रचारक योगेन्द्र सिंह ने किया। महोत्सव में कवि सम्मेलन, साहित्यिक सम्मान व पुस्तक विमोचन हुआ। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार श्योनाथ सिंह ने कहा कि देश-विदेश में हिन्दी सेवा कर रहे डॉ. यतींद्र कटारिया का योगदान अनुकरणीय है। कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह, डॉ. दिनेश नागर, अनूप अग्रवाल, कुलदीप त्यागी, मनोज शर्मा, डॉ. इस्माइल सैफी, अखिलेश भाटी, सुशील अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

त्यौहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनाएंः सीओ

कोतवाली में हुई अमन कमेटी की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

जोया। आगामी नवरात्रि और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने के उद्देश्य से रविवार को डिडौली कोतवाली परिसर में अमन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी शक्ति सिंह व अपराध नियंत्रण इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने की।

बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, व्यापारी व समाजसेवी मौजूद रहे। क्षेत्राधिकारी शक्ति सिंह ने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे व सौहार्द का प्रतीक हैंद्य इसलिए सभी लोग मिल-जुलकर शांति और सहयोग के साथ पर्व मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचना दें।अपराध नियंत्रण इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहेगी। संवे. दनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाएगीद्य साइबर अपराध से बचाव की जानकारी देते हुए बताया कि सीसीटीवी निगरानी भी बढ़ाई जाएगी।अमन कमेटी के सदस्यों ने आश्वासन दिया कि वे समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का हर संभव सहयोग करेंगे। इस दौरान एस एस आई जसवीर सिंह,एस आई राकेश कुमार, रामप्रकाश वर्मा, ठाकुर पोपाल सिंह, छत्रपाल सिंह,मो इमरान, बब्लू गुप्ता, विनीत गुप्ता, विपिन गुप्ता, बिजेंद्र सिंह चौहान, सुभाष चौहान, चौधरी गजेन्द्र सिंह,कृष्णवीर सिंह पवांर एड, मकबूल चौधरी, डा रिहान, हिकमत अली, बब्बन खां, सत्तार हुसैन, विजेन्द्र प्रताप सिंह, मनोज गुप्ता, विजय सैनी, मुखराम सिंह, महिपाल सिंह, सत्यप्रकाश पवांर, सरदार ज्ञानी अतर सिंह,नन्हे सिंह आदि लोग उपस्थित रहे

भाकियू पदाधिकारियों का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। गन्ना किसानों की बकाया राशि दिलाने के लिए तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना देने वाली भारतीय किसान यूनियन (असली) के संघर्ष का असर साफ दिखा। मिल प्रशासन ने किसानों का संपूर्ण गन्ना भुगतान कर दिया, जिससे क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है। इसी उपलक्ष्य में रविवार को गांव कुआंखेड़ा में भाकियू असली के पदाधिकारियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह, जिला प्रवक्ता नरेश कुमार, जसपाल गिल, अब्दुल नाजिर, रामवीर सिंह, लोकेश, कपिल प्रधान, राजेन्द्र यादव, प्रदीप कुमार, दिनेश प्रधान, नन्हे सिंह, इसरत अली, आसिफ अली, इकबाल चौधरी और खालिद सलमानी सहित कई पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

श्रीराम ने तोड़ा धनुष, सीता ने डाली वरमाला

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। डिडौली श्री आदर्श रामलीला समिति के तत्वावधान में हसनपुर कलां गांव में चल रही रामलीला महोत्सव के चौथे दिन धनुष यज्ञ, सीताराम स्वयंवर एवं परशुराम संवाद की लीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने सजीव अभिनय से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।मंचन में जनकपुरी में आयोजित धनुष यज्ञ का दृश्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति अध्यक्ष रणवीर सिंह पंवार, ग्राम प्रधान प्रवीण कपासिया, महेश कुमार,कौशिन्द्र भाटी, शौबिन्द्र भाटी, खजान सिंह, धीरज गुप्ता, तरूण गुप्ता, प्रशांत, लेखपाल कर्मवीर सिंह कटारिया, कमल सिंह,मा सुधीर कटारिया, आदित्य कटारिया, जाहिद मंसूरी,मो पाशा, कलुआ गुर्जर, रो. बिन भाटी,बृहमपाल सिंह,नोबहार सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

पहली पत्नी के रहते विधवा से रचाई दूसरी शादी

विवाद के बाद पुलिस ने पति को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

जोया। डिडौली थाना क्षेत्र के नारंगपुर गांव में टैंट व डीजे कारोबारी सुखदीप सिंह पर पहली पत्नी के रहते स्वयं को अविवाहित बताकर दूसरी शादी रचाने का आरोप लगा है। जानकारी के अनुसार सुखदीप सिंह की मुलाकात मुरादाबाद के थाना मझोला क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी विधवा रोनू देवी से हुई थी।डीजे बजाने के दौरान नजदीकियों के बाद उसने खुद को अविवाहित बताकर रोनू देवी को झांसा दिया और जनवरी 2019 में अदालत में विवाह कर लिया।घर पहुंचने पर रोनू को पहली पत्नी सुमन के बारे में पता चला तो विवाद शुरू हो गया। इसके बाद सुखदीप ने रोनू को मुरादाबाद के खुशहालपुर में किराए के मकान में रहने लगे। कुछ दिनों से सुखदीप के संपर्क में न रहने पर रोनू नारंगपुर स्थित उसके घर पहुंच गईद्य जहां पहली पत्नी सुमन और रोनू देवी के बीच कहासुनी व मारपीट हो गई।मामला बढ़ने पर तीनों थाने पहुंचेद्य जहां विवाद जारी रहा। पुलिस ने हस्तक्षेप कर सुखदीप सिंह को हिरासत में लेकर शांति भंग की कार्रवाई की और जेल भेज दिया।घायल रोनू देवी को पुलिस ने मेडिकल उपचार के लिए जोया सीएचसी में भर्ती कराया

मातृभाषा हिन्दी का सम्मान करते हुए हर काम हिन्दी में करेंः गिरि

श्री वेंक्टेश्वरा विवि में हिन्दी दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। हिन्दी दिवस के अवसर पर श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वीजीआई मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में 'काव्य संगौष्ठी एवं साहित्य सम्मान समारोह-2025' का शानदार आयोजन रविवार को किया गया। मुख्य अतिथि एवं हिन्दी सेवी जुबिलेएन्ट फाउन्डेशन के पेन इण्डिया हेड विवेक प्रकाश, अन्तर्राष्ट्रीय कवयित्री एवं विख्यात साहित्यकार डॉ.मधु चतुर्वेदी, राजभाषा सम्मान से पुरुस्कृत वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.यतीन्द्र कटारिया, कवि डॉ.गोपाल 'नारसन', वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ.भूपेश गुप्ता, डॉ.अंजना व्यास समेत देश भर के एक दर्जन से अधिक

विख्यात कवियों एवं हिन्दी सेवियो को शॉल, पटका एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि मातृभाषा में कामकाज एवं व्यापार कर शिखर पर पहुंचने वाले चीन एवं जापान दुनिया के सबसे बड़े उदाहरण, इसलिए मातृभाषा/राष्ट्रभाषा हिन्दी का सम्मान करते हुए हर काम हिन्दी में करने की परम्परा शुरू करें। प्रतिकुलाधिपति डॉ.राजीव त्यागी ने अपनी रचना सुनाते हुए कहा कि, हमें हिन्दी दिवस पर हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प लेना चाहिए। कवि संगोष्ठी में रचनाकारों की रचनाएं सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कृष्णकान्त दवे, पीयूष पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ.नीतू पंवार, डॉ.सुमन कुमारी, डॉ.अंजलि भारद्वाज, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ.स्मिता, डॉ.विकास कुमार, डॉ.श्रीराम गुप्त, डॉ.दर्पण कौशिक, डॉ.आशुतोष गौतम, डॉ. एसएन साहू, डॉ.राजवर्द्धन, डॉ. ओमप्रकाश मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में गुलेराना रही प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। डिडौली मेरा युवा भारत के तत्वाधान में जिला युवा अधिकारी निशांत रौतेला के निर्देशन में रविवार 14 सितंबर को ब्लॉक जोया के ग्राम अशरफपुर फैजगंज स्थित एम.एच. पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी जागरूकता संगोष्ठी व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालन पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक लोकेश कुमार ने किया। इसके उपरांत हिंदी जागरूकता पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें छात्र- छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में गुलेरना ने प्रथम, फिजा शकील ने द्वितीय, बुशरा ने तृतीय और सायमीन ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बंटी कुमार, नाजिम हुसैन, गुलेअफशा, शकुंतला, सबीका जहरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अली अशरफ सदर व हैदर सचिव बने

शाह टाइम्स संवाददाता नौगांवा सादात। अंजुमन यादगारे हुसैनी का अली अशरफ को सदर व मोहम्मद हैदर को सचिव चुना गया। नगर के मास्टर मंसूर के आवास पर अंजुमन यादगारे हुसैनी की वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। जिसमें कमेटी के पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से किया। अली अशरफ निवासी बगला को सदर व मोहम्मद हैदर को सचिव चुना गया। इसी कमेटी की देखरेख में मोहर्रम के जुलूस निकाले जाते हैं। इस अवसर पर वक्कार हैदर, शजर अब्बास, मंजूर हैदर, मौलाना कोकब ,खुर्शीद हैदर, मंजूर हैदर, वसीम हैदर, शजर अब्बास, अदनान हैदर, वाहिदुल आब्दी, हसन हैदर उर्फ कल्लू, रहमत अली मौजूद रहे।

201 कलशों के साथ आज निकलेगी शोभायात्रा

स्वामी यतींद्र आनंद जी के श्रीमुख से होगी सात दिवसीय श्रीराम कथा

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। सात दिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कथा स्थल पर भक्तों की सुविधा को देखते हुए पंडाल को वाटरप्रूफ बनाया गया है, ताकि बारिश या मौसम की अन्य दिक्कतों के बीच भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

कथा से पूर्व कल (आज) को दोपहर 12:30 बजे जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्र आनंद जी की अगुवाई में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा आर्य समाज मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, कोट, शफातपोता, कटरा बाजार, गंज, कोतवाली और बड़ा बाजार होते हुए कथा स्थल जेएस हिंदू इंटर कॉलेज प्रांगण पहुंचेगी। विशेष रूप से इस यात्रा में 201 महिलाएं कलश लेकर चलेंगी, वहीं पांच श्रद्धालु अपने शीश पर श्रीरामचरितमानस की प्रतियां धारण करेंगे। शोभायात्रा में बैंड-बाजा और भक्तिमय भजनों के साथ जीवनदीप सत्संग मंडल अमरोहा के कार्यकर्ता शामिल होंगे। सात दिनों तक चलने वाली इस कथा का वाचन महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्र आनंद जी के श्रीमुख से होगा। तैयारियों का जायजा लेने के दौरान सोराम सिंह सैनी, सिद्धार्थ अग्रवाल, रमेश कलाल, संयुक्त चौहान, मीनाक्षी वर्मा, आरके शर्मा, चौधरी हरीश, वीर सिंह, आलोक गोयल, हिरदेश, अवनीश त्यागी, राहुल महेश्वरी, सुधीर अग्रवाल, दीपक कुशवाहा, राहुल चौहान, अमिपाल सिंह, अंकुर, अजीत अग्रवाल, अतुल पंडित समेत कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

बंदर के हमले में घायल महिला को वृद्धाश्रम भिजवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने बंदर के हमले में घायल लावारिस वृद्ध महिला को रेस्क्यू कर लठीरा में स्थित वृद्धाश्रम भिजवाया। वहां महिला की समुि. चत देखरेख एवं उपचार किया जा रहा है।

गजरौला में इंदिरा चौक पर घूमकर भिक्षावृत्ति करने वाली लगभग अस्सी वर्षीय मायावती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर बंदर ने हमला कर घायल कर दिया था। महिला के कूल्हे में गुम चोट आई थी। उसे दर्द से कराहता देख वहीं दुकान करने वाले मोहम्मद मुन्ना और वकील ने मानवतावश महिला को प्राथमिक उपचार दिलवाया लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। इसी बीच जानकारी मिलने पर जुबिलेंट इंग्रे. विया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने जेबीएफ के मेडिकल हेड डा. सुि. जंदर फोगाट से संपर्क किया। उन्होंने तत्काल टीम भेजकर महिला की जांच कराई और उन्हें जेबीएफ की एंबुलेंस से लठीरा स्थित शिओस वृद्धाश्रम में भेज दिया। वृद्धाश्रम के प्रबंधक मोहम्मद नावेद ने बताया कि जेबीएफ का समाजसेवा एवं इस आश्रम की देखरेख में बड़ा योगदान रहता है। उन्होंने बताया कि महिला का उपचार आश्रम में ही चल रहा है और अब काफी सुधार भी है।

अब मथुरा में होगा सैन जी महासंघ का अधिवेशन

पंजाब में बाढ़ के चलते अमृतसर कार्यक्रम रद्द

शाह टाइम्स संवाददाता

गजरौला। वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा आयोजित हुयी ऑल इंडिया सेन जी महासंघ ट्रस्ट की बैठक में तय हुआ कि पंजाब में आई बाढ़ के चलते अमृतसर में होने वाला छठा अधिवेशन अब मथुरा में 05 व 06 अक्टूबर को होगा। जिसमें मुख्य अतिथि साध्वी ऋतंभरा होंगी। ट्रस्ट के राष्ट्रीय संस्थापक एमएस ठाकुर ने कहा कि मथुरा में ट्रस्ट के छठवें अधिवेशन के माध्यम से हम सबको ही ब्रज की सभ्यता और कृष्ण नगरी के अनेक रूपों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। ट्रस्ट के राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट मनमोहन सिंह सेन ने कहा कि अधिवेशन में ट्रस्ट में कर्तव्य निष्ठ तथा ट्रस्ट के प्रति समर्पित कुछ सदस्यों को नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी तथा निष्क्रिय पदाधिकारियों को पदमुक्त भी किया जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरधारी लाल सेन, राष्ट्रीय संरक्षक राजेंद्र कुमार सेन, चुन्नी लाल निर्माण, राज. कुमार गवली, मनोहर खोड़े, मांगेराम सेन, करणदीप सेन, देवी प्रकाश, अशोक कुमार शर्मा, निखार छानीवाला, अमित ठाकुर, कुंज बिहारी, सविता, नरेश सेन, शोभा छानीवाल, सुंदर सिंह सेन आदि उपस्थित रहे।

टैबलेट पाकर खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। नगर के सिद्धार्थ शिक्षा संस्थान में उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट वितरण किए गए। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित शिक्षक विधायक डॉ.हरि सिंह ढि़ल्लो ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे इस टैबलेट का प्रयोग अपनी पढ़ाई के उपयोग में करें। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने छात्र-छात्राओं को तकनीकि ज्ञान से जोड़ने और पढ़ाई में सहयोग के लिये यह योजना चलाई है, जिसके अर्न्तगत इण्टरमीडिएट कक्षा से ऊपर के छात्र-छात्राओं को निशुल्क टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। संस्थापक राम सिंह बौद्ध ने कहा कि शासन द्वारा प्राप्त 46 छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक/नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, संस्था प्रबंधक रवि. राज सिंह, जिपं सदस्य पति कुंव. रपाल सिंह खड़गवंशी, नरेश सिंह, सतेन्द्र प्रधान, विपिन पंघाल, दीपक कुमार, रोहताश राणा, पुनीत गिल, यतीश कुमार, कैलाश गुर्जर, भूप सिंह आदि मौजूद रहे।

गंगा मेले में भव्यता से लगेगा प्रजापति समाज का शिविर

शाह टाइम्स ब्यूरो,

अमरोहा। शिवानी वैंकट हॉल में आयोजित प्रजापति समाज की बैठक में गंगा मेला तिगरी पर लगने वाले शिविर की तैयारियों को लेकर मंत्रणा की, और समाज के लोगों से शिविर के आयोजन में बढ़ चढ़कर सहयोग करने का आह्वान किया।

बैठम में सम्मिलित लोगों ने एकमत होकर प्रस्ताव रखा कि तिगरी गंगा मेला कमेटी का नेतृत्व एक सशक्त, जागरूक और समाजसेवा के प्रति

डॉ.हरज्ञान प्रजापति सर्वसम्मति से चुने गए मेला शिविर के अध्यक्ष

समर्पित व्यक्ति को सौंपा जाए। इस प्रस्ताव पर सभी की सहमति से डॉ. हरज्ञान सिंह प्रजापति को तिगरी गंगा मेला कमेटी का अध्यक्ष नामित किया गया और आशा जताई कि डॉ.हरज्ञान के नेतृत्व में गंगा मेला शिविर और अधिक व्यवस्थित और प्रभावशाली रूप से आयोजित होगा, जिससे समाज की गरिमा और एकता को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर श्यामलाल प्रजा. पति, चेतराम प्रजापति, नवनीत गोला एडवोकेट, मोहन सिंह, नरेश प्रजापति, विजय प्रजापति, दिनेश प्रजापति, देव. राज प्रजापति, श्योनाथ प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, जोगेंद्र प्रजापति, उमेश प्रजा. पति आदि लोग मौजूद रहे।

अंतर्जनपदीय वाहन चोरों को चोरी की तीन मोटरसाइकिल व एक ई-रिक्शा सहित किया गिरफ्तार

सीओ बिसौली सुनील कुमार प्रेस वार्ता करते हुए।

शाह टाइम्स संवाददाता

वजीरगंज। बदायूं एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन में व एसपी ग्रामीण डॉ0 हृदेश कुमार कठेरिया के पर्यवेक्षण में व बिसौली सीओ सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत रविवार को थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा थाना वजीरगंज पर मु0अ0सं0 311/2025 धारा 305 बीएनएस की घटना का सफल अनावरण कर घटना कारित करने वाले 02 शातिर अभि0गण 1-अभय पाठक पुत्र बब्लू पाठक, 2. अभिषेक पाठक पुत्र पवन पाठक निवासीगण ग्राम बैहटा पाठक थाना इस्लामनगर जनपद बदायूँ को मय चोरी की 03 मो0सा0, 01 ई-रिक्शा, 01 इनवर्टर, 03 बैटरे व 12 घण्टियां बरामद कर मु0अ0स0 311/25 धारा 305 बीएनएस में धारा 317 (2) / 317 (4) / 318(4) बीएनएस की वृद्धि करते हुये गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार अभि0गण को मान न्यायालय के समक्ष भेजा गया। हम आपको बता दें कि बीते 12.सितंबर 2025 को बच्चन मियाँ पुत्र मुम्ताज हुसैन निवासी मो0 खेड़ा वार्ड नं0 11 कस्बा सैदपुर थाना वजीरगंज ने थाने पर तहरीर सूचना दी कि सैदपुर के जंगल में बने वादी के फार्म हाऊस से . अभिषेक पाठक पुत्र पवन पाठक . अभय पाठक पुत्र बब्लू पाठक निवासीगण बेहटा पाठक थाना इस्लामनगर जनपद बदायूँ द्वारा एक बैटरा इन्वर्टर का व एक बैटरा वही खडे ट्रैक्टर से दिनांक 11.09.25 को चोरी हुआ है । जिसके आधार पर थाना वजी. रगंज पर मु0अ0स0 311/2025 धारा 305 बीएनएस पंजीकृत किया गया था । तब से ही पुलिस को चोर व चोरी हुये सामान की तलाश थी । आज दिनांक 14.09. 2025 को दोनो अभि0गण को चोरी की 03 मो0सा0, 1 ई-रिक्शा व 3 बैटरे तथा एक इनवर्टर व 12 घण्टियो के साथ कस्बा सैदपुर के बिजली घर से थोडा आगे कुर्वी रोड से गिरफ्तार किया गया ।

'पूछताछ विवरण -' पूछताछ पर दिनांक 11.09.25 को सैदपुर के जंगल में बने फार्म हाऊस से एक बैटरा इन्वर्टर का व एक बैटरा वही खडे ट्रैक्टर से चोरी करना बताया । साथ ही और अन्य स्थानो से चोरी करना बताया । जिसमें दिनांक 09. 09.25 को मो0सा0 अपाचे नवादा चौकी बदायूँ के पास बैंक के सामने से तथा 10.09.25 को रेलवे स्टेशन आंवला से ई-रिक्शा चोरी किया करना तथा 18.08.2025 को गांव मलिकपुर बिचौला थाना जरीफनगर के जंगल में बने कुइया बाबा के आश्रम में मन्दिर से इन्वर्टर बैटरा और घण्टी चोरी करना दिनांक 21. 08.2025 को ग्राम भोयस थाना जरीफनगर में बने पंचायत घरो से एक कम्प्यूटर डेल कम्पन्नी, सीसीटीवी कैमरा डीवीआर, एक प्रिन्टर, व 02 बैटरे ल्यूमिनियस व इन्वर्टर आदि सामान चोरी करना व दिनांक 04.08.25 को थाना उघैती के गांव रियोनाई दलाई की ग्राम पंचायत घर से इन्वर्टर बैटरा सीसीटीवी रिसिविर व यूपीएस चोरी करना दिनांक 02.09.25 की रात्रि में थाना फैजगंज बैहटा की नगर पंचायत मुडिया धुरैकी में स्थित सत्या ट्रेडर्स गर्ग माल के पिछले हिस्से में नकब लगाकर चोरी करना दिनांक 08.09.25 की रात्रि में कस्बा बिसौली में ओम प्लाजा के सामने खडी ई-रिक्शा से 4 बैटरी चोरी की करना तथा दिनांक 09.09.25 की रात्रि में बिसौली थाना क्षेत्र के नवादा रोड ग्राम भटपुरा में स्थित स्कूल से चांदी की मूर्ति व नगदी चोरी करना पूर्व में बरेली व दिल्ली से दो अदद मो0सा0 पैशन प्रो न0 UP 25AR 5919 व मो0सा0 ग्लैमर न0 DL 4SBM 1379 चोरी करना बताया । अभियुक्तगण को समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा ।

जलजीवन मिशन के तहत खोदकर छोड़ी सड़क, आये दिन होते हैं हादसे

राजीव सक्सेना ,शाह टाइम्स

उघैती। उघैती थाना क्षेत्र के खितौरा गांव में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों को खोदा गया। लेकिन कार्य पूरा होने के बाद भी गड्ढों को नहीं भरा गया।सहसवान-बिसौली संपर्क मार्ग से खितौरा-बिल्सी मार्ग पर बने गड्ढों के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। तेज रफ्तार वाहन गड्ढों में गिरकर पलट गए। हालांकि अब तक किसी की जान को नुकसान नहीं पहुंचा है। स्कूली बच्चे साइकिल से गिरकर घायल हुए हैं।ग्रामीणों ने कई बार जल निगम के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दिनेश भारद्वाज, ओंकार शर्मा, गौरव कुमार, विजय गुप्ता, हिमांशु, भोले और बनवारी लाल सहित अन्य ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से समस्या का समाधान करने की मांग की है।गांव की गलियों में भी खड़ंजे खोदकर छोड़ दिए गए हैं। इससे आम लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के कर्मचारियों को तुरंत इन गड्ढों को भरना चाहिए ताकि और हादसे न हों।

8 बजे से देर शाम तक विद्युत आपूर्ति रही बंद

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। आसफपुर - स्थानीय विद्युत उपखंड पर पुराने 5 फीडर मशीनों को बदलकर नई मशीनें लगाई गई है जिसके चलते आसफपुर विकास खंड क्षेत्र की विद्युत सप्लाई शनिवार को सुबह 8 बजे से देर शाम तक बाधित रही , बताया जा रहा है कि उपखंड पर पांच पुराने फीडर बदलकर नए फीडर लगाए गए हैं जिससे बिजली फाल्ट होने जैसे समस्या से निजात मिलेगी और विद्युत कटौती कम हो सकेगी । यह जानकारी आसफपुर विद्युत उपखंड अवर अभियंता राजेंद्र चौधरी ने दी ।

क्षत्रिय करणी सेना में प्रदीप सिंह चौहान को सोपा गया दायित्व

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। बदायूं जिले मे निवासी अस्धरमई के प्रदीप सिंह चौहान को क्षत्रिय करणी सेना संघठन में प्रदेश सचिव के पद पर ठाकुर विपिन सिंह सूर्यबंशी की अनुशंशा पर न्युक्ति की गयी। प्रदीप सिंह चौहान इससे पूर्व में भी कहीं संगठनों मेंअन्य पदों पर सामाजिक सेवा कर चुके हैं, क्षत्रिय समाज में लोगों ने मिठाई बाँट कर खुशी मनाई ।

चोरों ने दो नलकूपों की 450 मीटर बिजली लाइन काटी

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली।आसफपुर चौकी क्षेत्र में नहीं थम रहा चोरियों का सिल. सिला,आसफपुर ने पुलिस को तहरीर देकर चोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की आसफपुर चौकी क्षेत्र में एक के बाद एक हो रही लगातार चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। अबकी बार चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए दो नलकूपों के बीच की 450 मीटर लाइन काटकर ले गए। घटना 8 अगस्त की मध्यरात्रि की बताई जा रही है। आसफपुर बिजली उपकेंद्र पर तैनात जेई राजेंद्र प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर चोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। तहरीर के अनुसार थाना फैजगंज बेहटा की चौकी आसफपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव खड़गपुर भूड बिसौली में पर्वत सिंह

क्षेत्र में चल रहा चोरियों का सिलसिला

पुलिस की गश्त पर उठ रहे सवाल 'बीते दो महीनों की बात की जाए तो आसफपुर क्षेत्र में ही कई स्थानों पर चोरियां हुई हैं जिनका कोई खुलासा नहीं हो पाया है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। इससे चोरों और बदमाशो का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। इस घटना से नलकूप स्वामियों की नींदें उड़ी हुई हैं।

और जितेंद्र के निजी नलकूप हैं। दोनों के नलकूपों को लगभग 450 मीटर लाइन बिछी हुई है।

जिसमें एलटी और एचटी दोनों लाइनें हैं। दिनांक 8 अगस्त की रात को किसी समय चोर दोनों नलकूपों की लाइन को काटकर चुरा ले गए जिससे दोनों नलकूपों की बिजली आपूर्ति ठप हुई पड़ी है। दिन के समय नलकूप स्वामियों ने खेत पर जाकर देखा तो खम्भे टूटे पड़े थे और उनके बीच का तार गायब था। सूचना पर पहुँचे अवर अभियंता राजेन्द्र चौधरी ने आसफपुर पुलिस चौकी पर तहरीर देकर चोरों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाया दमखम

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। थाना वजीरगंज क्षेत्र के ग्राम करकटपुर के शहीद खेम सिंह इंटर कॉलेज के मैदान पर आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका भाजपा ब्रज क्षेत्र कार्यकारी सदस्य हरिओम पाराशरी ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्ग के खिलाड़ियों ने प्रति स्पर्धा की आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अलग-अलग गांव से आए

खिलाड़ियों ने अपना वजन माप कराया रविवार को जूनियर बालक वर्ग के 50 किलोग्राम भार वर्ग में सुधीर कुमार प्रथम आयुष द्वितीय तथा दीपक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं 55 किलो भार वर्ग में आयुष प्रथम साहूल द्वितीय एवं तस्लीम ने तीसरा स्थान ग्रहण किया प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका नितिन ठाकुर ने निभाई वही आयोजक टीम के शिवम चौहान अमन लवलेश गौरव आकाश चौहान ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं हर वर्ष कराई जाया करेंगे मुख्य अतिथि हरिओम पाराशरी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शील्ड देकर हौसला आफजाई किया इस अवसर पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष राघव सिंह किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौहान पंडित देवेश शंखधर के साथ-साथ अन्य लोग भी मौजूद रहा।

विजय कुमार शुक्ला ने सुनी फरियादियों की समस्या

आई एम खान, शाह टाइम्स

बिसौली। शनिवार को कोतवाली बिसौली में थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान कुल चार शिकायतें आई, जिनमें से दो शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही करा दिया गया। कोतवाली में आयोजित थाना समाधान दिवस में तहसीलदार विजय कुमार शुक्ला ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कोतवाली क्षेत्र के गांव परवे. जनगर निवासी नरेश पुत्र मिश्रीलाल का का आरोप है कि उसकी भूमि पर गांव परसिया निवासी मुकेश, प्रमोद एवं राजेश शर्मा पुत्र शिवशंकर दबंगई के बल पर कब्जा करना चाहते है। तहसीलदार विजय कुमार शुक्ला ने तत्काल जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान राजस्व निरीक्षक विनोद शर्मा, शादाब अली नकवी, लेखपाल अमित कुमार, संदीप कुमार, अरविंद कुमार, रामौतार यादव, मो. हत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

16 मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाओं का निस्तारण कर पीडितों को दिलाई 94,35,000 रूपये की क्षतिपूर्ति

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। पीठासीन अधिकारी (जिला जज कैडर) मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण डॉ0 मचला अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को सुबह 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में जनसाधारण द्वारा अपने-अपने मोटर दुर्घटना प्रतिकर बादों को पारस्परिक समझौते के आधार पर निस्तारित किया गया। उन्होंने बताया कि क्षमोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बदायूँ द्वारा कुल 16 मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाओं का निस्तारण कर अंकन Rs- 94, 35,000 =००/-रूपये की धनराशि पीडितों को बतौर क्षतिपूर्ति दिलायी गयी। इस अवसर पर बीमा कंपनियों के अधिवक्ता अनुराग शर्मा, हसीब हसन, राजेन्द्र कुमार अनेजा, गौरव अनेजा, एवं संतोष कुमार सक्सेना, राजीव सक्सेना, ए०के० सिंह राठौर, नवीन कुमार, प्रदीप कुमार सक्सेना, वादकारी अधिवक्तागण एवं कर्मचारी गण नरेश कुमार मौर्या (न्यू इण्डिया इन्श्योरेन्स बरेली), गंगाप्रसाद उपाध्याय (UPRCTC) आदि उपस्थित रहे।

गौशाला का दर्दनाक हाल: 10 गायों की मौत, बदबू और बीमारी से दहशत

शाह टाइम्स संवाददाता

उघैती। उघैती क्षेत्र की ग्राम पंचायत करियामई गौशाला में लापरवाही का ऐसा आलम देखने को मिला कि ग्रामीण दंग रह गए। गौशाला में 8 से 10 गायें मृत पड़ी मिलीं, जिनसे चारों ओर भयानक बदबू फैल रही है। गांव में बीमारी फैलने का डर गहराता जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं।गंभीर बात यह है कि आधे से ज्यादा गायों के कानों में पहचान टैग तक नहीं हैं, जिससे साफ जाहिर है कि यहां देखरेख और रिकॉर्ड की भारी गड़बड़ी है। जब इस मामले में बीडीओ इस्लामनगर से

संपर्क किया गया तो उन्होंने ठीकरा डॉक्टर पर फोड़ते हुए कहा डॉक्टर ने टैग नहीं लगाया।

वहीं, SDM महोदय और सचिव को बार-बार फोन करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। गांव के लोगों का कहना है कि गौशाला में बदइंतजामी से हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। लोग दुर्गंध और बीमारी के खतरे से बेहद परेशान हैं। इस पूरे मामले पर युवा जिला महासं. चव बदायूं ऋषभ चौधरी ने कड़ी नाराजगी जताई है और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

आंखों के मरीजों की हुई नि:शुल्क जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

आसफपुर।आसफपुर स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर यहां के नेत्र चिकित्सक डॉक्टर रामाक. ांत वार्ष्णेय ने आंखों से पीड़ित मरीजों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें दवाईयां बांटी । इस दौरान विकास खंड आसफपुर क्षेत्र में आस पास के मरीजों व तीमारदारों की भीड़ देखने को मिली

पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यशाला का हुआ आयोजन

कामिल खान,शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। फैजगंज बेहटा आज मंडल की सेवा पखवाड़ा एवं त्रिस्तरिय पंचायत चुनाव अभियान कार्यशाला को जिला महामंत्री सुधीर श्रीवास्तव व जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश वार्ष्णेय ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष विजय शर्मा ब्लाक प्रमुख ओमकिशन सागर चेयरमैन इसरार खाँ पूर्व बिधानसभा संयोजक अजय पारासरी पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश दीक्षित मंडल महामंत्री धर्मेंद्र कार्यक्रम संयोजक व मंडल उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता व मण्डल पदाधिकारी मोर्चा के अध्यक्ष शक्तिकेंद्र संयोजक बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने मनाया हिंदी दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

उघैती। बदायूं-सिद्ध बाबा इंटर कालेज शरह बरौलिया में हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने किया और इस कार्यक्रम में हिंदी भाषा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने बताया कि 14 सितंबर के दिन हर साल हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी भाषा मंडेरिन, स्पेनिश और अंग्रेजी के बाद दुनिया में चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।ढहर हिंदुस्तानी हिन्दी भाषा के जरिए ही अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करता है। अपने दिल और मन की बात अगर किसी भाषा में सहजता से की जा सकती है तो वो हिंदी ही है। आज देश का शायद ही ऐसा कोई हिस्सा हो जहां हिंदी सहजता से बोली या समझी न जाती हो। हिंदी केवल हमारी मातृभाषा या राष्ट्रभाषा ही नहीं अपितु यह राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। इस अवसर पर नीरज चौहान,विपलव भारती, रामौतार मौर्य, डॉ प्रमोद शर्मा,प्रवीण मिश्रा अश्वनी शर्मा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। संचालन कार्यक्रम अधिकारी अनमोल उपाध्याय ने किया।

अखंड प्रचंड ज्योति युवा क्लब के अध्यक्ष बने नीरज रस्तोगी, मंत्री सौरभ

आई एम खान ,शाह टाइम्स

बिसौली। अखंड प्रचंड ज्योति युवा क्लब बिसौली का गठन करते हुए नगर पालिका के सभासद नीरज रस्तोगी को सर्वसम्मति से कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। श्री लक्ष्मी नारायण बड़ा मंदिर में आयोजित बैठक में नई कमेटी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए कमेटी के संरक्षक अभय वर्मा ने बताया कि अध्यक्ष नीरज रस्तोगी, उपाध्यक्ष विभु गर्ग, मंत्री सौरभ महाजन, कोषाध्यक्ष अर्जुन रस्तोगी को चुना गया। उन्होंने बताया कि नवदुर्गा महोत्सव के साथ 2 अक्टूबर को विशाल शोभा यात्रा नगर में निक. ाली जाएगी। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल मौजूद रहे।

बिल्सी में राजा परीक्षित का प्रसंग सुनकर धन्य हुए लोग

शाह टाइम्स संवाददाता

बिल्सी। कछला रोड स्थित ज्वाला प्रसाद जैन स्कूल में सिद्धपीठ श्री बाला. जी धाम की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री रामचन्दाचार्य जी महाराज ने राजा परीक्षित की कथा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि राजा परीक्षित को श्रृंगी ऋषि का श्राप लगा था और वह श्राप मूर्त रूप होने जा रहा है शाम के समय परम गुरु शुकदेव ने राजा को उपदेश देते हुए कहा कि राजन जिस तरह घड़े में आकाश होता है और घड़े के फूटने पर वह आकाश महाआकाश से मिल जाता है वैसे ही आत्मा जब शरीर से निकल जाती है ।

तो परमात्मा से मिल जाती है। अपना मन परमात्मा में लगाओ भगवान की कथाओं का चिंतन करो, तुम्हारी मृत्यु नहीं मुक्ति होगी। कथावाचक ने व्यास ने कहा कि शुकदेव के विदा होते ही तक्षक के स्पर्श से परीक्षित का शरीर जलकर भस्म हो गया, आकाश से पुष्प वर्षा हुई। परीक्षित को मुक्ति श्रीमद्भागवत कथा सुनने से प्राप्त हो गई। इस मौके पर महंत मटरुमल शर्मा महाराज, दीपक माहेश्वरी, सौरभ सोमानी, जितेंद्र कुमार, गोरेलाल शर्मा, आशीष वार्ष्णेय, सुवीन माहेश्वरी, अनीता माहेश्वरी, सुभाष चन्द्र बाहेती, शरद माहेश्वरी, रंजन माहेश्वरी, विशाल भारत खासट, डा.राजाबाबू वार्ष्णेय, अनूप माहेश्वरी, निशांत, नीरज, सरिता, मोहित देवल आदि मौजूद रहे।

बिजली ठप होने पर लोगों ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बिल्सी। गर्मी में बिजली आपूर्ति ने मिलने से गुस्साए मोहल्ला संख्या आठ के लोगों ने शनिवार की रात बिजलीघर पहुंच कर अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही मौहल्ले की सप्लाई को शीघ्र बहाल किए जाने की मांग की। मोहल्ला संख्या आठ निवासी अमन वार्ष्णेय ने बताया मोहल्ले में गल्ला गोदाम के निकट लगे दो ट्रांसफार्मरों से मोहल्ले को सप्लाई दी जाती है। बीती शाम जिसमें से एक ट्रांसफार्मर तकनीकी खराबी के खराब हो गया। जिससे एक की ट्रांसफार्मर से यहां आपूर्ति दी गई। जिसमें मोहल्ले के कुछ ही हिस्से लोगों को आपूर्ति मिल सकी। जिन लोगों के यहां बिजली नहीं मिली तो वह गर्मी से परेशान हो गए और रात के करीब 12 बजे बिजलीघर पहुंच कर अधिकारियों को फोन किया परंतु किसी ने रात में फोन नहीं उठा। इसके बाद गुस्साए लोगों ने यहां जिम्मेदारों के खिलाफ प्रदर्शन करना शुरु कर दिया। सभासद प्राची माहेश्वरी के पति बनवारी लाल ने आरोप लगाते हुए बताया आए दिन मोहल्ले के बिजली सप्लाई बाधित हो जाती है। जिसके चलते यहां के लोगों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ देर बाद कर्मचारियों के समझाने पर लोग शांत हुए और अपने घर को चले गए। इस मौके पर मोहल्ले के काफी लोग मौजूद रहे।

बिजली घर पर लाइनमैनों को सेफ्टी किट का किया वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। नगर के बिजली घर पर लाइनमैनों को सेफ्टी किट वितरित की गई। इस दौरान जेई रमेश सैनी ने बताया कि लाइनमैनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह किट दी गई है। इसमें हैड में लाइट लगी हुई है, जो रात के समय टार्च का काम भी करेगी।

लाइनमैनों की सुरक्षा के लिए यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे अक्सर खंभों पर चढ़कर काम करते हैं, और रात के समय में भी काम करना पड़ता है। सेफ्टी किट के वितरण से लाइनमैनों को अपने काम में अधिक सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी सुरक्षा में सुधार होगा और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी।

सेफ्टी किट में हैड लाइट के अलावा भी कई अन्य सुरक्षा उपकरण हो सकते हैं जो लाइनमैनों को अपने काम में मदद करेंगे। यह किट न केवल उनकी सुरक्षा में सुधार करेगी, बल्कि उनके काम को भी अधिक कुशल बनाएगी।

भविष्य में और भी कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे कि नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण और उपकरणों की जांच, ताकि लाइनमैनों की सुरक्षा में और भी सुधार हो सके।

सेफ्टी किट न होने पर एक साल पहले बिजली लाइनमैन भूप सिंह की पोल से गिर कर मौत हो चुकी है, व कई लाइनमैन गिरकर घायल हो चुके हैं।

पशु चिकित्सालय में इलाज के नाम पर हो रही है अवैध वसूली

■ **डॉक्टर ने निजी गाड़ी पर लिखवा रखा है मजिस्ट्रेट**

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। देवरनियां पशु चिकित्सालय में डॉक्टर और उनके कंपाउंडर पर अवैध वसूली का आरोप लगा है। आरोप है कि वे जानवरों के इलाज के नाम पर किसानों से जबरन पैसा वसूल रहे हैं। सरकारी अस्पताल में जहां किसानों को मुफ्त सुविधा मिलनी चाहिए, वहां खुलेआम उगाही का धंधा चल रहा है।

किसानों का कहना है कि डॉक्टर और उनके कंपाउंडर ने इलाज की एक तरह से रेट लिस्ट बना रखी है। प्रति भैंस 50 रुपये और प्रति बकरी 30 रुपये की रकम जबरन ली जाती है। इतना ही नहीं, दवा देने की

बजाए मरीज पशु मालिकों को बाहर से दवा लाने को मजबूर किया जाता है और उसका परचा भी मांग लिया जाता है।

डॉक्टर की दबंगई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी निजी गाड़ी पर मजिस्ट्रेट लिखा है। यह साफ दिखाता है कि वे सिर्फ डॉक्टर की भूमिका में नहीं हैं, बल्कि खुद को क्षेत्र का हाकिम साबित करने पर तुले हैं। पैसे लेने के कई मामले सामने आए, लेकिन हाल ही में एक किसान ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि इलाज के नाम पर किस तरह से पैसे मांगे जाते हैं। अब सवाल यह है कि वीडियो के सबूत सामने आने के बावजूद भी क्या कार्रवाई होगी।

देवरनियां पशु चिकित्सालय की शिकायतें नई नहीं हैं। पहले भी यहां से इस तरह के आरोप उठते रहे हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यह चुप्पी खुद उच्च अधिकारियों की कार्य शैली पर सवाल खड़े करती है। क्या यह संभव है कि इतने लंबे समय से अवैध वसूली चल रही हो और विभाग को खबर न हो, या फिर कहीं न कहीं मिली भगत का खेल भी है

एसडीएम बहेड़ी रत्निका श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की गहन जांच होगी, और दोषियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जांच पूरी होते ही सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने चेताया कि प्रशासन की नजर में लापरवाही और भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है।

> मामले की गहनता से जांच की जा रही है, जो भी दोषी होगा उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जांच के बाद उचित कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
>
> **रत्निका श्रीवास्तव**
> **एसडीएम बहेड़ी**

मस्जिद के इमाम को बदनाम करने की साजिश नाकाम

■ **पुलिस को चंदे के पैसे देकर कराई इमाम को रिहाई**

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र के एक गांव की मस्जिद के इमाम पर गांव की एक महिला ने बच्ची से मारपीट का आरा. ेप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी ,जिसपर पुलिस ने इमाम को हिरासत में ले लिया। लेकिन पुलिस की मौजूदगी में सच्चाई सामने आने के बाद बच्ची की माँ ने लिखित रूप से माफी माँगी, और समझौता कर लिया, समझौता होने के बाद इमाम को चार घंटे बाद रिहाई मिल सकी।

गांव के वालों का आरोप है कि आरोप लगाने वाली महिला झगड़ालू स्वभाव की है, और अक्सर मोहल्ले में विवाद करती रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि इस महिला ने इमाम पर झूठा इल्जाम लगाकर बदनाम करने की कोशिश की, जिससे गाँव के लोगों में खासी नाराजगी है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले को सुलझाने के नाम पर गाँव के लोगों ने चंदे का पैसा इकट्ठा कर पुलिस को दिया, तब जाकर इमाम को रिहा किया गया। लोगों का कहना है कि जब महिला ने माफी भी मांग ली और लिखित समझौता भी हो गया, तो फिर पुलिस ने पैसे क्यों लिए।

नवाबगंज की जारा खान को बधाईयों का तांता

शाह टाइम्स संवाददाता

सेंथल। पहली बार में नीट क्वालीफाई कर एमबीबीएस में दाखिला पाने वाली जारा खान को लोग उनके घर पहुंचकर बधाइयां दे रहे हैं, और बच्ची की हौसला अफजाई कर उनका मुंह मीठा करा रहे हैं।

ताजा क्रम में आज सेंथल के युवा नेता व समाजसेवी ताहिर अली जैदी, मसर्रत अली जैदी आदि जारा खान की हवेली पहुंचे, और बच्ची का फूलों से इस्तकबाल कर मुंह मीठा कराया। जारा खान नवाबगंज निवासी एडवोकेट शारिक खान की बेटी हैं।

शानू हत्याकांड के फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

■ **इंस्पेक्टर का पारा चढ़ता देख नेता जी ने लगाई दौड़, पुलिस पीछे दौड़ी**

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। शानू हत्याकांड के फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक के परिजन थाने पहुंचे। उनके साथ एक नेता जी भी माहौल को उत्तेजित करने के लिए थाने के अंदर पहुंचे। इस बीच इंस्पेक्टर का पारा चढ़ता देख नेता जी दौड़ लगाकर चले गए। इंस्पेक्टर ने पीड़ित पक्ष की बात सुनने के बाद उन्हें भरोसा दिलाया।

नगर के नूरी नगर निवासी शोएब उर्फ शानू की शादी समारोह के दौरान चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसमें मुख्य आरोपी जुनैद को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मुकदमे में नामजद जुनैद

के भाई शकील और सगीर की गिरफ्तारी की मांग की जा रही है।

रविवार को शानू के परिजन मोहल्ले के लोगों के साथ थाने पहुंचे और पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इंस्पेक्टर संजय तोमर ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि जल्द आरोपी सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम उनकी गिरफ्तारी के लिए लगी हुई है। उधर इसी बीच एक नेता जी भी वहां पहुंच गए, और जोर-जोर से हल्ला करने लगे। इसे देख इंस्पेक्टर ने नेता जी की सारी अकड़ निकाल दी। इंस्पेक्टर का पारा चढ़ता देख नेता जी ने भी खामोशी से थाने से दौड़ लगा दी। वहीं इंस्पेक्टर ने भी पुलिस को नेता जी को पकड़ने के लिए दौड़ा दिया, लेकिन यहां नेताजी बाजी मार गए और पुलिस की आंख में झोल देकर नेताजी गायब हो गए।

प्रशासन और खेल संगठन साथ मिलकर बना रहे भविष्य की राह

■ **डीएम अविनाश सिंह बने उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष**

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पांडे अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बरेली पहुंचे, और डीएम अविनाश सिंह से मुलाकात कर उन्हें अंबेडकर नगर में खेलों के भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। डॉ. पांडे ने कहा कि खेलों के प्रति डीएम का समर्पण और दूरदर्शिता सराहनीय है। उनके योगदान को देखते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ का उपाध्यक्ष मना. ेनीत किया गया। इसके साथ ही हनुमान प्रताप सिंह को संयुक्त सचिव तथा धर्मेंद्र गुप्ता को सह उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया।

बरेली में खेलों को नई ऊर्जा

इस अवसर पर डीएम आवास पर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में जिला ओलंपिक संघ की बरेली इकाई का पुनर्गठन किया गया। सर्वसम्मति से डॉ. आशीष गुप्ता को पुन: जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया, जबकि वरिष्ठ खिलाड़ी फसील बेग को महासचिव, भावेश अग्रवाल को संयुक्त महासचिव तथा डॉ. स्वतंत्र कुमार को पुन: कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं सी.एस. अंकित अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष के पद पर चुना गया। उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने नए कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी, और खेलों को प्रोत्साहित करने का संकल्प दो. हराया। बैठक के समापन पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ और जिला ओलंपिक संघ की ओर से डीएम अविनाश सिंह का नागरिक अभिनंदन किया गया। उन्हें शॉल ओढ़ाकर पगड़ी पहनाकर तथा अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. आनंद. ेश्वर पांडे, हनुमान प्रताप सिंह, डॉ. आशीष गुप्ता, फसील बेग, डॉ. स्वतंत्र कुमार, अंकित अग्रवाल, आदित्य मूर्ति, मुकेश गुप्ता, दिनेश गोयल, वी.एन. मिश्रा, मनीष शर्मा, भावेश अग्रवाल, अंकुर किशोर सक्सेना, राजेश गुप्ता, विनीत जौहरी, सौरभ अग्रवाल, शिव कुमार अग्रवाल, रतन गुप्ता तथा आर्किटेक्ट वसीम अख्तर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस मौके पर डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि बरेली में खेलों का महाकुंभ आयोजित कराया जाएगा। खेल समाज को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम है, और हर वर्ग व समुदाय के लोगों को आपस में जोड़ने की क्षमता रखता है। उन्होंने संघ के सदस्यों से कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की जन्मतिथी 25 दिसंबर को सर्वाधिक प्राइज मनी वाली अटल मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पुरुषो के 51 किमी व महिलाओं के लिये 21 किमी की मैराथन का आयोजन किया जाये, और उसके लिये अभी से तैयारियां शुरू कर दी जायें, इसलिए आयोजन से खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

डॉ. आनंदेश्वर पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि खेलों को आगे बढ़ाने के लिए आपसी तालमेल और नेतृत्व आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि बरेली को डीएम अविनाश सिंह जैसा नेतृत्व मिलता रहा तो यहाँ खेलों के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल की जाएँगी, और एक नया कीर्तिमान स्थापित होगा। जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डा. आशीष गुप्ता ने कहा कि खेल प्रेमी डीएम का नेतृत्व निश्चित तौर पर बरेली में खेलों के लिए वरदान साबित होगा, और जिला ओलंपिक संघ उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलों के उत्थान के लिए समर्पित है। यह आयोजन बरेली में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को खेलों से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

लाशों की सौदेबाजी करने के आरोप में सिपाही और अस्पताल कर्मी पर रिपोर्ट

■ **जांच में खुलेगा नेटवर्क, अन्य चेहरे आने की संभावना**

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। लावारिस लाशों की सौदेबाजी के मामले में निलंबित सिपाही और अस्पताल कर्मी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इनके सिंडिकेट में कौन कौन लोग शामिल हैं।

लावारिस शवों की सौदेबाजी करने के आरोप में सिपाही और जिला अस्पताल कर्मी के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सौदेबाजी का वीडियो वायरल होने के बाद सिपाही नरेंद्र प्रताप को एसएसपी ने निलंबित कर दिया था। वहीं, अस्पताल के संविदाकर्मी को वहां से हटा दिया गया था। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर वीडियो व ऑडियो वायरल हुआ था। इसमें जिला अस्पताल की मोर्चरी में तैनात संविदाकर्मी सुनील और स्टेशन चौकी पर तैनात सिपाही नरेंद्र प्रताप लावारिस शवों की सौदेबाजी करते दिख रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अस्पताल और पुलिस विभाग से जुड़ा सिंडिकेट लावारिस लाशों को मेडिकल कॉलेजों के हाथ बेचता है। ये आरोपी सरकार की तरफ से लावारिस लाशों के अंतिम संस्कार के लिए मिलने वाला अनुदान भी हड़प लेते हैं।

लावारिस लाशों को मेडिकल कॉलेज वाले 40 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक में खरीदते हैं। इनका वह डॉक्टरी की पढ़ाई में इस्तेमाल करते हैं। सिंडिकेट पूरे मंडल में मिलने वाली लावारिस लाशों की सौदेबाजी कर रहा था। अब मुक. दमा दर्ज होने के बाद कई अन्य चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं।

सरसों की पैदावार बढ़ाने पर जोर किसानों को निशुल्क मिलेगा बीज

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिले में सरसों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर है। इसके लिए पात्र प्रत्येक किसान को एक एकड़ फसल के लिए दो-दो किग्रा की मिनी बीज किट बांटे जाएंगे। यह बीज किट निशुल्क होंगे। बीज किट का वितरण 25 सितंबर के बाद से होगा। यह जानकारी जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने दी।

उन्होंने बताया कि जिले में 10,400 किसानों को निशुल्क सरसों मिनी किट बांटने का लक्ष्य मिला है। लेकिन, यह लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिन्होंने 25 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन के आधार पर होगा। किसानों को कृषि विभाग की वेबसाइट पर विवरण दर्ज करना होगा।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि योजना का प्रचार-प्रसार करने के लिए विभाग के कर्मचारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही ब्लॉकों पर स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी भी किसानों को सरसों मिनी किट के संबंध में ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बताया कि पिछले वर्ष विकास खंडों के माध्यम से ऑफलाइन मिनी किट का वितरण किया गया था।

उन्होंने बताया कि किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में सरसों की पैदावार बढ़ाने के लिए मिनी किट देने की व्यवस्था की गई है। पंजीकरण के दौरान किसानों को अपना नाम, पता, आधार नंबर, मोबाइल नंबर और भूमि का विवरण भरना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग की ओर से आवेदनों की जांच की जाएगी और पात्र किसानों को मिनी किट बांटी जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष ऑफलाइन वितरण में कई किसानों ने शिकायतें दर्ज कराई थीं, इसके बाद विभाग ने इस बार ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले किसानों को ही निश्शुल्क रूप से सरसों बीज की मिनी किट देने का निर्णय हुआ है। इसलिए किसानों को बताया गया है कि वह लोग समय रहते ऑनलाइन आवेदन करें।

अवैध पशु तस्करी करके ले जा रहे छोटा हाथी से गौवंश पशु बरामद ,मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। रविवार शाम को अखिल भारतीय गौ-रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने तस्करी करके ले जा रहे छोटे हाथी से एक गाय दो भैंस पकड़कर पुलिस को सौंपी है।

जिला प्रभारी जितेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके छोटा हाथी चालक को हिरासत में ले लिया है। अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद के जिला प्रभारी ने बताया संगठन के कोषाध्यक्ष अमित सक्सेना को जानकारी हुई कि पशु तस्कर तस्करी करके छोटा हाथी से एक गाय और दो भैंस ले जा रहे है।जिस पर परिषद के कार्यकर्ताओं ने छोटे हाथी का पीछा करके अगरास तिराहे पर छोटा हाथी को पकड़ लिया। थाना भोजीपुरा के गांव विविया पुर निवासी चालक नन्हें खान से पशुओं के बारे में पूछताछ करने पर वह संतोष जनक जबाब नहीं दे पाया।न ही कोई रसीद दिखा पाया। इसके अलावा गुमराह करने के लिए उसने अंदर की तरफ छिपाकर गाय और बाहर की तरफ भैंसे ठूंस कर भरी थी। परिषद के लोग छोटा हाथी को थाना पर ले गए।पशुओं के मुंह हाथ पैर बंधे हुए थे।तीनों पशुओं को बाहर निकाला। पुलिस पूछताछ में भी चालक नन्हें कोई संतुष्ट जवाब नहीं दे पाया।जिस पर संगठन के जिला प्रभारी जितेन्द्र श्रीवास्तव की तहरीर पर पुलिस ने छोटा हाथी और चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके दोनो को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर छोटा हाथी से दो भैंस,एक गाय बरामद करके गौ तस्करी की रिपोर्ट दर्ज कर दी गई है।आरोपी से पूछताछ करके तस्करी में शामिल अन्य तस्करों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

शाह टाइम्स आपके साथ....

हमें बताएं अपने इलाके की समस्या

प्रिय पाठक, शहर में यदि आपके घर के आसपास या इलाके में सड़क टूटी होने, कूड़ा न उठने जैसी कोई ऐसी समस्या है जो तमाम लोगों को परेशान कर रही है तो फोटो के साथ हमें लिख भेजें। हम आपकी समस्या को प्रमुखता से अपने अगले अंक में प्रकाशित करेंगे। शाह टाइम्स के व्हाट्सएप नंबर 9720775874 पर अपनी समस्या आप हमें भेज सकते हैं।

एक नजर

बिजली लाइन में फाल्ट, 12 घंटे ठप्प रही बिजली आपूर्ति, ग्रामीण हुए परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। जाफरपुर विजली उपकेंद्र से क्षेत्र के लगभग 160 गांवों को विजली आपूर्ति दी जाती है। शनिवार की रात हाईटेंशन लाइन में फाल्ट हो जाने से विजली आपूर्ति ठप हो गई।लगभग 12 घन्टा विजली आपूर्ति ठप्प रहने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार दोपहर को विजली आपूर्ति चालू हुई तो ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अवर अभियंता संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि गांव बूँची से लेकर लखीमपुर तक लाइन में टी कटिंग को लेकर क्षेत्र की विजली आपूर्ति ठप्प हो गई थी। अव लाइन ठीक करबाकर विजली आपूर्ति चालू करवा दी गई है। लाइन लंबी होने के कारण फाल्ट ढूंढने में समय लगता है

चौकी पुलिस ने अवैध शराब के साथ ग्रामीण को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। सट्टा और नशे के कारोबार के लिए चर्चित कस्बा नवाबगंज में चौकी प्रभारी पुनीत कुमार मेहरा ने एक ग्रामीण को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

शनिवार को गस्त कर रहे चौकी प्रभारी पुनीत कुमार मेहरा ने कस्बे के विजौरिया रोड स्थित गैस के गोदाम के पास से एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में देखा, तलाशी लेने पर उसके पास से पुलिस ने 15 पौवे देशी शराब के बरामद किए। नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम मनोज कुमार पुत्र विशंभर दयाल गंगापुर उर्फ खामपुर बताया। चौकी इंचार्ज ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

पुलिस ने नाजायज देशी बंदूक व जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। पुलिस टीम ने शनिवार की रात मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक बड़ी सफलता प्राप्त की। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार रहपुरा अंडरपास से आगे रबड़ फैक्ट्री के खाली पड़े मैदान के पास से संजीव पुत्र सरनाम सिंह निवासी ग्राम भोलापुर थाना फतेहगंज पश्चिमी को एक नाजायज देशी बन्दूक 12 बोर व 04 जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने इस संबंध में आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया।

पकड़ने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार, एसआई पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल नेपाल सिंह, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार शामिल रहे।

दिल्ली में गिरफ्तार हुआ चारण का गुर्गा अंकित

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने की जिम्मेदारी लेने वाले वीरेंद्र चारण और महेंद्र सारण दोनों राजस्थान के चुरू जिले के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि दोनों विदेश में है। पुलिस ने दोनों की कुंडली खंगाली तो यह जानकारी सामने आई है।

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हमले की जिम्मेदारी लेने वाला गोल्डी बरार का गुर्गा वीरेंद्र चारण फिलहाल विदेश में बताया जा रहा है। उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी हो चुका है। अब बरेली पुलिस उसके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।बरेली पुलिस ने हमले की जिम्मेदारी लेने वाले वीरेंद्र चारण व महेंद्र सारण की कुंडली खंगाली तो पता लगा कि दोनों ही देश से बाहर हैं। उन्होंने अपने शूटरों से यह घटना कराई है।

पुलिस को वीरेंद्र चारण के बारे में काफी जानकारी मिल गई है। वह राजस्थान के जिला चुरू की तहसील सुजानगढ़ के गांव बोवासेर चरणान का निवासी है। उसका जन्म वर्ष 1987 में हुआ था। उसने बंगाली पहचान ओढ़कर कोलकाता निवासी दिलीप रजाक नाम से आईडी व पासपोर्ट बनवाकर इटली, दुबई व तुर्की की यात्रा कर चुका है।

चारण के खिलाफ हत्या, फिरौती, सुपारी, रंगदारी मांगने और असलहों की तस्करी के कई मुकदमे दर्ज हैं। कुछ साल पहले राजस्थान के अनूपगढ़ जिले की पुलिस ने उसे 12 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। वहीं से उसका वारंट जारी हुआ और अब 14 मई 2024 को उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी हो चुका है।

,बरेली पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक वीरेंद्र चारण अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर रोहित गोदारा (गोल्डी बरार का साथी) का दाहिना हाथ है। बताया जा रहा है कि दिशा पाटनी के घर हुई फायरिंग के कुछ घंटे बाद ही दिल्ली में रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण का एक शार्प शूटर अंकित गिरफ्तार किया गया है।

हरियाणा के भिवानी निवासी अंकित से दिल्ली के आजादपुर मंडी में पुलिस की मुठभेड़ हो गई। अंकित से पुलिस ने बाइक, पिस्टल और रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण का नाम लिखी पर्ची बरामद की है। अंकित बरेली पुलिस के रडार पर भी आ गया है।

राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को लापरवाही बरतने पर किया गया निलम्बित

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। डीएम अविनाश सिंह द्वारा तहसील आंवला के भूमि विवाद में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने पर राजस्व निरीक्षक व क्षेत्रीय लेखपाल को निलंबित करने की कार्यवाही की गयी है।

उक्त घटना के क्रम में जानकारी देते हुए उपजिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह ने बताया कि ग्राम राजपुर कलॉ थाना अलीगंज तहसील ऑवला में 13 सितंबर को समय लगभग अपरान्ह 03 बजे भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में गोलीबारी की घटना घटित हुई है।

उक्त गोलीबारी की घटना में पाँच व्यक्ति घायल हुए हैं। एक पक्ष से सुरेश पाल सिंह पुत्र छोटे सिंह आयु लगभग 60-62 वर्ष नि० राजपुर कला हाल पता लाईन पार मठिया, तहसील फरीदपुर, वीरेश पाल पुत्र चन्द्रपाल आयु लगभग 70 वर्ष व अनूप पुत्र प्रेमपाल आयु लगभग 16 वर्ष नि०गण राजपुर कला तहसील ऑवला व द्वितीय पक्ष से अतुल पुत्र जमुनाप्रसाद आयु लगभग 30 वर्ष नि० किठोरा थाना हाफिजगंज व राहुल पुत्र ओमप्रक. ाश आयु लगभग 25 वर्ष नि० संजय नगर थाना बारादरी तहसील बरेली घालय हुए है। वर्तमान में घायलों का ईलाज अस्पताल में चल रहा है। ग्राम राजपुर कला के गाटा सं0 282 रकवा 2.731 हे0 जो संक्रमणीय भूमिधरी श्रेणी-1 (क) की भूमि है। खतौनी में नरेश पाल सिंह, सुरेश पाल सिंह पुत्रगण छोटे सिंह व प्रेमपाल, ऋषिपाल, वीरेश पाल पुत्रगण चन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम के नाम बतौर संक्रमणीय भूमिधर दर्ज है।

उक्त आपराधिक घटना का संज्ञान लेकर राजस्व व पुलिस टीम की उक्त तिथि पर की गई कार्यवाही की गहन छानवीन व जाँच करायी जा रही है। प्रथम दृष्टया क्षेत्रीय लेखपाल व राजस्व निरीक्षक द्वारा जॉच के समय सम्पूर्ण तथ्यों को उद्घाटित नहीं किया गया तथा उक्त विवाद के जटिलता के सम्बन्ध में समय से उच्चाधिकारियों को अवगत नहीं कराया गया।

उक्त कारणवश क्षेत्रीय लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को अनुशासनहीनता एवं कर्तव्यों के प्रति लापरवाही मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

नलकूप के पास मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव बदनौली में एक ईट भट्टे के पीछे स्थित नलकूप के पास संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। तो वहीं मृतक कालू के परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब 8 बजे गांव बदनौली में ईट भट्टे के पीछे एक नलकूप के पास कुछ ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा। मृतक की पहचान गांव बदनोली की माडया निवासी 30 वर्षीय कालू पुत्र रविंद्र के रूप में हुई, जो पिछले तीन दिनों से लापता था। उसके परिजनों ने शनिवार की रात डायल 112 पर उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों ने जब मृतक कालू का शव नलकूप पर देखा तो उनके होश उड़ गए। शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी वरुण मिश्रा और थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह पुलिस टीम और फॉरेंसिक दल के साथ मौके पर पहुंचे और साक्ष्य इकट्ठा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि शव के आसपास कीटनाशक मिलने से शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मृतक कालू को शराब की लत थी और वह नशा मुक्ति केंद्र में भी रह चुका था। पुलिस को संदेह है कि उसकी शराब की लत और हाल के हालात ने उसे आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर किया होगा। उन्होंने बताया कि मृतक कालू के परिजनों का आरोप है कि मृतक कालू ने गांव की ही कुछ लोगों को अपनी जमीन बेची थी। उनका आरोप है कि उन्होंने ही कालू की हत्या की है। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देवताओं पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना धौलाना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर हिन्दू देवी-देवताओ पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हिन्दू देवी-देवताओ पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का मामला दर्ज कराया गया था। संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई थी। रविवार को पुलिस ने पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर हिन्दू देवी-देवताओ पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले आरोपी सद्दाम पुत्र यासीन निवासी तेली वाला मौहल्ला कस्बा व थाना धौलाना जनपद हापुड़ को पैठ का चबूतरा से गिरफ्तार किया गया है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र का माहौल बिगड़ता वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया मुस्लिम समाज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मुस्लिम समाज द्वारा पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। नगर क्षेत्र के बुलंदशहर रोड पर स्थित मोहल्ला रफीक नगर और नूरबफ़ान गंज के लोगो ने मिलकर पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए 1,06,500 रुपये की राशि दान की है। यह दान पंजाब के शाही इमाम हजरत मौलाना मोहम्मद उस्मान लुधियानवी की अपील पर दिया गया, जिसका उद्देश्य बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाना है।

मोहल्ला रफीक नगर और नूरबाफान गंज के लोगो ने 1,06,500 रुपये की राशि पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए जुटाई है। जिसका उद्देश्य पंजाब में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों और व्यक्तियों को आर्थिक मदद देना है। यह राशि उत्तर प्रदेश सिख मिशन के प्रभारी ब्रजपाल सिंह को सौंपी गई है ब्रजपाल सिंह ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि जल्द ही बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई जाएगी। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे, जिनमें शहर काजी मुफ्ती मकसूद आलम, ईदगाह कमेटी के सचिव डा. नजमुद्दीन हवारी, और वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद शाहीद शामिल थे। इस दान से यह साबित होता है कि आपदा के समय लोग एक-दूसरे की मदद के लिए एकजुट होते हैं। यह पहल न केवल पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक मदद है, बल्कि यह विभिन्न समुदायों के बीच एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है। हापुड़ के इन निवासियों ने मानवता और आपसी सद्भाव की एक शानदार मिसाल पेश की है।

बाढ़ प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने आयोजित की पंचायत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। रविवार को गांव नियामतपुर रामपुर में भारतीय किसान यूनियन की एक पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमे बाढ़ से प्रभावित किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस पंचायत की अध्यक्षता गुरुदोर सिंह सरदार ने की और इसका संचालन मेरठ मंडल अध्यक्ष जीते चौहान ने किया।

पंचायत में सुरेंद्र टिकैत जो राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत के छोटे भाई हैं, खुद बाढ़ पीड़ितों के लिए खाद्य सामग्री लेकर पहुंचे। इस दौरान सुरेंद्र टिकैत ने प्रशासन से जल्द से जल्द बाढ़ से नष्ट हुई फसलों का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। तो वही दिनेश त्यागी ने मांग की कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत चिकित्सा कैंप लगाए जाएं, क्योंकि पानी भरे होने के कारण जानवरों और बच्चों में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। नवदीप सिंह ने मांग की कि क्षेत्र के कच्चे बांध को पक्का किया जाए, क्योंकि इसी की वजह से पूरे क्षेत्र की फसलें बर्बाद हो गईं। ज्ञानेश्वर त्यागी ने प्रशासन से जल्द ही किसानों के पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करने की भी मांग की। इस पंचायत में बिट्टू प्रधान, अमरदीप सिंह, मनोज प्रधान और सुनील चौहान सहित हजारों की संख्या में किसान और पदाधिकारी मौजूद थे। सुखराज सिंह सरदार ने सभी को एकजुट होकर संगठन और किसानों के साथ खड़े रहने की बात कही।

देवेंद्र बिष्ट ने संभाला नए थाना प्रभारी का चार्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली के नए थाना प्रभारी के रूप में थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने की बात कही। पुलिस विभाग में हुए फेरबदल के तहत पूर्व थाना अध्यक्ष मुनीश प्रताप का स्थानांतरण बाबूगढ़ थाने में किया गया है।

नए थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने पदभार ग्रहण करने के बाद थाना स्टाफ से परिचय कर अपनी कार्य योजना साझा की। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए कोतवाली क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त को बढ़ाया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि उनका मुख्य लक्ष्य आम जनता में विश्वास और अपराधियों में भय का माहौल बनाना है। कोतवाली थाने में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका समय पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि शहर में कहीं भी कोई अपराध होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस मौके पर पहुंचकर तुरंत कार्रवाई करेगी। थाना प्रभारी ने कहा कि जनता को शासन की मंशा के अनुरूप समय से उचित न्याय दिलाना व अपराधियों पर अंकुश लगाना है ये हमारी पहली प्राथमिकता है। गलत कार्य करने वाले अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोगों की जगह जेल में होगी उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानक.ारी मिले तो आप हमें अवगत कराएं पुलिस आपकी मदद के लिए हमेशा तत्पर है।

अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलटा खाद से भरा ट्रक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। शनिवार देर रात थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के नेशनल हाईवे-9 पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मेरठ से छिबरामऊ जा रहा खाद से भरा एक ट्रक ततारपुर गोलचक्कर के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। जैसे ही ट्रक पलटने की सूचना पुलिस को मिली तुरंत थाना देहात प्रभारी विजय गुप्ता अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत राहत और बचाव का काम शुरू किया। सबसे पहले, उन्होंने ट्रक चालक सुखदेव कुमार निवासी नगला मऊ, इटावा को अस्पताल भिजवाया, जिसे मामूली चोटें आई थीं।

हादसे के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया था और काफी अफरा-तफरी का माहौल था। विजय गुप्ता ने खुद मोर्चा संभाला और ट्रैफिक को नियंत्रित किया। पुलिस टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से पलटे हुए ट्रक और सड़क पर बिखरे सैकड़ों खाद के कट्टों को हटवाकर यातायात को सुचारु करवाया। पुलिस की इस सक्रियता की वजह से रात के अंधेरे में भी जल्द ही स्थिति सामान्य हो गई। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि ड्राइवर सुरक्षित है और उसका इलाज चल रहा है। ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

तीन युवकों पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना पिलखुवा पुलिस ने रिलायन्स रोड पर तीन युवको पर जानलेवा हमला करने की घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया कि थाना पिलखुवा पुलिस द्वारा बीएनएस में नामजद फरार आरोपी गौरव पुत्र श्रीचन्द निवासी ग्राम खेडा थाना पिलखुवा जनपद हापुड को रिलायंस रोड कट के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था बिगड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

रील बनाने के शोक में घर से लापता हुई दो नाबालिग दिल्ली से बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र से लापता हुई दो नाबालिग छात्राओं को पुलिस ने दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुरक्षित ढूंढ निकाला। ये छात्राएं 11 सितंबर को घर से स्कूल के लिए निकली थीं, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटीं, जिसके बाद उनके परेशान परिवार ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

पुलिस को पता चला कि दोनों लड़कियां इंस्टाग्राम रील्स बनाने की शौकीन थीं और हाल ही में पढ़ाई पर ध्यान न देने के कारण उन्हें घरवालों से डांट पड़ी थी। इसी बात से नाराज़ होकर वे घर से चली गई थीं। जदीद चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में तुरंत एक टीम का गठन किया गया। तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय जाँच के आधार पर दोनों छात्राओं को दिल्ली रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया और छात्राओं को उनके परिवार को सौंप दिया गया है, जिन्होंने पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के लिए उनका धन्यवाद किया। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और उनसे सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर लगातार बात करते रहें ताकि इस तरह की घटनाएँ दोबारा न हों।

किशोरी को बंधक बनाकर छेड़छाड़ करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने पड़ोसी युवक पर बेटी को बहला फुसला कर अपने घर में बंधक बनाकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने विरोध करने पर परिजन के साथ भी अभद्रता की। पुलिस ने तहरीर मिलने पर कार्रवाई करने की बात कहीं है।

गांव निवासी युवक ने बताया कि उसका पड़ोसी युवक उसकी नाबलिक बेटी को घर से बहला फुसला कर अपने घर ले गया और कमरे में बंधक बना लिया। उसने बेटी के लापता होने पर खोजबीन करते हुए पड़ोसी से पूछताछ की तो आरोपी ने बेटी के बारे में जानकारी होने से इंकार कर दिया। पीड़ित ने बताया कि जब उसकी बेटी आरोपी के घर से निकली तो आरोपी ने उनके साथ अभद्रता की। थाना पुलिस का कहना है कि अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर प्राप्त होने पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एटीएम बूथ में आग लगने से मचा हड़कंप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। सिंभावली चीनी मिल गेट के बराबर में स्थित एटीएम में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने से मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया गया है। आग से कितना नुकसान हुआ है इसको लेकर आकलंन किया जा रहा है।

रविवार की दोपहर को चीनी मिल गेट के बराबर में स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की जानकारी धुंआ निकलने के बाद हो सकी। आस पास से गुजर रहे लोगों ने धुंआ देखकर पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस ने बैंक अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि आग से कितना नुकसान है इसका आकलंन किया जा रहा है।

अवैध हथियार के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अन्तर्गत थाना धौलाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया है। धौलाना थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि थाना पुलिस टीम द्वारा ककराना बम्बे से जाधोपुर की ओर जाने वाली पटरी के पास गश्त के दौरान एक संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने जब संदिग्ध की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया और थाने ले आई। पुलिस पूछताछ में बदमाश की पहचान चाँद उर्फ समर पुत्र मौ. उमर निवासी मौ. यासीन गढी कस्बा डासना थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद हाल पता मौहल्ला मुगल गार्डन कस्बा व थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किया गया बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है जिसके खिलाफ आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

कव्वाली के साथ धूमधाम से मनाई गई ईद-ए-मिलादुन्नबी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मुस्लिम समुदाय के प्रमुख पर्व ईद-ए-मिलादुन्नबी को जिले में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। यह पर्व इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल की 12वीं तारीख को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन आखिरी नबी और पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था। इसी खुशी में मुस्लिम समाज के लोग विशेष प्रार्थना, जुलूस और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

सुबह से ही मुस्लिम बहुल इलाकों में रौनक देखने को मिली। जगह-जगह सजावट की गई, मिठाइयां बांटी गईं और जुलूस निक.ाले गए। छोटे-बड़े सभी ने नए कपड़े पहनकर एक-दूसरे को मुबा.रकबाद दी। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर सैयद माजिद शाह चिश्ती साबरि की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कव्वाली का आयोजन सबसे आकर्षण का केंद्र रहा। कव्वालों ने नात-ए-पाक और धार्मिक कलाम पेश किए, जिन्हें सुनकर माहौल आध्यात्मिक और खुशनुमा बन गया। सैकड़ों की संख्या में लोग इस आयोजन में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। हापुड़ थाना प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह, जदीद चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार, सिकंदरगढ़ चौकी प्रभारी विवेक चौहान, गढ़ गेट चौकी प्रभारी चेतन कुमार, रेलवे रोड चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिस कर्मियों को मूर्ति भेंट कर व पटखा और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। आयोजन में हर तबके के लोग मौजूद रहे। मुस्लिम समाज के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर ईद-ए-मिलादुन्नबी की खुशियों में साझेदारी की। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सज्जाद, नसीम, साईद, सहसंयोजक जुबेर खान साबरी, सरपरस्त मोनिश कुरैशी साबरी, सहयोगी आमिर मीर चिश्ती साबरी, सज्जाद नसीम सदा सुहागन दरगाह हापुड़, मोहम्मद आमिर कलियर दरगाह हापुड़, नफीस अहमद साबरी, सज्जाद नसीम नौ गजा पीर दादरी मौजूद रहे।

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में डीएम को सौपेंगे ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। प्राथमिक शिक्षक टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में 16 सितंबर को एक ज्ञापन सौंपने जा रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आहवान पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व हापुड़ के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शिशौदिया कर रहे हैं।

यह प्रदर्शन सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के विरोध में है, जिसमें कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों को दो साल के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। शिक्षकों का मानना है कि यह फैसला उन लोगों के साथ अन्याय है जो आरटीई एक्ट 2010 के लागू होने से पहले नियुक्त हुए थे। शिक्षकों का आरोप है कि जब इन शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी, तब वे सभी निर्धारित योग्यताएं पूरी करते थे। टीईटी की अनिवार्यता बाद में, 2017 में, गुपचुप तरीके से लागू की गई। शिक्षकों का आरोप है कि सरकार ने संशोधित कानून की जानकारी न तो शिक्षकों को दी और न ही राज्य सरकारों से कोई पत्राचार किया। यह संशोधन सीधे सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका के दौरान पेश किया गया था। इस फैसले से हापुड़ के लगभग 1200 और पूरे उत्तर प्रदेश के लगभग दो लाख शिक्षकों की नौकरी खतरे में है। शिक्षक संघ का कहना है कि अगर ऐसा होता है, तो यह एक गलत मिसाल कायम करेगा। भविष्य में सरकारें आईएएस, पीसीएस, डाक्टर, इंजी.नियर और अन्य कर्मचारियों से भी दोबारा परीक्षा पास करने के लिए कह सकती हैं। शिक्षक संघ ने सभी शिक्षकों से अपील की है कि वे 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हों।

भारत व पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच शहीदों का अपमान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस मैच को भारत के अमर शहीदों और देश की जनता की भावनाओं का अपमान बताया।

दुबई में क्रिकेट मैच का विरोध जताते हुए पंडित गोपाल शर्मा ने दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच का पुरजोर विरोध किया। उनका कहना है कि यह मैच उन अमर शहीदों का अपमान है, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान की। उन्होंने जम्मू के पहलगाम हमले का जिक्र किया, जिसमें आतंकवादियों ने जाति और धर्म पूछकर 26 हिंदुओं की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि इस तरह की दुखद घटना के कुछ महीनों बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना भारत के लोगों की भावनाओं को आहत करता है। पंडित गोपाल शर्मा ने केंद्र सरकार पर आंखें मूंदकर काम करने का आरोप लगाया और भाजपा पर दो.हरा चरित्र दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने लगातार भारत की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा पर सेंध लगाकर भारतीय जवानों और निर्दोष नागरिकों की हत्याएं की हैं, जिसे कोई भी भारतीय नहीं भूल सकता। इस बयान में ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी यूपी

40 लाख शिक्षकों की आवाज बना अटेवा

शिक्षकों ने सांसद नदवी को सुनाया अपना दर्द, सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। अटेवा पेंशन बचाओ मंच जनपद रामपुर के तत्वावधान में शिक्षकों ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा से सम्बंधित निर्णय पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद तथा शिक्षा अधिकार अधिनियम के नाम पर लागू किए जा रहे नए नियम पूर्व नियुक्त लाखों शिक्षकों के साथ अन्याय कर रहे हैं। जिन्हें तत्काल प्रभाव से अध्यादेश लाकर संशोधित किया जाए जिसके लिए अटेवा रामपुर इकाई ने माननीय प्रधानमंत्री को प्रेषित एक ज्ञापन अम्बेडकर पार्क रामपुर में एकत्रित होकर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को सौंपा।

जिला अध्यक्ष दिगपाल गंगवार एवं जिला महामंत्री राम प्रवेश यादव ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि देशभर के लगभग 40 लाख शिक्षक एवं उत्तर प्रदेश के करीब चार लाख शिक्षक इस निर्णय से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होंगे। 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त सभी शिक्षकों को सेवा में रहते हुए पहले ही पूर्ण शैक्षिक पात्रता तथा नियुक्ति प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। इन शिक्षकों ने वर्षों तक प्राथमिक शिक्षा को अपने अनुभव और परिश्रम से संवारने का काम किया है। ऐसे में उन्हें दोबारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) देने के लिए बाध्य करना न केवल अनुचित है बल्कि यह उनके अधिकारों का सीधा हनन है।

संगठन ने स्पष्ट किया कि एनसीटीई के आदेशों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को छूट देने का प्रावधान मौजूद था, किंतु नवीनतम आदेशों में इस छूट को समाप्त कर दिया गया है। परिणामस्वरूप 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों की सेवा योग्यता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। इससे लाखों शिक्षक टेट के लिए आवेदन तक नहीं कर पाएंगे। यह स्थिति शिक्षकों की आजीविका, सेवा सुरक्षा और भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है।अटेवा प्रवक्ता सुनील गंगवार ने कहा कि यह निर्णय केवल शिक्षक समाज तक सीमित नहीं है बल्कि इससे उनके परिवार भी प्रभावित होंगे। लगभग 40 लाख परिवारों की रोजी-रोटी और मान-सम्मान पर सीधा प्रहार होगा। संगठन ने यह भी कहा कि जब शिक्षक पहले से ही सेवा में कार्यरत हैं और शैक्षिक व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं, तो उनकी योग्यता पर दोबारा परीक्षा थोपना अव्यावहारिक, अपमानजनक और असंवैधानिक है। उन्होंने मांग की कि पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टेट से छूट दी जाए और एनसीटीई के आदेशों में संशोधन कर उनकी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, साथ ही शिक्षक समाज के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव समाप्त किया जाए।

वक्ताओ ने याद दिलाया कि वर्ष 2011 में लागू शिक्षा अधिकार अधिनियम के बाद नियुक्त शिक्षकों पर नए प्रावधान लागू हुए थे, लेकिन 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को छूट प्रदान की गई थी। इस छूट को अब हटाना एक तरह से पूर्व प्रभाव से नियम लागू करना है, जो न्याय और समानता के सिद्धांतों के खिलाफ है।

अटेवा रामपुर इकाई ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि वे तत्काल संज्ञान लें और इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को रद्द करें। शिक्षको ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने इस आदेश को वापस नहीं लिया तो शिक्षक समाज आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। आगामी समय में प्रदेशभर के शिक्षक एकजुट होकर धरना-प्रदर्शन, रैलियाँ और विरोध कार्यक्रम करेंगे। संगठन ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा मानव संसाधन मंत्रालय से यह अपील की कि शिक्षकों की उपेक्षा न की जाए क्योंकि इससे शिक्षा व्यवस्था कमजोर होगी और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी प्रभावित होगा।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के महामंत्री आनंद प्रकाश गुप्ता, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिला संरक्षक कमर इशाक जब्बाद राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के रवेंद्र गंगवार, रविंद्र कुमार आर्य, वकील अहमद, शुभम सक्सेना, बृजराज सिंह, शरद शर्मा, मुस्तफा अली सैयद अफाक हुसैन मोहित सक्सेना, सूर्यप्रकाश गंगवार राकेश विश्वकर्मा आसिफ अली अमित सक्सेना भुजवीर सिंह पंकज कुमार नृपेंद्र कुमार उपासना सक्सेना, नेत्रपाल सिंह विनीत श्रीवास्तव अहसान खां आरिफ खां इफ्तेखार अली सहित सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

भाकियू (टिकैत) का टाण्डा में बढ़ रहा कुनबा, कई नए लोगों ने ली संगठन की सदस्यता

शाह टाइम्स संवाददाता

टाण्डा/रामपुर। टाण्डा में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का कुनबा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। नगर में लोग उत्साह के साथ इस संगठन से जुड़ रहे हैं, और भाकियू की नीतियों व किसान हितों के प्रति समर्पण को देखकर उनकी आस्था और मजबूत हो रही है। शनिवार शाम को भी नगर के कई युवाओं ने भाकियू की सदस्यता ग्रहण की, जिसका स्वागत संगठन के नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला ने बड़े उत्साह से किया।

मजहर अली लाला ने नए सदस्यों को संगठन की सदस्यता दिलाते हुए भाकियू के मिशन और विजन को साझा किया। उन्होंने कहा, भारतीय किसान यूनियन किसानों का सच्चा हमदर्द है। हमारा संगठन किसानों के हक, उनकी बेहतरी और ग्रामीण भारत की खुशहाली के लिए दिन-रात काम करता है। चाहे बात फसलों के उचित दाम की हो, कर्जमाफी की हो, या फिर किसानों को आधुनिक तकनीक और संसाधनों से जोड़ने की, भाकियू हर कदम पर किसानों के साथ खड़ा है।

उन्होंने नए सदस्यों से अपील की कि वे संगठन की नीतियों को गाँव-गाँव तक पहुँचाएँ और किसानों की एकजुटता को और मजबूत करें। भाकियू न केवल किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए लड़ता है, बल्कि सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दों पर भी सक्रियता से काम करता है। नए सदस्यों ने भी भाकियू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लिया और कहा कि वे संगठन के सिद्धांतों को अपनाते हुए किसान समुदाय की आवाज को और बुलंद करेंगे।

इस अवसर पर जिला सचिव साबिर अली,युवा नगर अध्यक्ष फरीद खां, मास्टर मोहम्मद रफीक, नदीम सैफी, मोहम्मद अजीम, मोहम्मद तस्लीम उर्फ छोटा चांद, इंतिजार कुरैशी, मोहम्मद फारूक और मोहम्मद अतीक आदि मौजूद रहे।

शाहबाद में 21 सितम्बर से होगी भव्य रामलीला की शुरुआत, झांसी के कलाकार करेंगे मंचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

शाहबाद/रामपुर। नगर में भक्ति और उत्साह का माहौल एक बार फिर से गूंजने वाला है।

शाहबाद में आगामी 21 सितंबर से भव्य रामलीला महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। इस बार रामलीला मंचन की विशेषता यह होगी कि इसका मंचन झांसी बुंदेलखंड के श्री भागीरथी आदर्श रामलीला मंडल के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा किया जाएगा।

रामलीला के शुभारंभ से लेकर समापन तक प्रत्येक दिन अलग-अलग धार्मिक और ऐतिहासिक प्रसंगों का जीवंत मंचन किया जाएगा, जो दर्शकों को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की गाथाओं से भक्ति रस में सराबोर कर देगा। रामलीला की शुरुआत 21 सितंबर को नारद मोह मायानगरी प्रसंग से होगी। इसके बाद 22 सितंबर को भगवान राम, माता सीता और रावण के जन्म का मंचन किया जाएगा। 23 सितंबर को मोहनी आगमन, ताड़का वध और गिरिजा पूजन का अद्भुत प्रदर्शन होगा।

24 सितंबर को दर्शक धनुष यज्ञ, सीता स्वयंवर और लक्ष्मण-परशुराम संवाद जैसे रोमांचक दृश्यों का आनंद लेंगे। 25 सितंबर को राम बारात, कन्यादान और कैकेयी-मंथरा संवाद की घटनाओं का मंचन किया जाएगा, जो दर्शकों को भावुक कर देगा। 26 सितंबर को राम वनवास, राम-केवट संवाद और भरत मिलाप जैसे लोकप्रिय प्रसंग मंचित होंगे।

इसके बाद 27 सितंबर को सूपनखा नासिका भंग और सीता हरण जैसे नाटकीय और रोचक दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

28 सितंबर को राम-सुग्रीव मित्रता और सीता खोज का मंचन होगा।

29 सितंबर को लंका दहन और अशोक वाटिका के रोमांचक प्रसंग प्रस्तुत होंगे।

30 सितंबर को विभीषण शरणागति और अंगद-रावण संवाद का मंचन दर्शकों को युद्ध की शुरुआत की ओर ले जाएगा।1 अक्टूबर को लक्ष्मण शक्ति और कुम्भकर्ण वध,2 अक्टूबर को मेघनाथ वध और सुलोचना सती,

3 अक्टूबर को अहिरावण वध और रावण वध जैसे युद्ध प्रसंगों का मंचन होगा, जिसमें कलाकार अपने अभिनय से युद्ध की गाथा को सजीव कर देंगे। रामलीला 4 अक्टूबर को विशेष नाटक या रासलीला के साथ होगा।

5 अक्टूबर को अंतिम दिन राज गद्दी और भरत भेंट जैसे भावनात्मक दृश्यों का मंचन किया जाएगा।

रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार मंचन में आधुनिक लाइटिंग, आकर्षक मंच सज्जा और दमदार अभिनय का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि दर्शक भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी घटनाओं को निकट से महसूस कर सकें।

नगरवासियों में रामलीला के आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी नगर और आस-पास के गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु रामलीला देखने पहुंचेंगे।

कमेटी ने नगरवासियों से रामलीला में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

धार्मिक आस्था, मर्यादा और संस्कृति को संजोए यह आयोजन शाहबाद में भक्ति और उत्सव का अद्वितीय संगम लेकर आएगा।

रेडिको खेतान ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित

रामपुर में कौशल विकास को बताया राष्ट्र निर्माण की नींव

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। रेडिको खेतान लिमिटेड द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रेडिको खेतान कौशल विकास केन्द्रों के सभी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षा और कौशल विकास को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर रेडिको खेतान सीएसआर की चेयरपर्सन अनीता चोदा ने अपने संबोधन में कहा, षशिक्षक ही वे स्तंभ हैं, जो छात्र के भविष्य को आकार देते हैं। वे समाज के सच्चे निर्माता होते हैं। उनके बिना कोई भी राष्ट्र सशक्त नहीं बन सकता। हमें गर्व है कि हमारे कौशल विकास केंद्रों में ऐसे समर्पित शिक्षक कार्यरत हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में लगे हुए हैं।

रेडिको खेतान वर्तमान में रामपुर के चार क्षेत्रों सिविल लाइंस, पनवड़िया, ज्वालानगर एवं फैजनगर ग्राम पंचायत में कौशल विकास केन्द्र संचालित कर रहा है। ये सभी केंद्र पूरी तरह नि:शुल्क हैं और स्थानीय युवाओं को विभिन्न तकनीकी व व्यावसायिक कोर्सेस में प्रशिक्षित कर रहे हैं। इन केन्द्रों में पढ़ाई करने वाले छात्र न केवल रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि स्वरोजगार के माध्यम से भी आत्मनिर्भर बन रहे हैं। वर्तमान में इन केंद्रों से प्रतिवर्ष लगभग 500 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। रेडिको खेतान द्वारा चलाए जा रहे ये कोर्सेस कई बैचों में आयोजित होते हैं, जिससे छात्रों को सिलाई, ब्यूटीशियन, कंप्यूटर प्रशिक्षण, मोबाइल रिपेयरिंग

जैसे व्यावसायिक कौशलों में दक्षता मिल रही है।

यह पहल स्थानीय युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है और उन्हें समाज में सशक्त स्थान दिला रही है। रेडिको खेतान की यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में योगदान है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी एक प्रेरणादायक कदम है। कंपनी ने भविष्य में और भी अधिक युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने का संकल्प लिया है, जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

सैफनी में सफाई कर्मियों ने दो माह का वेतन नहीं मिलने पर किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सैफनी/रामपुर। नगर में नगर पंचायत के सफाई कर्मियों ने बाजार में स्थित पानी की टंकी के समीप दो महीने का वेतन नहीं मिलने के कारण धरना प्रदर्शन किया। सफाई कर्मियों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि वह लोग दो माह से दुकान से उधार राशन लेकर खा रहे है। वेतन न मिलने के कारण वह भुखमरी की कगार पर हैं। बच्चों के स्कूल की फीस जमा नही हो पा रही है। जिसके कारण बच्चे भी दुखी हैं। वेतन नहीं मिलने के कारण बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मियों ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को भी अपनी पीड़ा से अवगत करा दिया है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो सकी है।अखिलेख कुमार ने बताया कि सात सितंबर को भूड़ा मेले का उद्घाटन करने जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह आये थे।उनको लिखित में अवगत कराया था। उन्होंने दो तीन दिन में वेतन मिल जाएगा यह कह दिया था लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

सफाई कर्मियों का कहना है कि उनको वेतन नही मिलेगा तो वह सफाई का कार्य नही करेंगे।महिला सफाई कर्मियो ने बताया कि उनका एक यही साधन है जिससे वह अपने बच्चों का अच्छी प्रकार पालन पोषण कर रही है। वेतन के रुकने पर वही समस्या खड़ी हो गई है। कर्मियों का दल नगर पंचायत भवन पर भी ऑफिस कर्मियों से मिला

उन्होंने बताया अधिशासी अधिकारी जब आएंगे तब समाधान होगा।

बताते चले कि नगर के अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौड़ के जाने के बाद कोई अधिशासी अधिकारी ने नियुक्ति नगर में नही हुई है। नगर पंचायत अध्यक्ष फैजान खान ने बताया कि सैफनी नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी का पद रिक्त होने की सूचना जिलाधिकारी को भी दे दीं गई है।

प्रदर्शन करने में अखिलेश कुमार, जोगिंदर सिंह, दीपक कुमार, भागवती, सारिता, प्रमिला, सीमा, मिथलेस, पूनम, साध्व सिंह, महेश, सेनो, सर्व सैनी, टीटू सागर, दीपक, रजनीश, अरशद (सुपरवाइजर), रोहित, साधना, करन सिंह, विनोद, विशाल सिंह, सारिता, प्रमिला, सीमा, करन सिंह, बबली आदि मौजूद रहे।

गरीब के गिरे मकान को सही करने का दिया चेयरमैन ने आश्वासन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सैफनी/रामपुर। नगर के छिड़िया मोहल्ला में कुछ दिन पहले अचानक गरीब रामकिशन के कच्चे मकान की छत भरभराकर गिर गई थी। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।

हादसे के वक्त किसान की बेटी भी छत के नीचे थी, जो चमत्कारिक रूप से बच गई। इस घटना ने पूरे परिवार को बेघर कर दिया। घर का सारा सामान, जिसमें राशन और कपड़े भी शामिल थे, मलबे में दब गया थे। उन्होंने सरकार और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई थी। जिसको संज्ञान में लेते हुए नगर चेयरमैन फैजान खान ने किसान के घर जा कर पीड़ित का दर्द जाना और अपने खर्चे पर मकान की छत संभालने का आश्वाशन दिया और पीड़ित किसान को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने का आश्वाशन दिया। फैजान खान ने बताया कि ऐसे गरीब परिवार की उनके द्वारा हर संभव मदद की जाएगी।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला उपेक्षा का शिकार खाली पड़ी कुर्सियों से झलकती हकीकत

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। गरीबों और असहाय मरीजों को घर के पास इलाज उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री आरोग्य मेला योजना अब रस्म अदायगी तक सीमित होती दिख रही है। अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही और जिम्मेदार डॉक्टरों की उदासीनता ने कार्यक्रम की छवि पर बट्टा लगा दिया है। हाल यह है कि मेले में मरीजों की भीड़ घटने लगी है और जो लोग उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, वे मायूस होकर लौटने को मजबूर हैं।

रविवार को स्थिति और अधिक चिंताजनक रही। सुबह साढ़े 11 बजे तक मेला स्थल पर न तो कोई चिकित्सक मौजूद था और न ही कार्यक्रम से संबंधित कोई व्यवस्था। बैनर-पोस्टर तक नदारद रहे। खाली पड़ी मेज-कुर्सियां इस बात की गवाही दे रही थीं कि योजना को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। जांच और उपचार की उम्मीद में आए लोग बिना इलाज घर वापस लौट गए।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि अस्पताल प्रशासन मरीजों की वास्तविक संख्या कम होने के बावजूद कागजों पर आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर दर्ज कर रहा है। दवाओं और जांचों के नाम पर भी हेराफेरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। सीसीटीवी फुटेज इस अनियमितता की असली तस्वीर पेश कर सकते हैं। पत्रकारों द्वारा तस्वीर खींचने की कोशिश पर वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड ने रोकने का प्रयास किया। उसने बताया कि नोडल चिकित्सक आवास पर मरीज देख रहे हैं। बाद में किसी दबाव में गार्ड चुपचाप हट गया। लोगों ने नोडल डॉक्टर धीरज निम पर ड्यूटी से उदासीनता और मरीजों के प्रति असहज व्यवहार का आरोप लगाया है।

नगरवासियों की मांग है कि सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार डॉक्टर और अस्पताल प्रशासन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। गरीबों को राहत देने के मकसद से शुरू हुई मुख्यमंत्री आरोग्य मेला योजना आज प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ गई है। इसकी साख बचाने के लिए तत्काल कठोर कदम उठाना बेहद जरूरी हो गया है।

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज की हुई बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी/रामपुर। नगर में ऑल इन्डिया पसमांदा मुस्लिम समाज की बैठक नगर पंचायत सैफनी के 4 वार्ड के सभासद शब्बू अन्सारी के आवास पर जिलाध्यक्ष नबी बख्श अन्सारी की अध्यक्षता में आहूत की गई।

बैठक में पसमांदा समाज को जागरुक करने पर विचार किया गया। बैठक मे राष्ट्रीय प्रवक्ता एंव सदस्य शाहिन अन्सारी सहाब राज्य हज समीति उत्तर प्रदेश ने कहा की पसमांदा समाज के हकों को दबाया जा रहा है।

पसमांदा समाज को अपने अधिकार के लिए लडना पडेगा।

कोई किसी को कुछ देना नही चाहता, अपना हक छीनना पड़ता है। उन्होने पसमांदा समाज को एक जुट होकर संगठन के साथ रहने पर जोर दिया। बैठक मे जिलाध्यक्ष नबी बख्श अन्सारी ने कहा की पसमांदा समाज अब किसी की गुलामी नही करेगा जो पसमांदा समाज की बात करेगा। हमारा संगठन सियासत उन्ही की हिमायत करेगा।

बैठक मे और भी कई वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे। बैठक मे उपस्थित शानू हाजी, अजीम अहमद, खुर्शीद हाजी, हंसराज सागर, चन्द्रपाल, शाहिद, मोहम्मद शईद सलीम अहमद, मोहम्मद आलम, शब्बू अन्सारी, राजेश कुमार, पंकज शर्मा आदि मौजूद रहे।

परिनिर्वाण दिवस पर होने वाली महारैली को सफल बनाने के लिए बैठक में की अपील

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। रविवार को बहुजन समाज पार्टी की एक मीटिंग बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के नगर बिलासपुर में बसपा नेता हाजी जुल्फिकार अली के आवास पर आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल कोऑर्डिनेटर बांकेलाल सागर ने अपने संबोधन में कहा, कि दिनांक 9 अक्टूबर को मान्यवर काशीराम जी के परिनिर्वाण दिवस पर होने जा रही महारैली की तैयारियां बड़े जोर शोर से चल रही हैं। कहां के पूरे जिले में पार्टी पदाधिकारी महारैली को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं ,आगे कहा कि आने वाला समय बहुजन समाज पार्टी का है और प्रदेश में पांचवी बार बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी और इस प्रदेश के मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती होंगी। आगे कहा कि बिहार में चुनाव है पार्टी मजबूती से अपना प्रदर्शन कर रही है तमाम राजनीतिक पार्टियों की फिजा खराब कर दी है ।आगे कहा कि सभी पार्टी के कार्यकर्ता संगठन के मजबूती प्रदान करने के लिए महारैली में अवश्य पहुंचे। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद सागर निरंकारी एडवोकेट ने कहा, कि हमने जिले में पांचो विधानसभा में क्रमवार कार्यक्रम लगा

रखे हैं। संगठन के पदाधिकारी सेक्टर और बूथ स्तर तक महारैली को सफल बनाने हेतु प्रचार प्रसार किया जा रहा है । जनपद रामपुर से भारी मात्रा में बस छोटे वाहन एवं रेल के द्वारा कार्यकर्ता पहुंचेंगे और कार्यक्रम को पहले की तरह ही ऐतिहासिक बनाएंगे।

उन्होंने कहा बसपा की सरकार ने जो कार्य उत्तर प्रदेश में किया आज तक कोई सरकार नहीं कर पाई कहां की बसपा की सरकार आएगी पहले की तरह विकास कार्य कराए जाएंगे जिससे आम जनता को लाभ मिले इस अवसर पर उपस्थित रहे दीपक कुमार सागर ,सत्यपाल सिंह, राजेश प्रकाश सैनी, इसरार अली एडवोकेट, अखिलेश गुप्ता, नेमचंद, बाबूराम सागर, महेंद्र सिंह सागर ,सोनू कुमार सागर, डॉक्टर सद्दाम हुसैन, किशोरी लाल प्रजापति, मोहम्मद ठेकेदार, सतीश कुमार, राम जीवन गौतम, विजय सिंह प्रधान, गजम प्रधान, प्यारेलाल, सीताराम, मदनलाल सेक्टर अध्यक्ष, राजपाल गौतम, नरेश गौतम, महेंद्र पाल, भूरा सागर ,भगवान दास , विक्रम सिंह ,पप्पू सागर, ओम प्रकाश, चंद्रभान, राकेश, राम किशोर, सुरजीत राम, अवतार ,अमित कुमार, बाबू अली, सीताराम, ख्यालीराम घनश्याम, हरिराम, विनोद, रामकृष्ण, हरपाल आदि तमाम कार्यकर्ता मौजूद है।

पूर्व पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला के आवास पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

टाण्डा/रामपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार रविवार को पूर्व पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला के आवास पर पहुँचे। इस मौके पर कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बैठक में मकसूद लाला के कार्यकाल की उपलब्धियों और जनहित में किए गए कामों की जमकर चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि मकसूद लाला ने अपने कार्यकाल में जनता की भलाई और विकास को ही प्राथमिकता दी। स्थानीय लोगों ने भी मकसूद लाला की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में नगर ने असली तरक्की की तस्वीर देखी। लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि जनता आज भी उनके काम को सुनहरे दौर के रूप में याद करती है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अली युसूफ अली, मंडल अध्यक्ष रोहित सैनी, भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मी सैनी, योगेश सैनी, रवि रहेला, पप्पन सक्सेना समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गरीबों और किसानों के चेहरे की मुस्कान बन रही भाजपा: हरीश

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि आज भाजपा गरीबों और किसानों के चेहरे की मुस्कान बन रही है।

भाजपा ने गरीबों को यह एहसास कराया है कि उनका एक वोट किस तरह से उनकी तकदीर बदल सकता है। ऐसे में आगामी पंचायत चुनाव में भी जनता यह तय कर चुकी है कि भाजपा को जिताना है। हमारी सभी बूथ समितियों को सिर्फ अपने बूथों को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। यदि यह काम हो गया, तो पंचायत चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत तय है।

बूथ संपर्क अभियान के तहत रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष स्वार विधानसभा क्षेत्र के टांडा नगर मंडल पहुंच गए। यहां उन्होंने शक्तिकेंद्रों के अनुसार बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक कीं। उन्होंने कहा कि भाजपा आज केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि गरीबों और किसानों के जीवन में आशा की एक किरण बनकर उभरी है।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं आज गांव-गांव में बदलाव की कहानी लिख रही हैं।

चाहे बात हो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की, जिससे करोड़ों किसानों को सीधा आर्थिक सहयोग मिला है, या फिर उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना आदि हों। सभी योजनाओं का लाभ जमीन पर पात्रों को मिल रहा है। किसानों को समय

पर खाद, बीज, सिंचाई और फसल बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में भाजपा सरकारों ने रिकॉर्ड कार्य किए हैं।

साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य में लगातार वृद्धि और मंडियों के डिजिटलीकरण ने किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य दिलाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्राथमिकता हमेशा गरीब, किसान और मजदूर वर्ग रहा है। आज गांवों में जब बिजली, सड़क, पानी और आवास की सुविधाएं पहुंच रही हैं, तो लोग कह रहे हैं भाजपा है तो भरोसा है।

बैठक में बूथ स्तर पर आ रही समस्याओं, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाने के तरीकों और संगठन की मजबूती जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अली यूसुफ अली, टांडा नगर मंडल अध्यक्ष रोहित सैनी, लक्ष्मी सैनी, महेंद्र सैनी, रवि रूहेला, अर्जुन रस्तोगी, योगेश सैनी, राजकुमार चौहान, करन सिंह सैनी आदि उपस्थित रहे।

एमपैक्स सदस्यता अभियान के अंतर्गत जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन ने बनाए सदस्य

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। एम-पैक्स सदस्यता महाअभियान के अंतर्गत जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन मोहनलाल सैनी द्वारा नगर पंचायत मसवासी के मोहल्ला भूबरा में सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें काफी संख्या में सदस्य बनाए गए।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक ग्रामीणों को सदस्यता अभियान के अंतर्गत जोड़ा जा रहा है जिससे वह सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो सके तथा ऋण आदि की जो सुविधाएं मैं भी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। तथा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहक.

ारी समिति की सदस्य संख्या बढ़ाना और अधिक से अधिक ग्रामीणों को सहकारी तंत्र से जोड़ना भी प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम के बाद नगर पंचायत मसवासी के निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मौर्य ने अपने निवास पर जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन मोहनलाल सैनी का स्वागत सत्कार किया। मौके पर नगर पंचायत मसवासी के निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मौर्य, दीप गोयल, सौरभ गुप्ता, विजय मौर्य, सोमपाल सागर राजू सैनी सतीश मौर्य आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

झगड़ा कर रहे दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। चौकी क्षेत्र के गांव किशनपुर मौलागढ़ में पुरानी बातों को लेकर झगड़ा कर रहे दो लोगो को पुलिस में गिरफ्तार कर शांति भंग की कार्रवाई में चालान किया है। किशनपुर मौलागढ़ में अमरपाल पुत्र तुलसीराम सुभाष पत्र केवल सिंह पुरानी बातों को लेकर लड़ाई झगड़ा कर रहे थे।

जिसकी वजह से गांव में शांति व्यवस्था बाधित हो रही थी सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में ले लिया। और पुलिस चौकी ले आई।

दोनों ग्रामीणों का शांति भंग की कार्रवाई कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया है।

सपा की रठौड़ा में पीडीए पंचायत में पहुंचे सांसद मोहिबुल्लाह नदवी

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक /रामपुर। तहसील क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की आयोजित पीडीए पंचायत में क्षेत्रीय सपा सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने पहुंचकर शिर. कत की।

रविवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम रठौडा के किसान मेला प्रांगण में समाजवादी पार्टी के द्वारा चलाई जा रही पीडीए पंचायत का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने समाजवादी पार्टी की विचार धाराओं को बताया और जनता से समाजवादी पार्टी से जुड़ने की अपील की और कहां आज हमारा देश बहुत ही गलत दौड़ से गुजर रहा है हम सबको मिलकर देश इतने काम करना है। समाजवादी पार्टी के विचारधारा से

जुड़ना है पड़ा का मतलब है की पीड़ित लोगों को न्याय दिलाना और सभी जातियों को साथ लेकर चलना। आज हमारे युवा चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो या खेल के क्षेत्र में हो वह पिछड़ते जा रहे हैं हमें उन्हें आगे लाना है।जब हमारे युवा आगे बढ़ेंगे तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति होती है। इस दौरान तराई किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार तेजेंद्र सिंह विर्क, वरिष्ठ नेता याकूब खान, अनस खान, सांसद प्रतिनिधि अथर खान, हाफिज नूरी, एडवोकेट मोहम्मद महबूब पाशा, अरविंद पटेल, नरेश यादव, अनीता यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा जय किशन यादव, अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव राम बहादुर, रिंकू गंग. वार, प्रदीप यादव, अर्जुन यादव आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन भानू की पंचायत हुई आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

शहजादनगर। रविवार को भारतीय किसान यूनियन भानू की पंचायत धमोरा के पास मैरिज हॉल में संपन्न हुई। किसानों को संबोधित करते हुए प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ वारसी ने कहा कि देश के कई प्रदेशों में देवी आपदा के तहत बड़ी बाढ़ ने पूरे पूरे प्रदेशों को बर्बाद कर दिया। पंचायत में किसानों ने बाढ़ ग्रस्त जिले व प्रदेशों को कर्ज मुक्ति एवं फसलों का व नुकसान का मुआवजा देने की केंद्र सरकार से मांग रखी। आगे कहा कि बहुत जल्दी राष्ट्रीय नेतृत्व केंद्र सरकार से मिलेगा पंजाब मध्य प्रदेश जम्मू कश्मीर

हिमाचल प्रदेश यूपी के दर्जनों जिले उत्तराखंड के राजस्थान के आदि पूरी तरह से बर्बाद हो गए हैं। मकान, फसले, पशु, ट्रैक्टर सब खत्म हो गए किसानों के केंद्र सरकार को तत्काल सभी किसानों के कर्ज माफ करने चाहिए और पीड़ित किसानों को मुआवजा दिया। पंचायत में सैकड़ो की संख्या में भारतीय किसान यूनियन चौधरी के पदाधिकारी ने इस्तीफा देकर भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता ग्रहण की। जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अखिल सिद्दीकी ने अपने पद से इस्तीफा दिया। भारतीय किसान भानू में महिला मोर्चा का राष्ट्रीय सचिव बनाने की घोषणा की गई। इस मौके पर पंचायत की अध्यक्षता जिला महासचिव मक्खन सिंह चौहान ने की संचालन रिसालत अहमद ने किया। रिसालत अहमद ने किया वक्ताओं में मुराद खान, आसिफ अहमद, लक्ष्मी देवी, अफसाना, पुष्पिंदर, मुन्ना मियां, रियासत, मोहम्मद अहमद, मसूदन, नौबत राम, सोनू, रामलाल, रफीक अहमद, बशीर अहमद, आदि शामिल रहे। पंचायत के बाद ही निर्णय लिया गया की 24 तारीख की होने वाली पंचायत अब 23 तारीख को होगी अंबेडकर पार्क रामपुर में जनपद रामपुर के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी समय से पहुंचे।

राष्ट्रीय एकता विराट दंगल में पहलवानों ने दिखाए जोर

■ हजारों की तादाद में कुश्तियां देखने को लोगो की उमड़ी भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी/रामपुर। भूड़ा मणि स्वर्ग आश्रम पर चल रहे मेले में लगे राष्ट्रीय एकता विराट दंगल में आठवें दिन रविवार को हुई। जोरदार कुश्तियां जिसमें बट्ट न पहलवान की कुश्ती साहिल पहलवान की बराबर रही और रोहित पहलवान हरियाणा को साहिल पहलवान चंदौसी ने पछाड़ कर जीत हासिल की। शास्त्री पहलवान हरिद्वार की कुश्ती सोनू पहलवान बराबर रही और रिजवान गनी फौजी पहलवान की कुश्ती

टाइगर पहलवान गंगानगर बराबर छुटी दंगल में देखने वाले लोगों की बहुत भारी संख्या में देखने को मिली। दंगल में अधिक भीड़ भाड़ होने से लोगों को बैठने के लिए भी जगह न मिल सकी कुश्तियां देखने के शौकीन खड़े खड़े ही देखते रहे। मेले में लगी दुकानों सर्कस झूलों आदि पर भी भीड़-भाड़ बनी रही दंगल में उपस्थित आकाश सक्सेना संजीव सक्सेना दिवाकर शर्मा गौरव भटनागर टिंकू यादव आदि मौजूद रहे।

रामपुर से उमराह करने के लिए मक्का मदीना जत्था रवाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। गंज थाना क्षेत्र के पहाड़ी गेट निवासी एक छोटे से गांव से गुजर बशर करके गरीबी को मात देते हुए काटी जिंदगी को अल्लाह ने एक नेक राह दिखाते हुए सुनहरा मौका और राह दिखाई है। बताया जा रहा है कि लकड़ी कारोबारी बबलू खान छोटे से लकड़ी के कारोबार से चलकर अपनी पत्नी को और दो बेटियों के साथ लेकर उमराह करने के लिए रामपुर के पहाड़ी से बीते दिन सोमवार की तड़के दिल्ली को अपने काफिले के साथ रवाना हो गए। जिसके चलते बीती सोमवार की रात्रि को दिल्ली हवाई अड्डे से सउदी अरब तक छह घंटे का सफर तय करके मोहम्मद के शहर में दाखिल होंगे। दोनों दंपत्ति ने सभी से दुआओं की अपील की है। साथ ही अपने सभी सगे संबंधियों को उनके मुस्तकबिल की दुआओं से नवाजा। जिसके लेकर सभी ने नाम आंखों से रुखसत किया। इस दौरान तमाम परिजनों साहित सगे संबंधी मौजूद रहे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक /रामपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय लोहा (कम्पोजिट) में हिंदी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया।

हिदी दिवस के पवित्र अवसर पर शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा प्रथम से अष्टम के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छ विद्यालय, सुलेख, स्लोगन, कविता पाठ, निबंध, चित्रकला तथा भाषण प्रतिगोगिता का आयोजन आनन्दमयी वातावरण में किया गया। विद्यालय में उपस्थित समीना खातून, उर्वशी सिंह, रितु शर्मा, सोनिका त्यागी, विभा सिंगल, अभय सिंह , अभिनव सक्सेना सुमित गंगवार आदि शिक्षकों

ने प्रतियोगिताएं सम्पन्न कराने में पूर्ण निष्ठा के साथ सहयोग किया।

प्रतियोगिताओं में सफल रहे छात्र- छात्राओं के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक होमेन्द्र देव द्वारा पुरस्कार वितरण किए गए तथा जलपान कराया गया। समस्त शिक्षकों और छात्र- छात्राओं ने विद्यालय के वातावरण को स्वच्छ बनाये रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

चौकी पुलिस ने दस लीटर कच्ची शराब के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। चौकी पुलिस ने खानपुर उत्तरी मार्ग से कच्ची शराब ले जा रहे एक युवक को गिरफ्तार कर लिया उसके पास से 10 लीटर शराब बरामद हुई है पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की है। पुलिस चौकी के उप निरीक्षक अंकित कुमार ने दलबल के साथ बिजारखाता से खानपुर उतारी जा रहे मार्ग पर गस्त कर रहे थे।

इसी दौरान एक युवक हाथ में केन लिए हुए जा रहा था रोकने पर उसकी तलाशी ली गई और केन की जांच की गई तो उसमें 10 लीटर कच्ची शराब पाई गई पूछताछ में उसने अपना नाम कृपाल पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम बिजारखाता बताया है पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत उसे पर चालान कार्रवाई की है।

जहरीला पदार्थ का सेवन करने से युवक की हालत गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक/ रामपुर। घरेलू कलेश में जहरीला पदार्थ का सेवन करने पर एक चलीस वर्षीय युवक की हालत बिगड़ गई। नगर के मोहल्ला अस्सदुल्लापुर निवासी प्रमोद शर्मा पुत्र राम वहादुर(40)ने घरेलू क्लेश जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो आनन-फानन में परिजन प्रमोद शर्मा को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिलक पर लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रामपुर रेफर कर दिया।

भारत पाकिस्तान मैच का शिव सेना ने किया विरोध, फूंका पाकिस्तान का पुतला

पीलीभीत। रविवार को एशिया कप में भारत पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच का शिवस. ना उद्धव ठाकरे ने विरोध किया इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान का पुतला दहन कर जमकर नारेवा. जी की। संगठन के अध्यक्ष शैली शर्मा ने कहा कि पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकी हमलावरों ने हमारे माताओं , बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया, खून बहाया, वो खून अभी सूखा नहीं , ज़ख्म अभी भरा नही फिर भी आगामी पाकिस्तान के साथ भारत क्रिकेट मैच खेलने जा रहा है, जिन पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमारे भाई , बहनों की निर्मम हत्या कर दी,

उन्हीं पाकिस्तानियों के साथ कैसे क्रिकेट खेल सकते हैं हम इसका विरोध करते हैं प्रदर्शन के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बीसीसीआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्यारे लाल प्रजा. पति, कानूनी सलाहकार एडवोकेट आरके शर्मा, सोनू गोस्वामी शिवसेना जिला सचिव, सोनू सिंह तहसील अध्यक्ष कलीनगर, जिला महामंत्री ऋषभ सिंह, प्रेम, ताराचंद, झंडू सिंह, संजीव कोहली, अचल शर्मा, शिबम शर्मा, नितिन गुप्ता, शुधिर कुमार माथुर, अभिलाष गुप्ता, लकी राजपूत, हर्षित गंगवार, राजेश मौर्य आदि शिव सैनिक मौजूद रहे।

मौसमी बीमारियों से बचाव को कराया कीटनाशक छिड़काव

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। विकास खंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत पड़रिया में बीमारी से बचाव के लिए सेनिटाइजर का कार्य कराया गया है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि केंद्र पाल यादव और ग्राम पंचायत अधिकारी सुरेश चंद्र वर्मा के प्रयासों से गांव की सभी गलियों, सड़कों आदि पर सेनिटाइजर का छिड़काव करवाया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि इस बरसात के समय में मौसम में बदलाव के कारण अधिक बीमारियां उत्पन्न होती है इस लिए ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु ग्राम पंचायत में सेनिटाइजर का छिड़काव करवाया जा रहा है। ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु तीसरी बार पंचायत में सेनिटाइजर का छिड़काव करवाया जा रहा है।

कजरी निरंजनपुर में तेंदुए ने बकरी को बनाया निवाला, ग्रामीणों में दहशत

पीलीभीत। थाना सेहरामऊ क्षेत्र के कजरी निरंजनपुर में तेंदुए के हमले से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। शनिवार शाम तेंदुए ने एक बकरी को अपना शिकार बनाया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में तेंदुए के हमले का खौफ बढ़ गया है और वे वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ लगातार क्षेत्र में घूम रहा है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पीलीभीत। राष्ट्रीय हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर प्रधानाचार्य सत्यपाल आर्य के दिशानिर्देशनुसार डॉ.भीमराव अम्बेडकर मिशन पब्लिक स्कूल ललौरीखेड़ा में संगोष्ठी के तत्पश्चात विषय विकसित भारत व संगति के प्रभाव पर उपप्रधानाचार्य गौरव कुमार व सहायक अध्यापक वीर पाल की देख रेख में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 100 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निबंध प्रतियोगिता के तत्पश्चात कापियों का अवलोकन कर परिणाम घोषित किया गया जिसमें कक्षा 8 की अंशिका देवी, कक्षा 7 की दिव्यांशी व दीपांशी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये जिससे अंशिका देवी ने विषय विकसित भारत पर अपने लेख में लिखा—विकसित भारत का सपना हर भारतीय का सपना है ऐसा राष्ट्र जहाँ हर नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अवसर प्राप्त हो। आत्मनिर्भर भारत, हरित तकनीक,सामाजिक समावेशन और सतत आर्थिक विकास इसके प्रमुख आधार हैं। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि यह सपना केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि 2047 तक एक वास्तविकता बन जाए। दिव्यांशी ने लिखा—भारत एक ऐसा देश है, जो अपनी संस्कृति,परंपरा,और विविधता के लिए विश्व में जाना जाता है। लेकिन जब हम इसे एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखते हैं ,तो यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और तकनीकी दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सुधारें। इस दौरान राजपाल, विकास राठौर, प्रदीप, वीरेश कुमार, पंकज कुमार, रूपक राठौर, प्रीति गंगवार, कविता गौर, नज़राना बानो, निर्मल कौर, सृष्टि, खुशबू गंगवार, खुशबू कटियार, ममता राठौर, रेनू गंग. वार, दीक्षा, शिखा आदि रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 195 लोगों ने कराई जांच, लिया परामर्श

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। रोटरी क्लब पूरनपुर ग्रीन एवं बरेली कैंसर चौरिटेबल ट्रस्ट, व माहेश्वरी फाउंडेशन के सौजन्य से पूरनपुर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ डॉ दलजीत कौर जिला पंचायत अध्यक्ष के द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस कैंप में पधारे डॉक्टर आर के चित्तलंगिया, डॉ नितिन अग्रवाल, डॉ संदीप कुमार, डॉ अभिनव, डॉ निशा नरेश, डॉ सैयद तौसीफ

अली एवं उनके सहयोगियों द्वारा 195 मरीजों को परीक्षण कर परामर्श एवं कुछ को निशुल्क दवाइयां व चश्मा भी दिए गए।वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट नितिन अग्रवाल द्वारा पात्र लोगों का ईसीजी भी नि:शुल्क किया गया। रोटरी क्लब अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया, इस अवसर पर अध्यक्ष नीरज गुप्ता, सचिव राजेश रस्तोगी, राजेश खन्ना बृजेश गुप्ता हर्ष गुप्ता डॉ दिनेश गुप्ता फाउंडर प्रेसिडेंट, डॉ प्रशांत गुप्ता ,अनूप गुप्ता , संदीप खंडेलवाल , दीपक बंसल समाजसेवी अशोक खंडेलवाल मधुरिमा गुप्ता मीनाक्षी खन्ना आदि उपस्थित रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादकः

एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक

आनन्द बत्रा 'सुमन'

☎0581-2562222 (बरेली)

मुख्यालयः

मोबाइल-9720007290

R.N.I. No UPHIN/2003/11165

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मीनाक्षी-जैस्मीन ने मुक्केबाज में जीते स्वर्ण पदक

लिवरपूल, वार्ता। जैस्मीन (57 किग्रा) और मीनाक्षी (48 किग्रा) ने लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीत लिए। जैस्मीन ने पोलैंड की स्ज़ेरमेटा जूलिया (पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता) को 4:1 से हराकर स्वर्ण जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह वाली पहली भारतीय बन गईं। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कजाकिस्तान की नाजिम काइज़बे (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के खिलाफ 4:1 से जीत हासिल की और चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गईं। नुपुर (80 किग्रा) ने रजत पदक जीता जबकि पूजा रानी (80 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ समापन किया।

हांगकांग को हरा सुपर-4 में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

● चरिथ असलंका की अगुवाई में श्रीलंका की टीम पहले मैच में बांग्लादेश को हराकर आत्मविश्वास से भरी हुई है

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं।

जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल मेंडिस और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, और कप्तान असलांका के साथ कामिंदु मेंडिस अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो श्रीलंका के पास दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा ने गति और सटीकता का मिश्रण है। दुबई की पकड़ी पिचों पर वानिंदु हसरंगा की शानदार लेग स्पिन एक सिद्ध मैच-विजेता गेंदबाज बनी हुई है, और प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार, स्पिन आक्रमण में एक और परत जोड़ने के लिए महेश थीक्षाना को लाने पर विचार कर सकता है। हांगकांग की बात की जाये तो अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हार के बाद अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है, लेकिन यासिम मुर्तजा की टीम एक चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। जीशान अली, अंशुमान रथ और बाबर हयात बल्लेबाजी की जिम्मेदारी का भार संभालेंगे, जबकि अतीक इकबाल ने शानदार इकॉनमी से तीन विकेट लेकर गेंद से उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। दुबई की पिच से तेज गेंदबाजो को शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद यह एक भरोसेमंद बल्लेबाजी ट्रैक बन जाएगी। अनुशासन के साथ खेलने वाले स्पिनर बीच के ओवरों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। बाद में ओस की संभावना है। यहां टॉस मैच के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

श्रीलंका की संभावित टीम : पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना और महेश थीक्षाना।

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

पहली जीत दर्ज करने पर होंगी यूएई और ओमान की नजरें

अबु धाबी, वार्ता। एशिया कप के 7वें मैच में यूएई का सामना सोमवार को ओमान से होगा। यूएई को अपने पहले मैच में भारतीय टीम से 9 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसी तरह ओमान को टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 93 रन से बड़ी हार मिली थी। ऐसे में दोनों टीमें पहली जीत की तलाश में होंगी।

ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत रेसलिंग विश्व चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई

● 1.7 किग्रा ओवरवेट होने के कारण निकले अमन सहरावत

नई दिल्ली, वार्ता। पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत जाग्रेब में चल रही वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से डिस्क्वालिफाई हो गए हैं। वे रविवार को मुकाबले से पहले ओवरवेट पाए गए। अमन पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा इवेंट में हिस्सा लेने वाले थे, लेकिन उनका वजन 1.7 किलोग्राम ज्यादा था। अमन से इस चैंपियनशिप में मेडल की उम्मीद थी। उनके पास वजन कम करने के लिए पर्याप्त समय था। वे भारतीय पहलवानों के साथ 25 अगस्त को तैयारी के लिए क्रोएशिया के जाग्रेब पहुंच गए थे। एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है कि अमन अपना वजन कंट्रोल नहीं कर पाए। जब वे वजन मापने के लिए खड़ा हुआ तो उसका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था। यह स्वीकार्य नहीं है। उसका वजन इतना ज्यादा कैसे हो गया, यह हमारी समझ से परे है।

सात्विक-चिराग फाइनल में हारे

हांगकांग, वार्ता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी आज हांगकांग में जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी।

उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाईं और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालांकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की

● पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में हार गए

गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया। भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं।

गैर स्टीड 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश नियुक्त

हैदराबाद, वार्ता। न्यूजीलैंड को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले गैरी स्टीड को 2025-26 घरेलू सत्र के लिए आंध्र प्रदेश की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह टीनू योहानन की जगह लेंगे।

गैरी स्टीड को टीम का कोच बनाए जाने पर आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आंध्र क्रिकेट उनके मार्गदर्शन में एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, और इस सत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने और शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। 53 वर्षीय स्टीड, न्यूजीलैंड के सबसे सफल कोच हैं। उन्होंने तीन वैश्विक सीमित ओवरों के फाइनल (2019 एकदिवसीय विश्व कप, 2021 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी) में टीम को पहुंचाया और भारत में 3-0 से ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत हासिल की है। इससे पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड महिला टीम को 2009 एकदिवसीय विश्व कप और 2010 टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने 2013 से 2017 तक कैंटरबरी को तीन खिताब और न्यूजीलैंड की घरेलू रेड-बॉल प्रतियोगिता प्लंकेट शील्ड के फाइनल में भी कोचिंग दी थी। बतौर खिलाड़ी स्टीड न्यूजीलैंड के लिए पांच टेस्ट मैच खेले और 34-75 की औसत से 278 रन बनाए। उन्होंने 101 प्रथम श्रेणी और 103 लिस्ट ए मैच भी खेले, जहां उन्होंने क्रमशः 4984 और 2173 रन बनाए। आंध्र 2024-25 रणजी ट्रॉफी में सात मैचों में से केवल एक जीत के साथ अपने ग्रुप में छठे स्थान पर रहा था।

संक्षिप्त खेल समाचार

हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी श्रीलंका

दुबई, वार्ता। श्रीलंका एशिया कप 2025 के आठवें मैच में हांगकांग को हराकर सुपर फोर में पहुंचना चाहेगी। वही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हांगकांग सम्मान के साथ विदाई के लिए संघर्ष करेगी। चारिथ असलांका की अगुवाई श्रीलंका की टीम अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। उनकी बल्लेबाजी में टीम के रूप में लय में दिख रही है। 34 गेंदों पर 50 रनों की सहज पारी खेलने वाले पथुम निसांका एक अलग ही स्तर पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ कामिल मिशारा की नाबाद 46 रनों की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक संयम दिखाया। कुसल और कुसल परेरा शीर्ष क्रम में स्थिरता प्रदान करते हैं, व कप्तान असलांका के साथ कामिंदु अंतिम ओवरों में मजबूती प्रदान करते हैं।

रयान क्राउसर की गोला फेंक में खिताबी हैट्रिक

टोक्यो, वार्ता। संयुक्त राज्य अमेरिका के रयान क्राउसर ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोला फेंक में 22.34 मीटर की थ्रो के साथ लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक और तीन बार के ओलंपिक चैंपियन ने मेक्सिको के उज़एिल मुनोज को 37 सेंटीमीटर से पीछे छोड़ा। मुनोज ने 21.97 मीटर के साथ रजत पदक जीता और इटली के लियोनार्डो फैब्री ने 21.94 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भी जीत हासिल करने के बाद पहले दिन दो स्वर्ण पदकों के साथ समापन किया। सुबह के सत्र में, स्पेन की पेरेज ने 35 किमी रेस वॉक में अपना खिताब बरकरार रखा, जबकि कनाडा के इवान ने पुरुषों की स्पर्धा में अपना पहला विश्व खिताब जीतने के लिए देर से बढ़त हासिल की।

सौरव गांगुली-हरभजन सिंह सहित कई खिलाड़ी वार्षिक आम बैठक में शामिल होंगे

● हरभजन वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली, वार्ता। सौरव गांगुली (सीएबी), जयदेव शाह (सौराष्ट्र), अरुण सिंह धूमल (एचपीसीए) और राजीव शुक्ला (यूपीसीए) जैसे नियमित नामों के अलावा, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भाग लेने वाले अधिकांश अन्य सदस्य भी आम तौर पर संदिग्ध होते हैं।

हरभजन सिंह, निश्चित रूप से, आम सभा की बैठक के लिए राज्य प्रतिनिधियों की विशिष्ट सूची में एक अलग नाम के रूप में उभरे हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, वह वार्षिक आम बैठक में पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे बीसीसीआई के शीर्ष पद के लिए उनके संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। 103 टेस्ट मैच खेल चुके पूर्व भारतीय स्पिनर ने अपनी योजनाओं के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनका नामांकन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उनकी नजदीकी से जुड़ा है और इसके ज्यादा मायने नहीं निकाले जा सकते। लेकिन यह संभावना नहीं है कि यह मामला सिर्फ़ पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ उनकी दोस्ती तक ही सीमित रहेगा। यह तय है कि इसमें और भी कुछ है।

हरभजन और उनके पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली के अलावा, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय खेल का अनुभव रखने वाले अन्य प्रतिनिधियों में जयदेव शाह, रघुराम भट्ट (कर्नाटक) और मिथुन मिन्हास (जेकेसीए) शामिल हैं। पूर्व बीसीसीआई दिग्गज और दिल्ली क्रिकेट के कद्दावर नेता दिवंगत अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को दिल्ली ज़िला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने नामित किया है। उन्हें बीसीसीआई में एक प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) का प्रतिनिधित्व करेंगे। संबंधित राज्य संघों द्वारा नामांकित होना महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल वही प्रतिनिधि 28 सितम्बर को होने वाले चुनाव में भाग ले सकते हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे और यह लगभग तय है कि सचिव देवजीत सैकिया (असम), कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया (छत्तीसगढ़) और संयुक्त सचिव रोहन देस्सा (गोवा) अपने पदों पर बने रहेंगे।

मेघरा ने एयर राइफल में जीता कांस्य

● फाइनल में मेघना सज्जनार ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता

निंगबो, वार्ता। एक ऐसे फाइनल में जहां चीन की नई सनसनी पेंग शिनलु ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, भारत की मेघना सज्जनार ने आठ साल बाद अपना पहला विश्व फाइनल खेलते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता।

यह उनका पहला वर्ल्ड कप पदक है। इस पदक की मदद से भारत ने निंगबो, चीन में आयोजित सीजन-एंड्गि इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल को एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर समाप्त किया। फाइनल में मेघना ने 230-0 का स्कोर किया जबकि नॉर्वे की दिग्गज जेनेट हेग डुएस्टाड ने रजत जीता और पेंग ने 255-3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। यह स्कोर उनकी साथी वांग ज़ीफेई के पूर्व विश्व रिकॉर्ड 254-8 से बेहतर था। ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को निंगबो वर्ल्ड कप का पहला पदक दिलाया था। घरेलू रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के खिलाड़ियों से बनी भारतीय टीम ने विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में सराहनीय प्रदर्शन किया। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कुल 10 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला हुआ। रविवार सुबह दूसरे क्वालिफिकेशन राउंड में शूटिंग करते हुए मेघना ने 632-7 का मजबूत स्कोर बनाकर सातवां स्थान हासिल किया। पेंग 637-4 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष पर रही। चीन की खिलाड़ी ने फाइनल की 24 शॉट्स की सीरीज की शुरुआत ही परफेक्ट 10-9 के साथ की। पहले पांच शॉट्स की सीरीज के बाद मेघना आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे पीछे थीं। दूसरी सीरीज में 52-3 के स्कोर ने उन्हें छठे स्थान पर पहुंचा दिया। अगले 10 शॉट्स में उन्होंने 10-2 से कम स्कोर नहीं किया, जिसमें 12वें शॉट में एक अहम 10-9 भी शामिल था। इस तरह लगभग एक दशक की मेहनत के बाद उन्होंने इस स्तर पर पहला पदक पक्का कर लिया। 19वें शॉट से पहले व्यक्तिगत न्यूट्रल एथलीट मारिया वासिलेवा उनसे सिर्फ 0-3 अंक आगे थीं। लेकिन मेघना के लगातार दो 10-4 स्कोर ने मारिया की उम्मीदों को खत्म कर दिया। भारत ने दिन का दूसरा फाइनल भी हासिल किया, जो निंगबो में चौथा फाइनल था। किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालिफिकेशन राउंड में 590 का स्कोर कर चौथा स्थान प्राप्त किया। हालांकि फाइनल में पहले नीलिंग (घुटने) और फिर प्रोन पोजीशन (लेटकर) में खराब शुरुआत के कारण वे आठवें स्थान पर रहे।

सुमित के दम पर भारत ने स्विट्जरलैंड को हराया

● 32 साल में पहली बार किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत

बील, वार्ता। भारतीय पुरुष टेनिस टीम ने डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप आई मुक. ाबले में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर बील में इतिहास रच दिया। यह 32 वर्षों में किसी यूरोपीय देश के खिलाफ भारत की पहली डेविस कप जीत थी, आखिरी बार 1993 में फ्रांस के खिलाफ आई थी। सुमित नागल ने निर्णायक उलट एकल मुकाबले में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट पर 6-1, 6-3 से शानदार जीत के साथ जीत सुनिश्चित की। डेविस कप स्टैंड्गि में 37वें स्थान पर काबिज भारत ने नौवीं वरीयता प्राप्त स्विट्जरलैंड (24वें स्थान) को हराकर 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में जगह बनाई। पहले दिन भारत ने स्विस टेनिस एरेना में मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया था। डेविस कप में पदार्पण करते हुए दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती एकल मुक. ाबले में घरेलू पसंदीदा जेरोम किम को 7-6(4), 6-3 से हराया। 626वीं रैंकिंग के सुरेश ने उल्लेखनीय धैर्य दिखाया और सीधे सेटों में मैच जीतने से पहले कई ब्रेक प्वाइंट बचाए। बाद में, भारत के अगुआ सुमित नागल ने दो बार के ओलंपियन मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6(4) से हराया। नागल ने पहले सेट में दो बार ह्यूस्लर की सर्विस तोड़ी और दूसरे सेट के टाईब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा, जिससे भारत को पहले दिन के बाद 2-0 की बढ़त मिल गई। जैकब पॉल और हेनरी बर्नेट की स्विस जोड़ी ने वापसी करते हुए एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोल्लीपल्ली को युगल मुकाबले में हराया। पहले उलट एकल में 18 वर्षीय बर्नेट का सामना करते हुए, भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल ने शुरुआत में ही ब्रेक लिया और बेसलाइन से दबदबा बनाया। यह जीत 1993 के बाद से किसी यूरोपीय देश पर भारत की पहली डेविस कप जीत है, एक ऐसा परिणाम जो टीम के लचीलेपन और गहराई को दर्शाता है।

यह 2019 में शुरू किए गए नए डेविस कप प्रारूप के तहत भारत की पहली विदेशी सफलता भी है। यह जीत भारत की 2026 विश्व ग्रुप क्वालीफायर के पहले दौर में प्रगति सुनिश्चित करती है, जबकि स्विट्जरलैंड को 2026 विश्व ग्रुप ᳚ प्ले-ऑफ में भाग लेना होगा। तीन बार का डेविस कप उपविजेता (1966, 1974, 1987) भारत अब प्रतियोगिता के एलीट चरणों में वापसी की अपनी खोज में इस गति को बनाए रखने की कोशिश करेगा।

केन्या की चेबेट ने विश्व एथलेटिक्स में 10000 मी. दोड़ में जीता पहला खिताब

● दौड़ में बीट्राइस चेबेट के साथ हमवतन एग्नेस चेबेट एथियोपिया की गुडाफ और फोटियन व इटली की नादिया भी थी

टोक्यो, वार्ता। केन्या की बीट्राइस चेबेट ने यहां 2025 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 30 मिनट 37:61 सेकंड में अपना पहला विश्व खिताब जीता। 25 वर्षीय विश्व रिकॉर्ड धारक चेबेट ने 4,000 मीटर स्प्लिट के बाद बढ़त बना ली, उनके साथ हमवतन एग्नेस जेबेट नेगेटिच, इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे और फोटियन टेस्फे, और इटली की नादिया बट्टोक्लेट्टी भी थीं। हालांकि गत चैंपियन त्सेगे 9,200 मीटर स्प्लिट के बाद आगे निकल गईं, लेकिन दो बार की ओलंपिक चैंपियन चेबेट ने निर्णायक अंतिम दौड़ में 30 मिनट और 37:61 सेकंड में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता बैटोक्लेट्टी 30:38:23 सेकंड में दूसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने एक नया इतालवी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। त्सेगे 30:39:65 सेकंड में तीसरे स्थान पर रहीं, जो इथियोपियाई खिलाड़ी का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। चेबेट ने कहा कि यह एक कठिन, बहुत ही रणनीतिक दौड़ थी, लेकिन मैंने आखिरी 800 मीटर बहुत मेहनत से दौड़ा। त्सेगे ने बहुत ज़ोर लगाया और मुझे लगातार दौड़ते रहना था। मैं उस स्वर्ण पदक को बहुत चाहती थी। मैंने विश्व चैंपियनशिप में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था, इसलिए मुझे यकीन था कि मुझे इसे हासिल करना ही होगा। दौड़ के दौरान यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। शायद, लॉस एंजे. लिस (2028 ओलंपिक) के बाद, मैं मैराथन में भाग लूंगी। लेकिन अभी के लिए, मैं ट्रैक पर ही रहूंगी।

सम्पादकीय

सोमवार, 15 सितम्बर 2025

मणिपुर को सौगात

मणिपुर में 2023 में हिंसा भड़कने के बाद पहली बार पीएम मोदी मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचे। वहां उन्होंने जहां कुकी बाहुल चूड़ा चांदपुर जिले में जनसभा को संबोधित किया, वहीं इम्फाल में 1200 करोड़ की 17 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की, वहीं साथ ही कहा कि यहां के लोग विकास को प्राथमिकता देते हैं और राज्य में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनका कहना था कि कहीं भी विकास के लिए शांति जरूरत है। पिछले 11 सालों में पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझ गए हैं, लोगों ने शांति का रास्ता चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। शांति प्रयासों से लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो प्रयास किए हैं वह राज्य में साफ दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने हाल ही में पहाड़ी और घाटी में विभिन्न समझौतों के साथ समूहों में बातचीत को प्राथमिकता दी। जहां तक बात विपक्ष की है, विशेष रूप से कांग्रेस पीएम मोदी की मणिपुर की यात्रा को इस समय गैर जरूरी बता रही है। उसकी नजर में अब मणिपुर जाने का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने साफ कहा है कि पीएम मणिपुर जाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। उनका मकसद लोगों के दुख में शामिल होना नहीं बल्कि बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन करना मकसद है ताकि उनको प्रचार मिल सके। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हालांकि उनकी मणिपुर की यात्रा का स्वागत किया, लेकिन यह बेहद देर से उठाया गया कदम भी बताया। उनका कहना था कि पीएम मोदी को बहुत पहले यहां आना चाहिए था। वैसे विपक्ष के तमाम नेता समय-समय पर पीएम मोदी से वहां का दौरा करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन वह तमाम मांगों को अनसुना कर मणिपुर नहीं गए।

जैसाकि खड़गे ने कहा कि जब से मणिपुर में हिंसा हुई है तब से पीएम मोदी दर्जनों विदेश यात्रा कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने मणिपुर की कभी सुध नहीं ली। विपक्ष का यह आरोप अतार्किक भी नहीं कहा जा सकता। पीएम होने के नाते मोदी को वहां बहुत पहले जाना चाहिए था। निश्चित रूप से मणिपुर के दंगे बेहद सिरहन पैदा करने वाले हैं, क्योंकि कुकी और मेतेई समुदाय के बीच जिस तरह की दुश्मनी देखने मे आई, वह राज्य व देश के लिए बेहद खतरनाक है और वर्तमान में भी हम देख रहे हैं कि वहां हिंसा में कमी आई है। मेतेई और कुकी नेता आपस में बातचीत भी कर रहे हैं, लेकिन अभी पूरी तरह शांति नहीं कही जा सकती। निसंदेह महिलाओं के साथ जिस तरह दुराचार की खबरें आई हैं, उसने पूरे देश को ही एक तरह से हिलाकर रख दिया। बात यहीं खत्म नहीं होती, मणिपुर को लेकर पीएम मोदी ने कोई बड़ा बयान दिया हो ऐसा भी याद नहीं आता, लेकिन देर से ही सही, अगर पीएम मोदी इस समय मणिपुर गए हैं, तो उसका भी स्वागत किया जाना चाहिए और जिन बड़ी परियोजनाओं की उन्होंने घोषणा की है वह भी राज्य के लिए बड़ी बात है। हर चीज को राजनीति के चश्मे से देखना ठीक नहीं है। विपक्ष को भी समझना होगा कि अगर पीएम मोदी मणिपुर को बड़ा पैकेज दे रहे हैं, तो इससे राज्य के लोगों का ही भला होगा।

पीडीए के कारण नेपाल में हो गया तख्तापलट

भाजपा सरकार में लगातार पीडीए का अपमान और उपेक्षा हो रही है, पीडीए के कारण ही नेपाल में आग लगी और तख्तापलट हो गया। इसे ध्यान में रखना चाहिए, भाजपा ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है विधानसभा चुनाव में भाजपा को हटाना ही लोकतंत्र और जनता के हित में है, पीडीए एकजुट हो रहा है, सपा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया की विचारधारा और नेताजी के संघर्ष के रास्ते पर चलकर गैरबराबरी, आर्थिक और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, भाजपा सरकार में आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ती जा रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर पीडीए की उपेक्षा हुई है, पीडीए को हिस्सेदारी नहीं मिली। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

क्यों कूटा गया नेपाल में भारतीय मीडिया

पवन सिंह

प्यार तो होना ही था। प्यार तो होना ही था। बेशक गाने की ये लाइनें फिल्मी हैं लेकिन कभी यह गाना भारतीय मीडिया के संदर्भ में खांचे में फिट होता था। अखबारों में छपी खबर को जनता इस हद तक सच मानती थी और विश्वास करती थी जितना कि सुबह फिर से सूरज उगेगा का सच। भारतीय मीडिया के लिए वह प्यार व सम्मान हम जैसों ने देखा है। 1980 के दशक के हमारे जर्नलिज्म के जो साथी हैं और हम लोगों के दौर से पहले के जो वरिष्ठ पत्रकार जीवित हैं, जर्नलिज्म से जुड़ी इस पीढ़ी को जाकर उनसे पूछना चाहिए कि ऐसा क्या हुआ कि सब बदल गया।

अब प्यार तो होना ही था गाने को अगर बदल दें तो यह ऐसे गाया जाएगा पिटना ही था। पिटना ही था। ये आखिर हुआ क्यों? भारतीय पत्रकार थपड़ियाए क्यों गए। बेहतर होता अगर इसकी पड़ताल और समीक्षा की जाती। घटना पर भारतीय पत्रकारों का गुस्सा बेशक जायज है, लेकिन सवाल फिर वहीं आकर खड़ा होता है कि आखिरकार भारतीय मीडियाकर्मियों को नेपाली जनता ने थपड़ियाया क्यों? अकारण और बेवजह ऐसी घटना का होना स्वाभाविक नहीं है?

नेपाल में मेरा काफी दिन रहना हुआ। उस दौरान मैं दैनिक हिन्दुस्तान में संवाददाता था। फैलोशिप पर मारीशस अध्ययन के बाद भारत लौटा तो नेपाल जाने का मौका मिला। यहां मुझे पर्यटन अध्ययन संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से भेजा गया था। वर्ष, 2000 में पर्यटन अध्ययन संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए पुस्तक लिखी। चूंकि आने-जाने और अध्ययन का खर्चा लखनऊ विश्वविद्यालय से ही दिया गया था लिहाजा विश्वविद्यालय ने ही किताब प्रकाशित करवाई। नेपाल को जितना मैं समझ पाया में वह लगातार भारत से दूर हुआ है। भारत से लगी नेपाली सीमाओं में रह रहा मधेशी जितना भारत के करीब है, उतना ही नेपाली राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाला पहाड़ क्षेत्र का नेपाली भारत को पसंद नहीं करता है। इस वर्ग में ताकतवर नेपाली ब्राह्मण व क्षत्रिय लॉबी है। यह ठीक वैसे ही है जैसे पाकिस्तान की सत्ता व सेना में केवल पंजाबियों का जबरदस्त वर्चस्व है और शेष हाशिए पर हैं।

मूल विषय यह है भारतीय मीडिया पिटा क्यों? भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंड़े अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

आप कौन होते हैं दूसरे देश में जाकर, वहीं की जनता के बिहाफ पर यह कहने वाले कि किस देश को किस तरह का प्रधानमंत्री चाहिए? आप किसी दूसरे देश कि राजनीति की दिशा तय करने वाले कौन होते हैं? कौन सा देश हिन्दू राष्ट्र बनेगा या मुस्लिम या इसाई देश। आप कौन होते हैं? उस देश की जनता और उस देश के राजनीतिक नेतृत्व को तय करने दीजिए। आप खामखां कौन? और जब आप जबरिया किसी देश के आंतरिक मामलों में घुसेंगे तो पिटेंगे और वही हुआ। आप पिटे भी। नमस्ते ड्रंप और अबकी बार ट्रंप सरकार टाइप्स की हरकतें जब करेंगे तो रिश्ते दरकेंगे। क्योंकि यह सीधे-सीधे किसी भी संप्रभु राष्ट्र राजनीति में हस्तक्षेप का मामला बनता है। साहेब को लगा कि ट्रंप दोबारा आएगा लेकिन आए जो. बाइडेन अब मामला गले में फंसी हड्डी जैसा हो गया। उधर साहेब पहुंचे अमेरिका, अमेरिकी मीडिया ने छापा कि साहेब अपने पुराने दोस्त से जरूर मिलेंगे और ट्रंप ने भी बयान जारी किया कि उनका दोस्त मिलने आएगा, लेकिन दोस्त गायब हो गया। अमेरिकी मीडिया में ट्रंप का जबरदस्त मजाक बना। लेकिन घूमकर ट्रंप फिर आ गया और इस बार आप देख ही रहे हैं। रिश्ते दरक गए और आज जग-हंसाई अलग से हो रही है। भारतीय मीडिया का मजाक और उस पर मीम्स अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में जाए हुए हैं, क्योंकि आपने कलम को लिपिस्टिक बना लिया है और पत्रकारिता को कोठा, जहां पत्रकारिता आज मुजरा कर रही है। नेपाल में भारतीय मीडिया रिपोर्टिंग करने नहीं एजेंडा सेट करने गया था और जब आप पत्रकारिता से इतर एजेंडा सेट करने दूसरे देश में जाएंगे तो पिटेंगे ही और आप ठीक-ठाक बेइज्जत हुए और थपड़ियाए भी गए।

आइए समझते हैं नेपाल की नाराजगी- नेपाली अब यह मानने लगा कि भारत उसका शोषण करता है। भारत अकारण नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप करता है। एक नेपाली पत्रकार साथी बताते हैं कि 26 मई, 2006 को बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने नेपाल के संदर्भ में टिप्पणी की कि नेपाल की मूल पहचान एक हिंदू राष्ट्र की है और इसे मिटने नहीं देना चाहिए और बीजेपी को इससे प्रसन्नता नहीं होगी कि नेपाल अपनी मूल पहचान माओवादियों के दबाव में खो दे। यहीं से माओवादियों और चीन प्रभावित नेपाली लॉबी खुलकर चीन की ओर आ गई। नेपालियों ने माना कि यह सीधा-सीधा हस्तक्षेप है।

भारतीय मीडिया इसलिए पिटा क्योंकि जैसे भारत में यह चैनलीय रिपोर्टर सत्ता को खुश करने के हथकंड़े अपनाते हैं, इन्होंने यही हरकत काठमांडू में करने की कोशिश की। वहां भी हिन्दू राष्ट्र और मोदी जैसा पीएम चाहिए की लंतरानी लेकर नैरेटिव सेट करने लग गए। कुछ नेपाली नागरिक पकड़े, बताते हैं उनको पैसे दिए और कहा कि बाइट दे दें कि नेपाल में भी चाहिए मोदी जैसा पीएम। चूंकि नेपाल के ऊपरी क्षेत्र में पहले से ही भारत विरोधी माहौल चल रहा है, यह दांव दूसरे देश में उल्टा पड़ गया और लाइन लगा कर भारतीय पत्रकार कूटे गए। यह अपनी करनी से कूटे गए। विशुद्ध पत्रकारिता कर रहे होते तो न कुटते जैसे अन्य देश के मीडियाकर्मी रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन विदेशी धरती पर भी जब चरण चूरन फांकने लगे तो नेपाली जनता ने भी चरणरज का प्रसाद वितरित किया।

इसके बाद रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल, पीएम ओली से मिले और भारत के सेना प्रमुख जनरल नरवणे ओली से मिलने पहुंच गए। फिर विदेश सचिव आए। इसके तुरंत बाद बीजेपी के विदेशी मामलों के प्रभारी विजय चौथाई भी ओली से मिले। ये सारी मुलाकातें गोपनीय हुईं लेकिन नेपाली मीडिया खबरें करता रहा। जनता को आधिकारिक रूप से कोई भी जानकारी नहीं दी गई। अचानक पीएम ओली ने संसद को भंग कर दिया जबकि ओली के पास बहुमत भी नहीं था। नेपाली मीडिया और राजनीतिक दलों ने यह कह कर तूल दिया कि भारत नेपाल में अस्थिरता फैलाना चाहता है। ओली यह सब भारत की शह पर कर रहे हैं। समय बीता और वर्ष, 2015 में भारत के विदेश सचिव एस जयशंकर नेपाली नेतृत्व के सामने अजीब से कड़े तेवर में नजर आए। यह नेपाल की राजनीतिक पार्टियों को बुरा लगा और यह सब तब हो रहा था जब नेपाल इतिहास में पहली बार लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अपना संविधान लागू कर रहा था। हां नया संविधान था और इस बात की संभावनाएं थीं कि इसमें कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन समय के साथ यह संवैधानिक कमियां दूर हो जातीं। भारत की मधेसियों को लेकर जो चिंता थी वह सही थी लेकिन कोई दूसरा देश, किसी दूसरे संप्रभु देश को यह कैसे कह सकता है कि संविधान को लागू करने से रोक दीजिए। एस जयशंकर के इसी रवैये के बाद नेपाल के सभी राजनीतिक दल एक हुए और भारत के दबाव को दरकिनार कर संविधान को लेकर आम सहमति बनाई। नाराज भारत ने नाकेबंदी कर दी और इससे नेपाल में मानवीय संकट खड़ा हो गया और यही वह भारत विरोधी माहौल था जब चीन ने सीधे-सीधे इसे अपने पक्ष में किया। नेपाल के लोग आज भी उस नाकेबंदी को याद करते हैं जब वर्ष 2015 में नेपाल को पूरी तरह से तोड़ दिया गया था। पेट्रोल व डीजल की मीलों लंबी लाइनें थीं। नमक के पैकेट तक की मारा-मारी थी। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था। रसोईयों के चूल्हे बंद हो चुके थे, क्योंकि गैस सप्लाई तक बंद थी। यहीं से नेपाल ने उस रास्ते को तलाशना शुरू कर दिया कि चीन से ट्रांजिट रूट को कैसे मजबूत हो। बस सब कुछ पलटता चला गया। नेपाल के एक पत्रकार साथी कहते हैं कि भारत के लद्दाख और अरुणाचल में सेना घुसी हुई है, भारत को पहले अपने आंतरिक मामले देखने चाहिए, नेपाल में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मातृभाषा का राष्ट्र भ्रमण

व्यंग्य

हिन्दी सप्ताह पर मौलिक प्रस्तुति

अज़ीम राजा

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई।

स्टेशन पर लगी दो फुट की तख्ती पर मोटा-मोटा लिखा देख हिन्दी खुश हो गई। उसके दिल में देशवासियों के प्रति ममता हिलौरे लेने लगी। प्रेम के वशीभूत हिन्दी इधर-उधर नजरें घुमाने लगी। आनन्द आ रहा था, अपनी सन्तान को देखकर। प्लेटफार्म के एक कोने पर दिखा। एक कागज बोतल चुगने वाला बालक कोट-पैंट धारी थुलथुले साहब की आधी पीकर फेंकी हुई फ्रूटी पी रहा था।

हिन्दी माता खुश हो गई। दिल से निकला वाह क्या भाईचारा है। मेरी संतान मिल बांटकर खाती-पीती है। बालक फ्रूटी पीकर खड़ा हुआ तो एक सज्जन से टकरा गया। सज्जन को गुस्सा आ गया और बोला हराम खोर देखकर नहीं चल सकता, कपड़े खराब कर दिए और बालक को थप्पड़ जड़ दिया। हिन्दी एक दम सकते में आ गई। फिर दिल को दिलासा दिया कि एकाध संतान तो चलो बिगड़ भी जाती है। पर हिन्दी का मन अब स्टेशन पर नहीं लगा वह बाहर आ गई। चलते-चलते एक कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। वहां कोई पुरस्कार वितरण कार्यक्रम चल रहा था। मंच की पीछे की दीवार पर एक बड़ा सा बैनर लगा था। जिस पर लिखा था जिला स्तर पर हिन्दी सेवियों का सम्मान। हिन्दी माता के चेहरे की मुस्कान बढ़ गई। चुपके से जाकर दूसरी पंक्ति में खाली पड़ी एक कुर्सी पर बैठ गई। मंच पर संचालक ने माइक से बोलना शुरू किया। Ladies and gentlemen our next prise goes to mr RED MOON

देखिए इनका नाम तो लालचंद है, लेकिन नए दौर को देखते हुए इन्होंने अपना नाम अंग्रेजी में ट्रांसलेट करके रेडमून कर लिया है। इनकी उपलब्धियों में डाकू चमेली फिल्म का गाना अपने होठों की खिला दे रसमलाई जैसे हिन्दी गीत हैं। संचालक आगे भी कुछ-कुछ बोलता जा रहा था, लेकिन हिन्दी के कानों से सिर्फ इतना ही सुनकर खून बहने लगा। आगे सुनने की शक्ति समाप्त होने लगी। उबकाई आने लगी तो समारोह छोड़कर बाहर आ गई और लम्बे-लम्बे सांस भरने लगी। सड़क पर एक चाय की दुकान पर रखे टीवी में एक नेताजी का इंटरव्यू चल रहा था। नेताजी कह रहे थे हम चाहते हैं कि स्कूलों में केवल हिन्दी ही पढ़ाई जाए। विदेशी फिल्में पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी जाएं। अगर हम सत्ता में आते हैं तो हम इसको पूरे देश में लागू कराएंगे। हिन्दी ने सोचा चलो कोई तो है स्वभाषा प्रेमी। जो भी हो नेताओं में अभी हिन्दी प्रेम सबसे ज्यादा है।

हिन्दी ने निश्चय किया कि अपनी इस संतान से भेंट करने संसद जाना चाहिए। अगली सुबह की गाड़ी पकड़कर हिन्दी संसद पहुंच गई और राष्ट्रपिता की तस्वीर को सलामी देकर एक दीवार पर हिन्दी भाषा राजभाषा की तख्ती बनकर लटक गई। संसद की कार्यवाही शुरू हो गई। एक सांसद ने मराठी में मंत्री जी से कोई सवाल किया। हिन्दी मुस्कराई। अपनी छोटी बहन को सुनकर। मंत्री जी दक्षिण से थे। जवाब देने के लिए खड़े हो गए। मन उत्साहित हो उठा। वाह-वाह। अब दूसरी बहन से भी भेंट होगी, लेकिन मंत्री जी ने तो अंग्रेजी में बोलना शुरू कर दिया। हिन्दी की मुस्कराहट कुछ कम हो गई। मंत्री जी जवाब दे ही रहे थे कि एक दूसरे सदस्य खड़े हो गए और बोले मंत्री जी आप अंग्रेजी में जवाब क्यों दे रहे हैं। हिन्दी माता ने सर सम्मान से उठाकर देखा। मंत्री जी बोले फिर कैसे जवाब दूं। टोकने वाले एमपी साहब बोले अजी मलयालम में दीजिए। यह सुनकर सदन में ठहाका गूंजा। हिन्दी को लगा जैसे उसकी छोटी बहन का मजाक उड़ाने के लिए यह बात कही गई है। देखिए आप जानते हैं मुझे यह भाषा नहीं आती मंत्री जी ने जवाब दिया। कुछ सांसदों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। एक ने कहा मंत्री जी बात केवल हिन्दी में कीजिए। मंत्री जी बोले लगता है आपको हिन्दी की बीमारी लग गई है। यह शब्द सुनकर हिन्दी रोने लगी। संसद में हंगामा खड़ा हो गया। एक तरफ से आवाज आई। रास्कल, बास्टर्ड। दूसरी तरफ कोई चीखा। हरामी कुत्ते। पहली बार संसद पहुंचे एक नौजवान सांसद ने एक पुराने नेता से पूछा यह क्या हो रहा है जी?? क्या ये लोग भाषा के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। जवाब मिला नहीं आज हमारा काम करने का मूड नहीं था। इसलिए हंगामा खड़ा किया है। इतने में संसद में जूते-माइक हवा में चलने लगे। एक सनसनाता माइक आया और दीवार पर टंगे हिन्दी भाषा राजभाषा के बोर्ड पर लगा। हिन्दी नीचे गिरकर बेहोश हो गई और कोमा में पहुंच गई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

उत्तराखंडी पकवान, व्यंजन स्वास्थ्य का खजाना

डा. जयंती प्रसाद नौटियाल

उत्तराखंड की संस्कृति भारत की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। उत्तराखंड में ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति तथा खानपान का एक समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन गढ़वाल से निरंतर हो रहे पलायन और आधुनिकता के परिणाम स्वरूप नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को भुलाती जा रही है और आज अपनी मूल संस्कृति से दूर होती जा रही है। यहां तक कि हमारे सामान्य रीति-रिवाज और परम्पराएं भी धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। इसलिए आज आवश्यक का इस बात की है कि हम अपनी इस प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेज कर रखें ताकि आने वाले समय में यह ज्ञान का लुप्त होने से बच जाए। इस प्राचीन ज्ञान को समेटते हुए ज्ञान का एक संचित कोष तैयार करना होगा ताकि हम अपने नई पीढ़ी को बता सकें की हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा और विरासत कितनी समृद्ध थी। यद्यपि यह संतोष का विषय है कि उत्तराखंड के साहित्यिक, सांस्कृतिक विषयों पर काफी कुछ लिखा जा रहा है लेकिन उत्तराखंड कि समृद्ध खान-पान कि परंपरा प्राय: लुप्त होने के कगार पर है। इस लुप्त होती ज्ञान परंपरा को सहेजने की एक श्रंखला के रूप में आज हम आपको उत्तराखंड के खान-पांच संबंधी पकवानों एवं व्यंजनों के बारे में बताने जा रहे हैं। उत्तराखंड के यह पकवान जहां स्वास्थ्य के लिए हितकर हैं वहीं स्वाद से भरपूर हैं। ये व्यंजन हमारे आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप भी हैं। आपने यह देखा होगा की पहाड़ों में जो बुजुर्ग पुरुष या महिलाएं आपको दिखाई देगी वे जीवन के अंतिम समय तक सुंदर एवं कर्मठ रहते रहती हैं। उनके चेहरे पर लालिमा भरी आभा दिखाई देती है वृद्धावस्था में भी वे शक्ति की पुंज दिखाई देते हैं। इस स्वस्थ शरीर के पीछे उत्तराखंड के खान-पान का महत्व सर्वाधिक है साथ ही उत्तराखंड वासियों का प्रदूषण रहित पर्वत श्रंखलाओं में रहना, स्वछ जल और उनके संघर्षमय जीवन को और भी अधिक सक्रिय बना देता है। मैंने देखा है कि उत्तराखंड का भोजन परोसने वाले होटलों में भी बहुत ही सीमित प्रकार के उत्तराखंडी व्यंजन मिलते हैं। यद्यपि उनका यह प्रयास सराहनीय है, लेकिन इन होटेलों में भी केवल प्रचलित किस्म के ही पकवान परोसे जाते हैं। इसका कारण ही यह है कि उत्तराखंड के व्यंजनों के बारे में जन सामान्य की जानकारी बहुत कम होती जा रही है।

जहां तक उत्तरखंडी भोजन का स्वस्थ्य से संबंध है तो इस विषय मे आपको एक सच्ची घटना बताना छहता हूं। उत्तराखंड में उफल्डा नाम की सब्जी होती है। यह छोटी-छोटी पत्तियों की सब्जी होती है। यह भी उत्तराखंड के जंगलों में घास की तरह उगती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट और आंखों के लिए इतनी कारगर होती है कि यदि एक माह इसका सेवन कर लिया जाए तो आंखों की ज्योति इतनी बढ़ जाएगी की आपको कभी जीवन में चश्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके बारे में एक छोटी सी कहानी आपको बताना चाहूंगा एक बार एक अंग्रेज इस उफल्डा की पत्तियों की सब्जी अपने रसोइए से बनवाता था और रोज खाता था उसका खानसामा सब्जी बनाने से पहले जब पत्तियां निकाल लेता था तो उन डंठल अलग रख लेता था और बाद में उन डंठलों की सब्जी अपने लिए बना लेता था।

एक बार वह अंग्रेज के साथ शिकार पर गया अंग्रेज ने बहुत दूर सड़क में पड़े हुए एक मरे हुए हिरण को देखा। सामान्य लोगों उतनी दूर नहीं दिखाई दे सकता है, चूंकि अंग्रेजउफल्डा की सब्जी खाता था इसलिए वह इतनी दूर देख पाया।

इस अंग्रेज में अपने खानसामा से कहा जरा देखो तो सही मुझे काफी दूरी पर एक हिरण मारा हुआ दिख रहा है, क्या तुम्हें भी दिखाई दे रहा है? तब खानसामा (रसोइए) ने कहा वह मरा हुआ तो है ही साथ ही वह सड़ चुका है, क्योंकि उसके ऊपर मक्खियां और कीड़े रेंग रहे हैं। अंग्रेजी या सुनकर आश्चर्यचकित हुआ और इस तथ्य की सच्चाई जानने के लिए उसने कहा चलो वहां चलकर देखते हैं।

जब भी वहां पहुंचे तो देखते हैं की हिरण मरा हुआ है उस से दुर्गंध निकल रही है और छोटे-छोटे कीड़े और मक्खियां उसके ऊपर रेंग रहे हैं। उस अंग्रेज ने खानसामा से कहा कि तुम यह बताओ कि तुम्हारी नजर इतनी तेज कैसे हैं जो मैं नहीं देख पाया वह तुम कैसे देख पाए तब उस रसोइए ने कहा हुजूर जो सब्जी आप खाते हैं मैं उसके डंठल अपने लिए रख लेता हूं और उन डंठलों की सब्जी में खा लेता हूं क्योंकि मुझे मालूम था कि इस सब्जी में आंखों कि ज्योति को बढ़ाने कि क्षमता है। आइए हम आपको ले चलते हैं उत्तराखंड के उन व्यंजनों की ओर जो स्वास्थ्य का खजाना हैं। इनसे प्रौढ़ एवं बुजर्ग उत्तराखंड वासी तो शायद परिचित होंगे परंतु नई पीढ़ी इन व्यंजनो मे से अधिकांश व्यंजनों से परिचित नहीं होगी।

उत्तरखंडी मुख्य भोजन

उत्तराखंड में दाल, रोटी, सब्जी, पराठा, जैसे सामान्य व्यंजन तो खाए ही जाते हैं, साथ ही पंजाबी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, बंगाली पकवान भी उत्तराखंड में प्रचलित हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे विशिष्ट व्यंजन भी होते हैं जो आपको केवल उत्तराखंड में ही खाने को मिलेंगे। इनके बारे में संक्षिप्त जानकारी निम्नवत है-

नाश्ता

उत्तराखंड में नाश्ते में आधुनिक नाश्ते के सभी व्यंजन खाए जाते हैं। उत्तराखंड की विशेषता यह है की यहां के निवासी चाय के साथ परांठा या रोटी भी खा सकते है। चाय की मात्रा गिलास भर कर होती है। आजकल आचार, दही के साथ नाश्ते का प्रचलन है। पारंपरिक रूप में चाय, रोटी, सब्जी, परोठा, आचार और दही के साथ हरी मिर्च या भूट्वा मिर्च प्रचलित है इन आधुनिक पकवानो के अलावा उत्तराखंड में नाश्ते में निम्नलिखित विशिष्ट भोजन बनाए जाते हैं इनकी जानकारी अगले अंक में देंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल हिंसा में मरने वालों को मिलेगा शहीद का दर्जा

अंतरिम पीएम बोलीं: पीड़ितों को 10 लाख का मुआवजा देंगे, मृतकों का आंकड़ा 72 हुआ

■ कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया, नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि जेईएन-आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपये का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है।

कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। कार्की बोलीं, श्मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितम्बर को पीएम पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। जेईएन-प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को इनके घरों को फूंक डाला था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बकिग्रार के किग्रारों जैसे पोखरा में रहना चकिग्राते हैं, ताकि फिर से जेईएन-के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने 9 सितम्बर को प्रधानमंत्री ओली के घर में आग लगा दी थी। वहीं, पीएम बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं। काठमांडू पोस्ट के मुता. बिक, कार्की 15 से ज्यादा मंत्रियों के साथ एक मंत्रिमंडल बना सकती हैं। मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घीसिंग शामिल हैं। साथ ही डा. भगवान कोइराला, डा. संदुक रुइत, डा. जगदीश अग्रवाल और डा. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। जेन- के सदस्य भी इस फैसले में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे ऑनलाइन वोटिंग का सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है। हालांकि इसे सोमवार तक के लिए टाला भी जा सकता है।

नेपाल के प्रमुख दलों को कार्की का नेतृत्व स्वीकार

काठमांडू। नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद राजनीतिक स्थिरता के साथ शांति और सामान्य जनजीवन बहाल होने लगा है। पूरे देश से कर्फ्यू हटा दिया गया है। सोमवार से सभी शिक्षण संस्थान भी खुल जाएंगे। नेपाली कांग्रेस समेत सभी प्रमुख दल कार्की सरकार को स्वीकार करते दिख रहे हैं, पर संसद भंग करने के फैसले का दलों ने कड़ा विरोध किया है। इसे असां. विधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए गंभीर झटका बताया है। नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और लो. कतांत्रिक समाजवादी पार्टी समेत आठ दलों ने साझा बयान में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को भंग करने की आलोचना की है। उन्होंने इसे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के विरुद्ध करार दिया। नेपाली कांग्रेस ने कहा कि इससे लोकतांत्रिक उपलब्धियां खतरे में पड़ जाएंगी। बयान में सभी दलों ने संसद का सत्र तत्काल बुलाने की मांग की है, ताकि लोगों एवं आंदोलनकारी समूहों की मांगों को पूरा किया जा सके।

मुंबई। भारत-पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट मैच के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता अपने सिंदूर लगे हाथ दिखाते हुए।

जापान में एक लाख बुजुर्गों की आयु 100 से अधिक

■ 55वीं बार बनाया रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाला देश बना, बुजुर्ग दिवस आज

टोक्यो। जापान में करीब 1 लाख लोगों ने 100 साल से ज्यादा की उम्र पूरी कर ली है। जापान के स्वास्थ्य मंत्री ताकामारो फुकोका ने शुक्रवार को बताया कि 87784 महिलाओं और 11979 पुरुषों की उम्र 100 साल से ज्यादा है। महिला और पुरुष को मिलाकर कुल 99763 बुजुर्ग 100 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं, जिसमें 88 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह देश की कुल आबादी 12.4 करोड़ का 0.81 प्रतिशत है। जापान ने लगातार 55वें साल यह रिकॉर्ड बनाया है। जापान में 15 सितम्बर को बुजुर्ग दिवस मनाया जाता है। इस दिन जापानी पीएम 100 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को बधाई पत्र और चांदी का गिलास देते है। इस बार 52310 बुजुर्गों को यह सम्मान दिया जाएगा। देश की सबसे बुजुर्ग महिला 114 साल की शिगेको कागावा हैं और सबसे बुजुर्ग पुरुष 111 साल के कियोताका मिजुनो हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो इजरायल पहुंचे

वाशिंगटन/यरूशेलम। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को एक आधिकारिक यात्रा पर इज़रायल पहुंचे। रुबियो की यह यात्रा इजरायल के कतर की राजधानी दोहा में हमास नेताओं पर हवाई हमले के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद हो रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिनं नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार वह और रुबियो रविवार को यरूशलेम में एक साथ वेस्टर्न वॉल का दौरा करेंगे। इजरायल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री के कार्यालय ने दोनों नेताओं के लिए औपचारिक कार्य बैठक के लिए योजना की घोषणा नहीं की। दोनों नेता गाजा में इज़रायल के अभियान के भविष्य पर तथा साथ ही वेस्ट बैंक को पूरी तरह से कब्जे की प्रस्तावित योजना पर भी चर्चा करेंगे।

इक्वाडोर: गोलीबारी में सात लोगों की मौत, तीन घायल

क्विटो। इक्वाडोर के सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास स्थित एक पूल हॉल में गोलीबा. री में कम से कम सात लोग मारे गये और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समाचार पत्र प्रिमिसियास की रिपोर्ट के अनुसार सैनिकों के वेश में एक वाहन में आए हमलावरों ने शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10:30 बजे नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में ग्राहकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। गौरतलब है कि सैंटो डोमिगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत के एक पूल हॉल में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी सामूहिक गोलीबारी थी। पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को इसी तरह के एक हमले में सात लोग मारे गए थे।

इक्वाडोर ने सरकारी मुख्यालय को लाताकुंगा स्थानांतरित किया

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने शनिवार को कार्यकारी शाखा के मुख्यालय को अस्थाई रूप से कोटोपैक्सी प्रांत की राजधानी लाताकुंगा शहर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। नोबोआ ने एक आदेश में कहा कि इस कदम का उद्देश्य लोगों के करीब पहुंचना और ज़मीनी स्तर पर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना है। आदेश में उप राष्ट्रपति मारिया जोस पिटो को अस्थाई रूप से उत्तरी इम्बाबुरा प्रांत के ओटावालो शहर से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।

श्रीलंका में प्रांतीय चुनाव में अभी और देर

परिसीमन रिपोर्ट को संसद से मंजूरी के बाद ही होगी तैयारी

■ चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है
■ श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं

कोलंबो। श्रीलंका के नौ प्रांतों की परिषदों के लंबे समय से टलते आ रहे चुनाव जल्द होने की उम्मीद नहीं हैं। रविवार को श्रीलंका के चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये चुनाव तभी कराए जा सकते हैं, जब संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को अपनाए।

पिछले हफ्ते जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक के दौरान इन चुनावों को जल्द कराने की अपील की गई थी। चुनाव आयोग के महानिदेशक समन रत्नायके ने रविवार को मीडिया से कहा कि जब तक संसद 2018 की परिसीमन रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करती, तब तक चुनाव नहीं कराए जा सकते। उन्होंने कहा कि जैसे ही संसद जरूरी बदलावों को मंजूरी देगी, आयोग चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। चुनाव के लिए बजट में पहले से धन भी सुरक्षित रखा गया है। 2017 में एक नया कानून लाया गया था, जिसमें आनुपातिक प्रतिनिधित्व और फर्स्ट पास्ट द पोस्ट दोनों प्रणाली अपनाई गई। लेकिन उस कानून के तहत परिसीमन समिति की रिपोर्ट को कभी संसद में पेश नहीं किया गया। जब तक इस रिपोर्ट को संसद से मंजूरी नहीं मिलती, तब तक चुनाव नहीं हो सके। श्रीलंका में1988 से अब तक प्रांतीय चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत होते आए हैं। लेकिन अब कई राजनीतिक दल बिना परिसीमन के पुराने तरीके में लौटने की मांग कर रहे हैं।

यूएनएचआरसी की बैठक में भारत ने भी अपना पक्ष दोहराया और कहा कि श्रीलंका को जल्द प्रांतीय चुनाव कराने चाहिए। भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने जिनेवा में कहा, भारत लगातार यह कहता आया है कि श्रीलंका को अपने संविधान को पूरी तरह और प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए और प्रांत की परिषदों के चुनाव जल्द से जल्द कराने चाहिए और राजनीतिक शक्ति का अर्थपूर्ण विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए।

इमरान की गिरफ्तारी का मामला यूएन पहुंचा

मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की

पाक की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कानूनी टीम ने उनकी हिरासत में हो रहे कथित मानवाधिक. ार उल्लंघनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से हस्तक्षेप की मांग की है। टीम ने यूएन के टॉर्चर पर विशेष प्रतिवेदक के समक्ष अपील दाखिल की है।

इसमें दावा किया गया है कि खान को जिस तरह कैद में रखा जा रहा है, वह न केवल अमानवीय है, बल्कि पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन भी है। पाकिस्तान की मीडिया की रिपोर्ट के मुता. बिक, यह अपील पर्सियस स्ट्रैटेजीज ने इमरान खान की ओर से दायर की है। इसमें कहा गया है कि खान के साथ व्यवस्थित तरीके से बुरा व्यवहार किया जा रहा है। अपील में एक पैटर्न का जिक्र है, जिसमें लंबे समय तक एकांत कारावास, चिकित्सा सुविधाओं से वंचित करना, दूषित भोजन देना और वकीलों व परिवार से मिलने पर पाबंदी शामिल है। खान की कानूनी टीम ने कहा कि इन हालातों से पाकिस्तान ने जिस 'कन्वेंशन अगेंस्ट टॉर्चर' (कैट) और 'इंटरनेशनल कॉवेनेंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स' (आईसीसीपीआर) पर हस्ताक्षर किए हैं, उनका उल्लंघन होता है। टीम का कहना है कि यह सीधा-सीधा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की धज्जियां उड़ाने जैसा है। इस अपील में शामिल बयान में इमरान खान के बेटे सुलेमान खान ने कहा कि उनके पिता को जिन परिस्थितियों में रखा गया है, वे किसी भी इंसान के लिए असहनीय हैं। उन्होंने इसे सीधा-सीधा यातना करार दिया। वहीं, उनके दूसरे बेटे कासिम खान ने कहा कि यूएन पहले ही मान चुका है कि इमरान खान की गिरफ्तारी अवैध है। अब उन्हें जिस तरह से तोड़ने की कोशिश हो रही है, वह उनकी हिम्मत नहीं तोड़ पाएगी। इमरान खान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सलाहकार जुल्फी बुखारी ने कहा कि यह अपील खान की दृढ़ता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि खान अवैध कैद और अपमानजनक बर्ताव झेल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वे साहस और शांतिपूर्ण प्रति. रोध का प्रतीक बने हुए हैं। खान की टीम ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि वह पाकिस्तान सरकार पर दबाव बनाए ताकि इमरान खान की शारीरिक और मानसिक स्थिति सुरक्षित रहे।

मैड्रिड वार्ता से पहले चीन का बड़ा एक्शन

अमेरिका की चिप कंपनियों पर शुरू की जांच, बढ़ा दोनों के बीच व्यापारिक तनाव

■ इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं
■ बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ, व्यापार और सुरक्षा को लेकर चल रहे तनाव की बीच एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने अमेरिका की सेमीकंडक्टर (चिप) कंपनियों के खिलाफ दो बड़ी जांचें शुरू कर दी हैं। ये कदम स्पेन के मैड्रिड में होने वाली अहम बातचीत से ठीक पहले उठाया गया है। मामले में चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आयात की जाने वाली कुछ एनालाग चिप्स (जैसे कि इंटरफेस और गेट ड्राइवर चिप्स) पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई है।

ये चिप्स टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ऑन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियां बनाती हैं। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका द्वारा चीन की चिप इंडस्ट्री के खिलाफ भेदभावपूर्ण रवैये की भी जांच शुरू की है। बता दें कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अमे. रिका ने शुक्रवार को 23 चीनी कंपनियों को एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है, जिन पर अमेरिका के सुरक्षा और विदेश नीति हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस सूची में चीन की प्रमुख चिप कंपनी (एसएमआईसी) के लिए उपकरण खरीदने वाली दो कंपनियां भी शामिल हैं। मैड्रिड में रविवार से बुधवार के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेन्ट और चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के बीच बात. चीत होगी। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच चल रही चर्चाओं की एक कड़ी है, जिनका मकसद ट्रेड वार को टालना और आपसी संतुलन बनाना है। इससे पहले दोनों देश मई में जेनेवा, जून में लंदन और जुलाई में स्टाकहोम में बातचीत कर चुके हैं। हालांकि अब तक कई बार 90 दिनों के लिए नई टैरिफ (आयात शुल्क) रो. कने पर सहमति बनी है। वहीं बेसेन्ट ने पिछली बातचीत को बहुत गहन और सकारात्मक बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें सिर्फ कुछ रणनीतिक इंडस्ट्रीज जैसे रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और दवाओं में जोखिम कम करने की जरूरत है। हम दोनों देश इस दिशा में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों ने चीन की उन्नत चिप टेक्नोलाजी पर कड़ी पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें चिप बनाने वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक भी शामिल है।

खैबर पख्तूनख्वा में 19 सैनिकों की मौत, 45 आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद/पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच झड़पों में कम से कम 19 सैनिक और 45 आतंकी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री किग्राबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, 10 से 13 सितम्बर के बीच खैबर पख्तूनख्वा के तीन अलग-अलग हिस्सों में हुई झड़पों में कम से कम 45 आतंकियों को ढेर किया गया। प्रधानमंत्री शकिग्राबाज शरीफ ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बन्नू का दौरा किया और आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पूरी ताकत से जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अस्पष्टता या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीएम शरीफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में हो रहे हमलों के पीछे बैठे आतंकी सरगना और उनके मददगार अफगानिस्तान की जमीन से काम कर रहे हैं। शरीफ ने दावा किया कि कई आतंकी वारदातों में अफगान नागरिकों की संलिप्तता पाई गई है।

डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

कहा: चीन किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

स्लोवेनिया। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी।

ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रम्प की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100 प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं। स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में वांग ई ने अमे. रिकी चेतावनी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनी. तिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं। इसके साथ ही वांग ई ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही।

यूक्रेन का रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला

मास्को। यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने रूस की एक सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे वहां आग लग गई। रूसी अधिका. रियों और यूक्रेनी सेना ने यह जानकारी दी। यह हमला रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित कीरीशी रिफाइनरी पर किया गया। यह वही रिफाइनरी है, जिसे पिछले कई हफ्रतों से यूक्रेन रूसी तेल ढांचे पर हो रहे हमलों की कड़ी में देख रहा है। यूक्रेन का कहना है कि तेल आपूर्ति से रूस की युद्ध क्षमता को ताकत मिल रही है, इसलिए ऐसे ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.77 करोड़ मीट्रिक टन या करीब 3.55 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, वहां कई धमाकों और आग की सूचना मिली। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें रात के अंधेरे में आग की लपटें और धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर डोजडेनको ने कहा कि कीरीशी इलाके में तीन ड्रोन को मार गिराया गया, लेकिन उनके गिरने से रिफाइनरी में आग लग गई।

लंदन में अवैध प्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा: लड़ो या मरो, प्रोटेस्ट के समय पीएम कीर स्टार्मर फुटबॉल मैच देख रहे थे

लंदन। ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन हुआ। इसमें 1 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इस प्रोटेस्ट को 'यूनाइट द किंगडम' नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टामी राबिन्सन ने लीड किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलान मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल 'द इंडिपेंडेंट' के मुताबिक उन्होंने टामी राबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा कि हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबाल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब किग्रार में हिंसा हो रही थी। इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवा. सन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बकिग्रार किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थ इसी दिन 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' नामक एक विरा. ेधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रो. कने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपालिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि 'यूनाइट द किंगडम' मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरा. ेधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे।

धामी बने सबसे लंबे कार्यकाल वाले भाजपाई मुख्यमंत्री

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं, और दोबारा निर्वाचित होने वाले पहले मुख्यमंत्री भी। पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड राज्य के अब तक के बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। वे पहली बार 04 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री बने थे और तब से लगातार दूसरी बार 2022 में चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर रहकर राज्य के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड एक निर्णायक मोड़ पर है, जहाँ तेज गति से निर्णय, डिजिटल परिवर्तन और जनता से सीधा संवाद प्राथमिकता में हैं।

धामी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां:

विकास योजनाएं: उत्तराखंड वैश्विक निवेश सम्मेलन (2023): जिसमें रु. 3 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव आए। जिसमें एक लाख करोड़ रुपये की निवेश की ग्राउंडिंग करने की उपलब्धि भी हासिल कर ली है। विकासनगर-यमुनोत्री टनल, घनानंद-मसूरी सुरंग, और चारधाम कनेक्टिविटी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स भी अहम उपलब्धी है।

कानून-व्यवस्था सुधार: यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने वाला पहला भाजपा-शासित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर। महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति और युवाओं में अपराध नियंत्रण को लेकर कई ठोस कदम। अवैध धर्मांतरण रोकने वाला कानून, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून, भू-कानून जैसी कई उपलब्धियां हासिल की।

नेतृत्व में विश्वास और विकास का समर्पण

युवाओं के लिए रोजगार: पारदर्शी नौकरी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई और नकल विरोधी नया कानून। 24 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं।

डिजिटल उत्तराखंड: e-Governance को बढ़ावा, डिजिटल हेल्थ कार्ड, ऑनलाइन भूमि रजिस्ट्रेशन, e-FIR सुविधा का विस्तार। **आपदा प्रबंधन:** जोशीमठ भू-धसाव, मानसून आपदाओं जैसे मामलों में तुरंत प्रतिक्रिया, पुनर्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया। आपदा बचाव एवं राहत कार्यों में तीव्रता के लिए प्रबंधन तंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य।

एकजुट होकर आगे बढ़ें

उत्तराखंड की यह रजत जयंती यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता का प्रतीक है। यह राज्य हिमालय की ऊंचाइयों जैसा अडिग, गंगा की धारा जैसा प्रवाही और अपनी सांस्कृतिक विरासत जैसा गहराई लिए हुए है। इसी तरह शाह टाइम्स भी इन 25 वर्षों में न केवल समाचार जगत का स्तंभ बना रहा, बल्कि राज्य के विकास में जन-जागरूकता, पारदर्शिता और पत्रकारिता की भूमिका को सशक्त बनाता रहा। रजत जयंती के इस विशेष अवसर पर यह आवश्यक है कि हम अतीत की उपलब्धियों से प्रेरणा एवं सी लें, वर्तमान में पूरी शक्ति लगाएं, और भविष्य को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें।

भविष्य की दिशा: हरित विकास मॉडल: जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की रणनीति पर कार्य। ग्राम्य विकास: स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन, कुटीर उद्योग और महिला स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त बनाना। शिक्षा और तकनीकी कौशल: युवाओं को हाई-टेक स्किल्स के लिए तैयार करना।

उत्तराखंड @25 yrs पहाड़ों से प्रगति तक की एक रजत यात्रा

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। उत्तराखंड, भारत का 27वां राज्य, 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर अस्तित्व में आया। हिमालय की गोद में बसे इस राज्य का जन्म एक जन आंदोलन से हुआ था, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए पृथक राज्य की मांग की गई थी। 25 वर्षों में उत्तराखंड ने खुद को एक प्रगतिशील, पर्यावरण-संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह, इस वर्ष दैनिक शाह टाइम्स भी अपनी रजत जयंती मना रहा है। जो उत्तराखंड के साथ-साथ बढ़ता रहा, राज्य के हर पड़ाव का साक्षी बना। उत्तराखंड ने अपने गठन के बाद राजनीतिक अस्थिरता के कई दौर देखे। कई बार नेतृत्व में अस्थिरता आई, परन्तु हर मुख्यमंत्री ने अपनी समझ और दृष्टिकोण के अनुसार राज्य के विकास में योगदान देने का प्रयास किया।

अवसंरचना विकास

राज्य गठन के बाद सबसे बड़ी चुनौती थी। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना। सड़कों, पुलों, जल-विद्युत परियोजनाओं, और ग्रामीण संपर्क मार्गों में निरंतर विकास हुआ है। आज लगभग हर ब्लॉक मोटर सड़कों से जुड़ा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

राज्य बनने के बाद स्कूल, इंटरमीडियट कॉलेज और तकनीकी संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश, कई मेडिकल कॉलेज और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की गई।

पर्यटन और तीर्थाटन

उत्तराखंड का सबसे बड़ा प्राकृतिक संसाधन है। उसका आध्यात्मिक व प्राकृतिक पर्यटन। चारधाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी जैसे स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का कार्य हुआ। चारधाम ऑल वेदर रोड और हेली सेवा जैसी योजनाएं राज्य के राजस्व और रोजगार को सशक्त बना रही हैं।

कृषि व पलायन पर नियंत्रण

कृषि विविधीकरण, जैविक खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए। "रिवर्स पलायन" को संभव बनाने के लिए होम स्टे नीति, वोकल फॉर लोकल जैसी योजनाएं लाई गईं।

अब तक 11 मुख्यमंत्रियों ने संभाली बागडोर

नित्यानंद स्वामी 9 नवम्बर 2000 – 29 अक्टूबर 2001

भगत सिंह कोश्यारी 30 अक्टूबर 20011–मार्च 2002

नारायण दत्त तिवारी 2 मार्च 2002–7 मार्च 2007

भुवन चंद्र खंडूरी 7 मार्च 2007–26 जून 2009

रमेश पोखरियाल 'निशंक' 27 जून 2009 –10 सितम्बर 2011

भुवन चंद्र खंडूरी (द्वितीय) 11 सितम्बर 2011–12 मार्च 2012

विजय बहुगुणा 13 मार्च 2012 –31 जनवरी 2014

हरीश रावत 1 फरवरी 2014–18 मार्च 2017

त्रिवेन्द्र सिंह रावत 18 मार्च 2017–10 मार्च 2021

तीरथ सिंह रावत 10 मार्च 2021–4 जुलाई 2021

उत्तराखंड की आर्थिक यात्रा

@25 वर्षों में आत्मनिर्भरता की ओर

मौ. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया था, तब न तो राज्य पास संसाधनों की भरमार थी, न ही आर्थिक शक्ति का कोई विस्तृत आधार। एक सीमांत राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू करते हुए उत्तराखंड ने इन 25 वर्षों में जिस प्रकार आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक मोर्चों पर तरक्की की है, वह न केवल प्रेरक है बल्कि देश के अन्य नवगठित राज्यों के लिए एक मिसाल भी बन चुकी है।

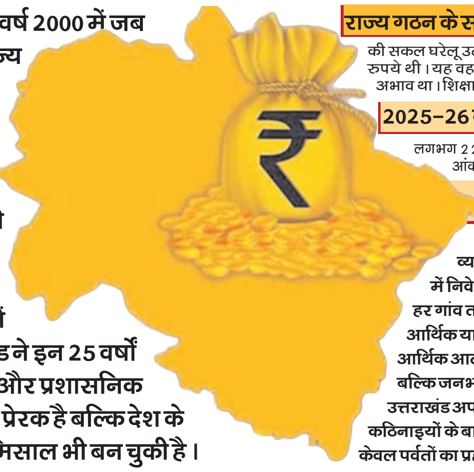

राज्य गठन के समय की आर्थिक स्थिति

उत्तराखंड राज्य के गठन के समय वार्षिक बजट लगभग 4,500 करोड़ रूपये के आसपास था। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) मात्रा 14,501 करोड़ रूपये थी, और प्रति व्यक्ति आय लगभग 15,285 रुपये थी। यह वह दौर था जब बुनियादी ढांचे की कमी, सीमित औद्योगिक गतिविधियां और संसाधनों का अभाव था। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पहाड़ी इलाकों में सीमित पहुंच में थीं।

2025-26 का आर्थिक परिदृश्य

वर्तमान में उत्तराखंड का कुल वार्षिक बजट 1,01,175.33 करोड़ तक पहुंच चुका है। यह 25 वर्षों में राज्य के बजट में लगभग 22 गुना वृद्धि को दर्शाता है। राज्य की अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) 4,29,308 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है। वहीं प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2,95,751 रुपये तक पहुंच गई है।

लक्ष्यः आत्मनिर्भर और समावेशी उत्तराखंड

उत्तराखंड सरकार ने 2027 तक राज्य की जीडीपी को दोगुना करने और प्रति व्यक्तिगत आय को 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आधारभूत ढांचे में निवेश, पर्यटन को वैश्विक स्तर पर ले जाना, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, और हर गांव तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उत्तराखंड की 25 वर्षों की आर्थिक यात्रा एक ऐसे राज्य की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर आज आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। यह न केवल आंकड़ों की सफलता है, बल्कि जनभागीदारी, दूरदर्शिता और सतत विकास की नीति का प्रतिफल है। आज जब उत्तराखंड अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, यह लेख उस आर्थिक यात्रा का साक्षी है जो कठिनाइयों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रही। यह वही उत्तराख्संड है जो आज ना केवल पर्वतों का प्रहरी है, बल्कि आर्थिक समृद्धि की चोटी की ओर भी अग्रसर है।

चुनौतियों के बीच संतुलित अर्थव्यवस्था

उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से जूझता रहा है- उत्तरकाशी एवं चमोली की आपदाएं हों, चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो या बाद की वर्षा व भूस्खलन की अनगिनत घटनाएं, लेकिन इन सभी आपदाओं के बावजूद राज्य ने विकास की रफ्तार थमने नहीं दी है। वर्ष 2025-26 के बजट में राजस्व अधिशेष का होना यह दर्शाता है कि राज्य संतुलित वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही, वित्तीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में नियंत्रित रखा गया है।

तुलनात्मक आर्थिक तालिकाः उत्तराखंड 2000 बनाम 2025

आर्थिक मानक	वर्ष 2000	वर्ष 2025-26 (अनुमानित)
वार्षिक बजट	4,500 करोड़	1,01,175.33 करोड़
राज्य की GSDP	14,501 करोड़	4,29,308 करोड़
प्रति व्यक्ति आय	15,285 रुपये	2,95,751 रुपये
वित्तीय घाटा		12,604.92 करोड़
राजस्व अधिशेष		2,585.89 करोड़

आर्थिक नीतियों व योजनाओं का योगदान

उत्तराखंड की सरकारों ने बीते दो दशकों में पर्यटन, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और औद्योगिक निवेश के क्षेत्रों में विशेष योजनाएं लागू कीं। विशेषकर चारधाम यात्रा, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स, ऑर्गेनिक खेती और महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों ने राज्य को आर्थिक मजबूती दी। राज्य की भौगोलिक विषमताओं के बावजूद, योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढाली गईं। यही कारण है कि पहाड़ों में अब सड़कें, बिजली, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सुधार स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

देवभूमि: पर्वतों की गोद से बहती शिक्षा की धारा

'ज्ञान की गंगा' बनकर भारत के भविष्य को सिंचित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखंड, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, सदियों से आस्था, प्रकृति और संस्कृति का केंद्र रहा है। पिछले 25 वर्षों में इस पर्वतीय राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह किसी भी प्रगतिशील राज्य के लिए प्रेरणास्पद है। ब्रिटिश काल में जहां मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, देहरादून और रूडकी जैसे शहर शिक्षा के केंद्र बने, वहीं उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद उच्च शिक्षा, कोचिंग, अनुसंधान और सैन्य प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में जबरदस्त विकास हुआ। आज उत्तराखंड भारत में शिक्षा के सबसे मजबूत केंद्रों में से एक बन चुका है, यहां के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, देश के भविष्य को गढ़ने वाले छात्र तैयार हो रहे हैं। यहां के पारंपरिक बोर्डिंग स्कूलों से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और कोचिंग सेंटरों तक, यह राज्य अब भारत के युवाओं के लिए एक आशा की किरण बन चुका है। पर्वतों की गोद में पला-बढ़ा यह राज्य अब केवल पर्यटन या तीर्थाटन के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि शिक्षा के नए तीर्थ के रूप में भी पहचान बना चुका है।

मौहम्मद शाह नजर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उत्तराखंड का उभार

पिछले दो दशक में उत्तराखंड के कई शहर खासकर देहरादून, हल्द्वानी, रुड़की, और हरिद्वार प्रतियोगी परीक्षाओं के मुख्य केंद्र के रूप् में स्थापित हुए है। यहा खुले कोचिंग संस्थान युवाओं के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरे हैं। यह षहर कोचिंग का हब बन गये है, अब छात्र दिल्ली और कोटा के स्थान पर देहरादून, हल्द्वानी में रह कर कोचिंग करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आईएएस, पीसीएस, नीट, जेईई के लिए देशभर के छात्र यहां आकर तैयारी करते हैं। यही नही एनडीए, सीडीएस, और एएफसीएटी के लिए यहां विशेष संस्थान हैं जो छात्रों को फिजिकल से लेकर इंटरव्यू तक की तैयारी कराते हैं। आईएएस, पीसीएस और पीसीएस जे जैसी प्रशासनिक सेवाओं के लिए भी यहा प्रयाग आईएएस अकादमी जैसे विशेष कोचिंग सेंटर स्थापित हुए हैं। यहा आकाष, एलन, बलूनी कोचिंग सेंटर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन शहरों में छात्रों के लिए छात्रावास, पुस्तकालय, कैफे, साइलेंट जोन, स्मार्ट क्लासरूम और साइंस लैब्स जैसे संसाधनों में तेजी से सुधार हुआ है।

ब्रिटिश काल से ही शिक्षा का केंद्र रहा दून

ब्रिटिश शासन के दौरान उत्तराखंड के शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य ने अंग्रेजों को आकर्षित किया, जिससे यह क्षेत्र शिक्षा के लिए आदर्श माना गया। कई प्रमुख स्कूल इसी काल में स्थापित हुए, जिनमें आज भी गुणवत्ता की परंपरा कायम है। सतीश संजन दास की और से 1935 में स्थापित दून स्कूल भारत के जाने-माने निजी/स्वतंत्र विद्यालयों मे से एक है। इस विद्यालय का उद्देश्य युवा भारतीयों को एक उदारवादी शिक्षा प्रदान करना है, जिससे उनमें धर्मनिरपेक्षता, अनुशासन और समानता के सिद्धांतों के प्रति आदर भाव जागे। दून स्कूल केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों में गिना जाता है। इसे 'भारत का ईटन' कहा जाता है। यहां से निकले छात्र देश-विदेश में राजनीति, साहित्य, सेना, व्यापार और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राजीव गांधी, रामचंद्र गुहा और विक्रम सेठ जैसे कई प्रसिद्ध नाम इस स्कूल से जुड़े हैं। वेल्हम बॉयज और गर्ल्स स्कूल, दून स्कूल के समान ही, वेल्हम स्कूल्स ने भी लड़कों और लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवन मूल्य प्रदान किए हैं। ये स्कूल अनुशासन, सौम्यता और आधुनिकता का संगम हैं। शेरवुड कॉलेज, नैनीताल की स्थापना 1869 में हुई। नैनीताल स्थित यह स्कूल उत्तर भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित बोर्डिंग स्कूलों में से है। इसकी स्थापत्य भव्यता, अनुशासन और पाठ्यक्रम का संतुलन इसे विशेष बनाता है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और सुपर स्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन जैसे व्यक्तित्व यहीं से निकले हैं। सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल की स्थानप 1966 में हुई।यह स्कूल भारतीय सेना के लिए भविष्य के अधिकारी तैयार करता है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को अफसर बनने का सुनहरा अवसर देता है। यह स्कूल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। इसके अलावा प्रदेष भर में स्कूली षिक्षा के हजारों केंद्र छात्रों का भविश्य संवार रहें हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का जाल

उत्तराखंड में उच्च शिक्षा का विस्तार उत्तराखंड राज्य गठन के बाद तेजी से हुआ। आज यहां दर्जनों नीजी विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं जो हर क्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वहीं,सरकारी शिक्षण केंद्र भी भविष्य संवार रहे हैं। आज उत्तराखंड में दर्जनों विश्वविद्यालय और सैकड़ों कॉलेज हैं। जीबी पंत विवि का मतलब गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है, जो भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना 1960 में उत्तर प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी, जिसका बाद में नाम बदलकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय कर दिया गया। इसे भारत में हरित क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन 17 नवंबर, 1960 में किया था। इसका नाम भारत के महान स्वतंत्रा सेनानी गोविन्द बल्लभ पंत के नाम पर रखा गया है। यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सफल साझेदारी का प्रतीक है। कुमाऊं विष्वविद्यालय, नैनीताल, 1973 में स्थापित यह विष्वविद्यालय कुमाऊं क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का बड़ा केंद्र है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विष्वविद्यालय, श्रीनगर, एक केंद्रीय विष्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्थान गढ़वाल क्षेत्र के शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का केंद्र है। उत्तराखंड तकनीकी विष्वविद्यालय (अब वीर माधो सिंह भंडारी टेक्निकल यूनिवर्सिटी) यह विष्वविद्यालय इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराता है, जिससे सैंकड़ों कॉलेज संबंद्ध है। दून विष्वविद्यालय,देहरादून में स्थित यह राज्य सरकार का विष्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान, भाषा, पर्यावरण और मीडिया जैसे क्षेत्रों में शिक्षा और शोध कार्य करता है। इसके अलावा श्री देव सुमन उत्तराखंड विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड आवासीय विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड बागवानी और वानिकी विष्वविद्यालय, सोबन सिंह जीना विष्वविद्यालय हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विष्वविद्यालय आदि उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ा रहें है।

निजी विश्वविद्यालयों का भी अहम योगदान

उत्तराखण्ड में सरकारी षिक्षण संस्थानों के साथ-साथ नीजी षिक्षण संसथान भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस), दून ग्रप ऑफ कालेजेज देहरादून, एमीटी यूनिवर्सिटी देहरादून, आईएमएस विश्वविद्यालय देहरादून, श्री गुरू राम राय विष्वविद्यालय देहरादून, ईकफाई विष्वविद्यालय देहरादून, स्वामी राम हिमालयन विष्वविद्यालय देहरादून, उत्तराँचल यूनिवर्सिटी देहरादून, सरदार भगवान सिंह विष्वविद्यालय देहरादून, हिमगिरि जी विश्वविद्यालय देहरादून, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय देहराद. ून, हिमालयीय विश्वविद्यालय डोईवाला देहरादून, देवभूमि उत्तराखण्ड विष्वविद्यालय देहरादून, पतंजलि विष्वविद्यालय हरिद्वार, देव संस्कृति विष्वविद्यालय हरिद्वार, क्वांटम विष्वविद्यालय रूड़की, मदरहुड विष्वविद्यालय रूड़की, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एडं टैक्नोलॉजी रूडकी,हिमालयन गढ़वाल विष्वविद्यालय पोखड़ा, भगवन्त ग्लोबल विष्वविद्यालय कोटद्वार, सूरजमल विश्वविद्यालय किच्छा, कोर विष्वविद्यालय रूड़की आदि शामिल है। ये विष्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा, वैष्विक एक्सपोजर और प्लेसमेंट के लिहाज से अहम भूमिका निभा रहे हैं।

तकनीकी व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित कर रहा उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड स्कूली शिक्षा ही नही तकनीकी और उच्च षिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहा आईआईटी, आईआईएम से लेकर विष्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की बड़ी तादात यह साबित करने के प्रयाप्त है कि प्रदेष अब उच्च षिक्षा के क्षेत्र में नये अयाम स्थापित करने की दिषा में अग्रसर है। आईआईटी रुड़की: आईआईटी रुड़की का इतिहास भारतीय इंजीनियरिंग शिक्षा के इतिहास से जुड़ा है। पहले थॉमसन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था, यह एशिया का सबसे पुराना तकनीकी संस्थान है। स्वतंत्रता के बाद इसे यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की और फिर 2001 में आईआईटी का दर्जा मिला। यह संस्थान सिविल इंजीनियरिंग, जल संसाधन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। यहाँ से निकले अभियंता देश-विदेश की बड़ी कंपनियों और सरकारी संगठनों में नेतृत्व कर रहे हैं। इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) देहरादून की स्थापना 1932 में हुई। आईएमए भारत की सेना के लिए अफसर तैयार करने वाला प्रमुख संस्थान है। इस अकादमी से अब तक हजारों सैन्य अधिकारी निकल चुके हैं जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा की है। आईएमए केवल प्रशिक्षण नहीं देता, बल्कि यह नेतृत्व, साहस और समर्पण का प्रतीक हैं, यहा देष के साथ-साथ मित्र देषों के सैनिकों को भी प्रषिक्षण दिया जाता है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआइ), देहरादून वन अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसकी भव्य इमारत और परिसर इसे एक आकर्षक शैक्षणिक केंद्र बनाते हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया यह संस्थान वन्यजीव अनुसंधान, संरक्षण और जैव विविधता पर कार्य करता है। दुनियाभर के शोधार्थी यहां अध्ययन और फील्ड वर्क के लिए आते हैं। वहीं, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, भारत सरकार द्वारा 2011 में स्थापित दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह नवीन शिक्षण विधियों का उपयोग करके, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देकर और स्थायी नेतृत्व का अभ्यास करके प्रबंधन के क्षेत्र में नाम स्थापित कर रहा है, इन षिक्षण संस्थानों का लाभ उत्तराखण्ड ही नही देष-दुनिया के छात्र उठा रहे हैं।

DOON GROUP OF COLLEGES
DEHRADUN

NAAC GRADE A

26 Years OF ACADEMIC EXCELLENCE

AFFILIATED TO: HNB GARHWAL CENTRAL UNIVERSITY, SDS UNIVERSITY

NORTH INDIA'S BEST & OLDEST AGRICULTURE & PARAMEDICAL INSTITUTE

ADMISSION OPEN 2025-26

Awarded the Best Academic Excellence by Hon. MHRD Minister

Awarded the Best Agriculture College by Hon. Agriculture Minister

COURSES OFFERED
- AGRICULTURE
- PARAMEDICAL
- FORESTRY
- HORTICULTURE
- FISHERIES SCIENCE
- FOOD TECHNOLOGY
- CHEMISTRY
- MANAGEMENT
- B.Ed. ❖ BBA
- COMPUTER SCIENCE
- ENVIRONMENTAL SCIENCE
- BOTANY ❖ ZOOLOGY
- D. PHARMA

and many more...

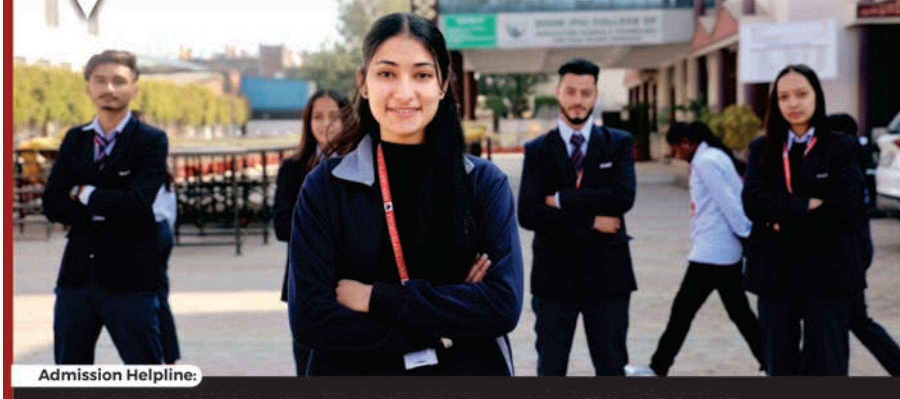

Admission Helpline:
+91-7017809991, +91-9548001418, +91-9837008360
28 Chakrata Road, Behind Bindal Petrol Pump Dehradun

For more information visit:
www.dpmc.in

उत्तराखंड : शिखर की ओर

निवेश संबंधी पहल से निखर रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025: निवेश और विकास का नया युग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सक्षम मार्गदर्शन में राज्य ने हाल ही में रुद्रपुर में भव्य निवेश उत्सव- 2025 का आयोजन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने की सफलता का उत्सव मनाया गया, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा व सकारात्मक कदम है

"यह उत्सव केवल वित्तीय निवेश का प्रतीक नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की संभावनाओं, उद्यमशीलता और समावेशी विकास का भी प्रतिबिंब है। 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। उत्तराखंड निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए आयाम छू रहा है। निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके सकारात्मक अनुभव उत्तराखंड की छवि को देश और दुनिया में सशक्त बना रहे हैं।"

— पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी के साथ रुद्रपुर में निवेश उत्सव में बाबा रामदेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति

उत्तराखंड के औद्योगिक परिदृश्य में ऐतिहासिक पल तब आया जब रुद्रपुर के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य 'उत्तराखंड निवेश उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिसंबर 2023 में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के बाद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की सफलता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बुनियादी ढांचे को बढ़ावा

₹1.86 लाख करोड़

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि, जिसमें शामिल हैं

₹31,000 करोड़

सड़क के लिए

₹40,000 करोड़

रेल के लिए

₹100 करोड़

हवाई अड्डे के विकास के लिए

"1 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारना सराहनीय उपलब्धि है। आमतौर पर 5 से 10 प्रतिशत एमओयू ही साकार हो पाते हैं, लेकिन उत्तराखंड ने 30 प्रतिशत सफलता हासिल की है। किसी पर्वतीय राज्य में निवेश लाना पहाड़ चढ़ने जितना कठिन है, लेकिन धामीजी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया है। यह निवेश अब तक अधिकाधिक रोजगार सृजित कर चुका है और संबद्ध उद्योगों से 2.5 लाख और रोजगार सृजन की संभावना है। उत्तराखंड ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बेहतरीन संतुलन किया है, जिसमें पारदर्शी नीतियां, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी सोच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।"

— अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वादों को वास्तविकता में बदलकर दिखाया है। अमित शाह ने इस उपलब्धि को 'सच्चे पराक्रम का परिचायक' बताया और राज्य को मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

'टीम धामी' को अमित शाह का समर्थन

गृहमंत्री अमित शाह ने दोहराया कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में निवेश लाना शिखर पर चढ़ने जैसा कठिन काम है, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने राज्य सरकार की इस बात के लिए सराहना की कि विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के बीच संतुलन का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की पारदर्शी नीतियों, त्वरित क्रियान्वयन और दूरदर्शी नेतृत्व की खुले मन से प्रशंसा की।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। पिछले 10 वर्षों में नेशनल हाईवे की लंबाई में 60% की वृद्धि हुई है। 8 लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। 333 जिलों को वंदे भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है और 88 नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया है।

उत्तराखंड से विकसित भारत का विजन

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर भारत का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता है। उन्होंने उत्तराखंड की रणनीतिक और आध्यात्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए कहा कि यह राज्य ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों, पंचकेदार और पंचप्रयागों की भूमि है, इसलिए भी इस पावन राज्य का विकास आवश्यक हो जाता है। उन्होंने उत्तराखंड में चल रही कई मेगा परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिनमें चारधाम ऑल वेदर रोड, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे, पर्यटन, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और फिल्म नीति में निवेश शामिल है। निवेश से जुड़ी ये बातें इस बात का संकेत दे रही हैं कि उत्तराखंड निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

सरकारी प्रयासों की उद्योग जगत ने की सराहना

उत्तराखंड उद्योग संघ (IAU) ने राज्य में हुए इस विकास का स्वागत करते हुए 30% निवेश धरातलीकरण दर को 'असाधारण' बताया, जो कि राष्ट्रीय औसत 5–10% की तुलना में कहीं अधिक है। IAU के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे सकारात्मक विकास बताया, जिसका प्रभाव दीर्घकालिक होगा। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व को दिया, जिन्होंने राज्य को निवेश-अनुकूल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक रणनीति केवल औद्योगिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा, आवास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी समाहित करती है।

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

एक आशाजनक राह की ओर

पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ₹1.86 लाख करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की है, जिसमें ₹31,000 करोड़ सड़क विकास, 40,000 करोड़ रेलवे परियोजनाओं और ₹100 करोड़ हवाई अड्डा विकास के लिए शामिल है। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया कि शेष निवेश लक्ष्यों को भी पूरा करने के लिए केंद्र हर स्तर पर उत्तराखंड सरकार के साथ भागीदारी के लिए तैयार है। हम हर कदम पर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री धामी: निवेशक हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं

मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख अधिकारियों के साथ निवेश की समीक्षा की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'निवेश उत्सव' केवल पूंजी का उत्सव नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समावेशी विकास मॉडल का प्रतीक है, जो उद्यमशीलता, जनसहभागिता और नवाचार पर आधारित है। इस अवसर पर उन्होंने ₹1,342 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए गए थे, जिनमें से ₹1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पहले ही धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और औद्योगिक विकास के नए शिखर छू रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के जरिए देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग, लॉजिस्टिक्स, एमएसएमई और स्टार्टअप सहित 30 से अधिक नीतियों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

राज्य सरकार ने ₹200 करोड़ का स्टार्टअप वेंचर फंड स्थापित किया है और काशीपुर में एरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क तथा खुरपिया में इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं। अब राज्य में 260 से अधिक बिजनेस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और उत्तराखंड 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अचीवर तथा 'स्टार्टअप रैंकिंग' में अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है।

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023: स्वच्छ ऊर्जा की ओर सशक्त कदम बढ़ाता हिमालयी राज्य

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 में वर्ष 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य को हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के अग्रणी प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

सात जून 2023 को मंजूर की गई उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करना है। यह नीति देश के व्यापक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप तैयार की गई है और 2027 तक 2,500 मेगावाट सौर क्षमता विकसित करने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

इस नीति का उद्देश्य:

इस नीति के अंतर्गत राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध सौर क्षमता का प्रभावी उपयोग शामिल है। इसके माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और निजी निवेश को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर सिस्टम, फ्लोटिंग सोलर प्लांट्स व हाइब्रिड परियोजनाओं को बढ़ावा देती है, जो सौर ऊर्जा को अन्य नवीकरणीय स्रोतों से जोड़ती है। विकेन्द्रित नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों (डीआरई) को बढ़ावा देना नीति का प्रमुख फोकस है, जिससे दूर-दराज और वंचित क्षेत्रों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। यह उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रोत्साहन और सुविधा

इस नीति के अंतर्गत निवेशकों और परियोजना डेवलपर्स के लिए कई वित्तीय और नियामक प्रोत्साहनों की व्यवस्था की गई है।

- बिजली शुल्क और क्रॉस-सब्सिडी अधिभार से छूट
- सौर परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त भूमि पर स्टांप शुल्क से छूट
- त्वरित अनुमोदन के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम
- प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और भूमि बैंकिंग सहायता, जो उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

साथ ही, प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड कनेक्टिविटी और लैंड बैंकिंग सहायता, जो उरेडा (उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। वहीं, यह नीति पीपीपी मॉडल, सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है। साथ ही यह स्थानीय रोजगार सृजन और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को भी अनिवार्य बनाती है।

सतत विकास की ओर अग्रसर

उत्तराखंड राज्य सौर नीति 2023 एक असरदार रणनीति और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ यह हिमालयी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। यह नीति न केवल राज्य की जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है, बल्कि उत्तराखंड को पर्वतीय क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने का एक आदर्श मॉडल भी बनाती है। यह नीति उत्तराखंड के भविष्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अग्रसर करती है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023: सतत विकास और निवेश को प्रोत्साहित करता सशक्त रोडमैप

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 एक परिवर्तनकारी खाका प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख सतत और निवेश-अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह नीति नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने पर आधारित है।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2023 राज्य को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक व्यापक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और पर्यटन आधारित विकास को गति देने के साथ आर्थिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता और निवेशक अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

इस नीति के अंतर्गत सभी अनुमोदन और प्रोत्साहन दावों को सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें केवल उन्हीं परियोजनाओं को लाभ मिलेगा, जिनकी वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओसी) नीति की अवधि के अंतर्गत होगी।

संस्थागत ढांचा और नीति की प्राथमिकताएं

यह नीति पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को सक्षम बनाने और हॉस्पिटैलिटी, वेलनेस, एडवेंचर, हीलिंग और ग्रामीण पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश लाने पर केंद्रित है।

नीति के क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसमें 50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए राज्य स्तरीय सशक्त समिति (एसएलईसी) का गठन किया गया है। साथ ही, 50 करोड़ रुपये तक की एमएसएमई परियोजनाओं के लिए जनपद स्तरीय सशक्त समितियां (डीएलईसी) बनाई गई हैं। वहीं, परियोजनाओं की भौतिक जांच और सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय पर्यटन समितियां (डीएलटीसी) गठित की गई हैं।

योग्य परियोजनाएं और निवेश प्रोत्साहन

इस नीति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की पर्यटन इकाइयों को योग्य माना गया है। इसमें होटल, रिसॉर्ट, विरासत भवन, रोपवे, ईको-लॉज, योग एवं वेलनेस सेंटर, मनोरंजन पार्क, साहसिक पर्यटन सुविधाएं आदि शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम निवेश और बुनियादी ढांचे की शर्तें तय की गई हैं, जिससे गुणवत्ता और निवेश को बढ़ावा मिले। साथ ही, सभी इकाइयों को राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पूंजीगत और गैर-पूंजीगत प्रोत्साहन

इस नीति के तहत निवेशकों को दो श्रेणियों में प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रोत्साहनों को पूंजी निवेश सब्सिडी और अतिरिक्त प्रतिपूर्ति में विभाजित किया गया है, जैसे कि-

- एसजीएसटी की वापसी (नेट आउटपुट लायबिलिटी पर)
- भूमि पट्टे और मॉर्गेज दस्तावेजों पर स्टांप शुल्क से छूट
- नई इकाइयों के लिए विद्युत शुल्क में छूट
- ब्याज अनुदान और विपणन सब्सिडी, व्यय के आधार पर
- प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रोत्साहन
- देशी पर्यटकों, MICE कार्यक्रमों और ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन

पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को पूंजीगत परिसंपत्तियों की लागत पर 50% तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर किया जा सके।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023: नवाचार और समावेशी विकास की ओर सकारात्मक पहल

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य राज्यभर में रोजगार सृजन और स्टार्टअप्स को सशक्त बनाकर एक मजबूत उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 राज्य सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हर साल 1,000 नए स्टार्टअप की शुरुआत कर सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। यह नीति नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थानीय प्रतिभा को आगे लाने का सशक्त माध्यम है।

इस नीति के माध्यम से वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान की जा रही है। नीति के तहत स्टार्टअप्स को विभिन्न चरणों में यह सहायता दी जाती है। इसमें प्रति माह 15,000 का भत्ता, विशेष श्रेणियों (SC/ST/दिव्यांग) के लिए 20,000 रुपये प्रति माह प्रदान की जाती है। वहीं 15 लाख रुपये तक का सीड फंड भी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे शुरुआती दौर में स्टार्टअप के संचालन को स्थिरता मिलती है।

इसके साथ ही इस पॉलिसी के माध्यम से इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के लिए भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेटेंट में आवेदन करने के लिए 1 लाख रुपये तक की सहायता, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट कराने के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता, वहीं ट्रेडमार्क और इंडस्ट्रियल डिजाइन के लिए 10,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

यह नीति उन्हीं स्टार्टअप्स को कवर करती है, जो 10 वर्षों की अवधि के अंदर स्थापित हुए हों और उत्पाद, सेवा या प्रक्रिया में नवाचार या सुधार ला रहे हों। इसके अलावा रोजगार और संपत्ति सृजन की मजबूत क्षमता रखते हों।

इस नीति के अंतर्गत राज्य सरकार हर जिले में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित कर रही है, जो कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराती है। मेंटरशिप और नेटवर्किंग के अवसर, बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। यह नीति उत्तराखंड को स्टार्टअप इंडिया अभियान में प्रमुख रूप से स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है।

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023: बेहतर और स्थिर लॉजिस्टिक्स तंत्र की नींव

इस नीति से व्यापार को मिलेगा बल, लागत घटेगी और तकनीक-संचालित भविष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे कदम

उत्तराखंड लॉजिस्टिक्स नीति 2023 का उद्देश्य राज्य में एक एकीकृत, पर्यावरण-अनुकूल और निवेश-उन्मुख लॉजिस्टिक्स तंत्र बनाना है। यह नीति लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने, निर्यात बढ़ाने और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स इंडेक्स में रैंकिंग सुधारने पर आधारित है।

यह नीति वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से नए और मौजूदा दोनों प्रकार के लॉजिस्टिक्स उद्यमों का समर्थन करती है। इसमें विशेष रूप से रणनीतिक और उच्च घनत्व वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स पार्क, कोल्ड चेन, ट्रक टर्मिनल, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के विकास को शामिल किया गया है। यह नीति ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देती है, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और एआई, ब्लॉकचेन व स्मार्ट इन्वेंटरी सिस्टम्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करती है।

यह नीति PPP मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहन देती है, जिसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, पंतनगर जैसे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक कॉरिडोर के माध्यम से राज्य को लैंडलॉक राज्यों के लिए आदर्श लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का प्रयास करती है।

Text by Taresh Dutta

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और इन्वेस्टमेंट नीति 2025 : बड़े निवेश और औद्योगिक विकास की नई दिशा

इस नीति का उद्देश्य हिमालयी राज्य को निवेशकों की पहली पसंद बनाने के लिए तैयार करना है

उत्तराखंड मेगा इंडस्ट्रियल और निवेश नीति 2025 का उद्देश्य राज्य को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाना है। यह नीति सूचना की तारीख से पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगी।

यह नीति सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन करने वाली इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसमें उद्यमों को चार निवेश श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें बड़े (50-200 करोड़ रुपये), अल्ट्रा लार्ज (200-500 करोड़ रुपये), मेगा (500-1000 करोड़ रुपये) और अल्ट्रा मेगा (1000 करोड़ रुपये से अधिक) को शामिल किया गया है। इनमें से हर एक के लिए रोजगार और निवेश सीमाएं पहले से ही तय की गई हैं। इस नीति में 10% से 20% तक की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है, जो संचालन के 8वें से 15वें वर्ष तक किश्तों में वितरित की जाती है। पहाड़ी जिलों (श्रेणी ए और बी) में निवेश के लिए 1-2% की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है। यह स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति में 50 लाख रुपये तक की पेशकश भी करता है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

'आंचल डेयरी' का कायाकल्पः तीन वर्षों में मिली नई पहचान

देहरादून। उत्तराखंड की सहकारी दुग्ध विपणन संस्था आंचल डेयरी (UCDF & Uttarakhand Cooperative Dairy Federation) ने बीते तीन वर्षों (वर्ष 2022 से अगस्त 2025) के दौरान नवाचार, उत्पाद विविधता, ब्रांड विस्तार और किसानोन्मुखी नीतियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा की पहल और सक्रिय दिशा-निर्देशों के चलते आंचल ब्रांड ने खुद को सिर्फ दूध उत्पादक इकाई तक सीमित न रखते हुए उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने का प्रयास किया है। विगत तीन से अधिक वर्षों के इस कालखंड में जहां 'आंचल' ब्रांड के अंतर्गत नए उत्पाद बाजार में उतारे गए, वहीं 'आंचल कैफे' जैसी अभिनव अवधारणाओं ने शहरी युवाओं और पर्यटकों के बीच इसे लोकप्रियता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। आइए, जानते हैं कि आँचल डेयरी ने इस अवधि में कौन-कौन सी प्रमुख उपलब्धियां अर्जित की हैं।

नवीन बधानी

दुग्ध उत्पादन मेलेः किसानोन्मुखी पहल

अक्टूबर 2024 में आंचल डेयरी द्वारा रानीपोखरी में एक दुग्ध उत्पादन मेला आयोजित किया गया, जिसमें दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप दो-दो हजार रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इस मेले में मंत्रात्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि 'आंचल ब्रांड' अब केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी वर्षों में इस प्रकार के मेले हर जिले में आयोजित किए जाएंगे, जिससे छोटे और सीमांत पशुपालकों को सीधा लाभ मिलेगा।

आंचल कैफेः एक नई पहल

दिसंबर 2022 में देहरादून के घंटाघर स्थित एमडीडीए परिसर में उत्तराखंड का पहला "आंचल मिल्क कैफे" उद्घाटित किया गया। यह पहल दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा के नेतृत्व में शुरू की गई, जिसके अंतर्गत राज्य में 100 मिल्क कैफे खोलने का प्रारंभिक लक्ष्य तय किया गया। इस कैफे श्रृंखला का उद्देश्य केवल आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों को बेचना नहीं था, बल्कि युवाओं, महिलाओं, सैनिकों के परिजनों और दिव्यांग. जनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना भी था। कैफे के माध्यम से उपभोक्ता को फ्रेश दूध, छाछ, लस्सी, पनीर, घी, मिठाइयां और आंचल के अन्य उत्पाद सहजता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2023 में इस पहल को और विस्तार देते हुए उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में दो नए आंचल कैफे खोले गए। वहीं, राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक 500 मिल्क कैफे खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जून 2023 में योजना के दूसरे चरण की शुरुआत हुई, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर जैसे जिलों को प्राथमिकता दी गई। वर्ष 2024 में बागेश्वर जिले में एक नया आंचल कैफे स्थापित किया गया, जिसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस प्रकार आंचल कैफे, एक नवा चार बनकर उभरा है, जो न केवल उत्पादों की बिक्री को बढ़ा रहा है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोल रहा है।

नवा चार, विकास और भविष्य की राहः आंचल डेयरी की ये उपलब्धियाँ स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि एक पारंपरिक सहकारी इकाई कैसे नवाचार और सशक्त नेतृत्व के माध्यम से ब्रांडिंग, विपणन और उत्पाद विविधता में नए आयाम स्थापित कर सकती है। जहां एक ओर आंचल कैफे जैसे प्रोजेक्ट राज्य में ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हैं, वहीं टेट्रा पैक उत्पादों और नई पैकेजिंग के माध्यम से यह ब्रांड बाजार प्रतिस्पर्धा में खुद को बेहतर स्थिति में स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट समर्थन, नीति निर्देश और बाजार की बदलती जरूरतों को समझते हुए उठाए गए ये कदम आंचल को उत्तराखंड के सफल सहकारी ब्रांडों की अग्रणी सूची में ला खड़ा करते हैं।

सरकारी कार्यक्रमों में आंचल के उत्पाद

राज्य सरकार द्वारा आंचल उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु कई प्रशासनिक निर्णय भी लिए गए। उत्तराखंड के मुख्य सचिव द्वारा निर्देश जारी किए गए कि अब से सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों में आंचल ब्रांड के दूध और दुग्ध उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। इस निर्णय का उद्देश्य सहकारिता मॉडल को मजबूती देना, स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को सुनिश्चित बाजार उपलब्ध कराना और राज्य के राजस्व को आंचल जैसे घरेलू ब्रांडों के माध्यम से सुदृढ़ करना था। इसके अलावा, आंचल ने अपने ऑनलाइन स्टोर और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है। राज्य के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में अब आंचल वैन और होम डिलीवरी सेवाएं चालू हैं, जिससे उपभोक्ताओं की पहुंच आसान हुई है।

टेट्रा पैक से लेकर शहद तक का सफर

आंचल डेयरी ने इस अवधि में उत्पाद विविधता पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया। जुलाई 2023 में मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा टेट्रा पैक दूध, छाछ और लस्सी को लॉन्च किया गया। यह पहली बार था जब उत्तराखंड की कोई सहकारी डेयरी इकाई अपने उत्पादों को टेट्रा पैक के माध्यम से बाजार में लेकर आई। इस कदम का उद्देश्य उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाना, लंबी दूरी की आपूर्ति संभव बनाना, और उपभोक्ताओं को साफ-सुथरा व सुविधाजनक विकल्प प्रदान करना था। इसके अलावा, इस पहल से राज्य के दुग्ध उत्पादकों को बेहतर दाम और स्थायी मांग मिलने की संभावना बनी। वर्ष 2024 में आंचल डेयरी ने शहद और 6 किलोग्राम दूध पैकेजिंग जैसे नए उत्पाद लॉन्च किए। नैनीताल दुग्ध संघ द्वारा तैयार इन उत्पादों को किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए नई आजीविका का स्रोत बताया गया। साथ ही, इन उत्पादों की बिक्री को राज्य के पर्यटन स्थलों और शहरी बाजारों में बढ़ावा मिला।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

पत्रांक: 2220-22/पीएस0-पत्रा0/2025-26

AANCHAL
उत्तराखण्ड सहकारी डेरी फैडरेशन लि०
मंगल पड़ाव, हल्द्वानी-263139
फोन/फैक्स नं0: 05946-255867, 255358
Email id: ucdfltd@gmail.com

सेहत के लिए उपहार, खुशियों का भंडार, आंचल का परिवार

1. प्रदेश में फैडरेशन द्वारा 'आंचल ब्राण्ड' का टेट्रा पैक तरल दूध, लस्सी, क्रीम एवं छांछ आदि को शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
2. फैडरेशन द्वारा 06 प्रकार की आंचल आईसक्रीम 42 प्रकार के अलग-अलग फ्लेवर में पैकिंग कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जा रही है।
3. दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 75 प्रतिशत अनुदान पर साईलेज एवं 50 प्रतिशत अनुदान पर भूसा पशु चारा के रुप में मुहैया कराई जा रही है।
4. जायका योजना के अन्तर्गत ग्राम स्तर पर साइलेज बनाने का प्रशिक्षण, प्रदर्शन, हरा चारा विकास एवं जागरुकता कार्यक्रम, चौफकटर, साइलोबंकर व साइलेज बनाने हेतु बैग वितरण आदि कार्य किए जा रहे हैं।
5. यूसीडीएफ0 द्वारा स्पेशल उत्पाद के रुप में बद्री काउ घी व पहाड़ी घी तैयार कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, जो जनपदीय दुग्ध संघों से सीधे एवं ऑन लाईन फ्लिपकार्ट, अमेजन व फैडरेशन की वैबसाईट से क्रय किया जा सकता है।
6. आंचल ब्राण्ड का शुद्ध शहद उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
7. यू0सी0डी0एफ0 द्वारा मुख्यमंत्री 'आंचल अमृत योजनान्तर्गत आंगनबाड़ी, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को फोर्टिफाइड मीठा सुगन्धित दुग्ध चूर्ण उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है।
8. केन्द्र पोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, एन0पी0डी0डी0 के अन्तर्गत दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण कार्य किया जा रहा है।
9. जायका योजना के अन्तर्गत व्यवसायिक पशुचारा उत्पादन हेतु वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

(इं0 आर0एम0 तिवारी)
सामान्य प्रबंधक (प्रशा0)

एमडीडीए की उपलब्धियाँ सस्ते घरों से अवैध निर्माण नियंत्रण तक

एम. फहीम 'तन्हा'

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण पहलों को अंजाम दिया है, जिनका उद्देश्य निम्न आय वर्ग को सुलभ आवास प्रदान करना, अवैध निर्माण पर लगाम लगाना तथा नक्शा पासिंग प्रक्रिया में सुधार लाना रहा है।

सस्ते एवं सुलभ आवास परियोजनाएँ

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने आवासीय योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राधिकरण ने पारदर्शी, पर्यावरण अनुकूल और आमजन केन्द्रित योजनाओं को प्राथमिकता दी है। एमडीडीए ने इस अवधि में अति विक. सित और अविकसित दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास की दिशा में काम करते हुए कई नई हाउसिंग स्कीमें शुरू कीं। इनमें ऋषिकेश, जोगीवाला, प्रेमनगर, सहस्त्रधारा रोड और डोईवाला क्षेत्र की आवासीय योजनाएं प्रमुख हैं, जिनमें मध्यम व निम्न आय वर्ग के लिए किफायती दरों पर भूखंड और मकान आवंटित किए गए।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा पिछले चार वर्षों में अब तक अवैध निर्माणों और प्लाटिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। इस अवधि में प्राधिकरण ने न केवल सैकड़ों अवैध इमारतों को सील किया, बल्कि हजारों बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को भी ध्वस्त किया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देहराद. ून और मसूरी क्षेत्र में 600 से अधिक अवैध निर्माणों की पहचान की गई, जिनमें से कई को सील किया गया। इसी वर्ष जाखन और डोईवाला क्षेत्रों में अवैध रूप से निर्मित कई दुकानों और बहुमंजिला इमारतों पर बुलडोजर चला। ऋषिकेश में चल रही अवैध निर्माण गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एमडीडीए ने 14 निर्माणाधीन इमारतों को सील किया। रिस्पना नदी के किनारे 59 अवैध घरों को ध्वस्त किया गया, जो वर्ष 2016 के बाद बिना अनुमति के बनाए गए थे। शिमला बाईपास, तुन्तोवाला, बडोवाला और धर्मावाला क्षेत्रों में लगभग 5000 बीघा भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग को रोका गया।

> "हमारा लक्ष्य है कि देहरादून को अव्यवस्थित निर्माण से मुक्त कर एक संतुलित और सुव्यवस्थित शहरी विकास मॉडल प्रस्तुत किया जाए। इसके लिए एमडीडीए पारदर्शी प्रक्रिया के साथ आवासीय योजनाएं ला रहा है, जिससे आम नागरिकों को भी भरोसा हो..."
>
> **बंशीधर तिवारी, उपाध्यक्ष, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण**

उपाध्यक्ष बंशीधार तिवारी के नेतृत्व में पहल

साफ झलकती है वीसी की त्वरित एक्शन की कार्यशैली

एमडीडीए के वीसी बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल किया गया, साथ ही ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से प्लॉट्स की पारदर्शी बिक्री सुनिश्चित की गई। आवंटन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दलाली या अनियमितता रोकने के लिए डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। एमडीडीए ने पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए ग्रीन जोन आधारित विकास और सोलर पॉवर उपयोग प्रोत्साहन जैसे पहल भी शुरू की हैं। इसके अलावा, योजनाओं में सामुदायिक पार्क, जल संचयन प्रणाली, और हरित क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।प्राधिकरण के अनुसार, आगामी समय में स्मार्ट कॉलोनियाँ, सस्ती दरों पर अपार्टमेंट योजनाएं, और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए विशेष आवास योजना भी प्रस्तावित है।एमडीडीए ने 2022, 2025 के बीच न केवल अवैध निर्माण पर शिकंजा कसा, बल्कि आवासीय योजनाओं में भी संरचित, पारदर्शी और जनख़हितैषी सुधार किए। उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के नेतृत्व में प्राधिकरण ने आम नागरिकों के विश्वास को पुनः प्राप्त करते हुए शहरी विकास को नई दिशा दी है।

नक्शा पास करने की प्रक्रिया में सुधार

एमडीडीए ने विगत वर्षों में नक्शा पासिंग प्रक्रिया में व्यापक सुधार करते हुए इसे पूरी तरह ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बना दिया है। इन पहलों के तहत अब भवन नक्शा स्वीकृति के लिए नागरिकों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। ऑनलाइन मैप अप्रूवल सिस्टम के माध्यम से नक्शा जमा करना, स्थिति ट्रैक करना और अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया है। साथ ही, नक्शा पासिंग की प्रक्रिया को 7 से 15 कार्यदिवस के भीतर पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की गई है। पंजीकृत आर्किटेक्ट्स के लिए अलग लॉगिन पोर्टल, एसएमएस/ईमेल अलर्ट,

और जीआईएस आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का समावेश कर प्राधिकरण ने प्रक्रिया को दक्ष और जवाबदेह बनाया है।

पर्यटन का नया तीर्थ बना देवभूमि

तौसीफ कुरैशी

राज्य गठन के बाद पर्यटकों की आमद में जबरदस्त इजाफा

राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई

देवभूमि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों और साहसिक पर्यटन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है। साल 2000 में उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहाँ पर्यटन का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। आँकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि बीते 24 वर्षों में उत्तराखंड पर्यटन ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। उत्तराखंड अब केवल तीर्थाटन का केंद्र नहीं, बल्कि एडवेंचर, नेचर, योग, वेलनेस और वन्यजीव पर्यटन का भी वैश्विक हब बन चुका है। राज्य बनने के बाद सड़कों, हवाई संपर्क, होटल व होम-स्टे योजनाओं और प्रचार-प्रसार ने इस उछाल में अहम भूमिका निभाई। देवभूमि उत्तराखंड आज सचमुच पर्यटन का नया तीर्थ है, जहाँ हर साल करोड़ों कदम श्रद्धा, रोमांच और सुकून की तलाश में आते हैं।

2000 में स्थिति

सन् 2000 में, जब उत्तराखंड नया-नया राज्य बना था, यहाँ कुल मिलाकर लगभग 1.11 करोड़ पर्यटक पहुँचे थे। इनमें अधिकतर घरेलू यात्री थे जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 56 हजार के आसपास थी।

लगातार बढ़ता ग्राफ

- 2005 तक यह आँकड़ा लगभग 1.63 करोड़ पर पहुँच गया है।
- 2010 आते-आते पर्यटकों की संख्या 3.11 करोड़ हो गई।
- 2015 में यह बढ़कर 2.94 करोड़ पर पहुँची और
- 2019 में पर्यटन ने चरम छुआ, 3.92 करोड़ से ज्यादा लोग उत्तराखंड आए।

यानी राज्य बनने के दो दशक में पर्यटन में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई।

कोविड का असर और फिर वापसी

2020 में कोरोना महामारी की वजह से पर्यटन पर गहरा असर पड़ा और केवल 78 लाख लोग ही राज्य पहुँच पाए। लेकिन जैसे ही हालात सामान्य हुए,

- 2022 में फिर से 5.39 करोड़ पर्यटक आए।
- 2023 में 5.96 करोड़।
- और 2024 में रिकॉर्डतोड़ 5.95 करोड़ से अधिक लोग उत्तराखंड पहुँचे।

राज्य गठन से अब तक वर्षवार उत्तराखण्ड पहुंचे पर्यटकों का विवरण

वर्ष	देशी	विदेशी	कुल
2000	11078814	56766	11135580
2001	10548784	54701	10603485
2002	11652018	55974	11707992
2003	12929593	63499	12993092
2004	13830045	74761	13904806
2005	16280765	92744	16373509
2006	19358453	96264	19454717
2007	22154250	106150	22260400
2008	23064170	112423	23176593
2009	23154214	118243	23272457
2010	30972134	136459	31108593
2011	26665753	142687	26808440
2012	28329686	140524	28470210
2013	21028010	103596	21131606
2014	22520097	109948	22630045
2015	29295152	111094	29406246
2016	31663782	112799	31776581
2017	34581097	142102	34723199
2018	36697678	154526	36852204
2019	39066776	158964	39225740
2020	7836002	38763	7874765
2021	20002705	15410	20018115
2022	53916849	64489	53981338
2023	59488189	148412	59636601
2024	59373869	176408	59550277

वन्यजीव पर्यटन की नई पहचान

उत्तराखंड केवल धार्मिक और प्राकृतिक ही नहीं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन का भी केंद्र बना है। यहाँ के राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

- कॉर्बेट नेशनल पार्क

- 2000 में यहाँ केवल 61 हजार लोग आए थे।
- 2019 में यह संख्या बढ़कर 2.83 लाख हो गई।
- 2024 में कॉर्बेट आए पर्यटकों की संख्या 3.61 लाख रही, जिनमें 10,120 विदेशी शामिल थे। यानी यहाँ विदेशी पर्यटकों की भारी मौजूदगी दर्ज की गई।

पर्यटकों की खास पसंद बने कई स्थल

हरिद्वारः हर वर्ष सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार ही आए

- 2000 में हरिद्वार में करीब 53 लाख लोग आए थे।
- 2019 तक यह संख्या 2.17 करोड़ हो गई।
- 2024 में हरिद्वार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, 3.49 करोड़ यात्री यहाँ पहुँचे।

ऋषिकेश व नैनीताल विदेशी पर्यटकों के लिए खास पसंद बने। योग, गंगा आरती और हिमालयी अनुभवों ने ऋषिकेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया।

- 2024 में ऋषिकेश आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,857 रही।
- वहीं नैनीताल में 9,537 विदेशी पर्यटक पहुँचे।

टिहरी झील और एडवेंचर टूरिज्म ने टिहरी को नई पहचान दी।

- केवल 2024 में ही यहाँ 58,855 विदेशी पहुँचे, जो सभी स्थलों में सबसे अधिक था।

राजाजी नेशनल पार्क

देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार के बीच फैला राजाजी नेशनल पार्क भी रोमांचक अनुभव का केंद्र है। यद्यपि यहां आने वाले पर्यटकों का आँकड़ा अलग से दर्ज नहीं किया जाता। मगर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, जिनकी संख्या हरिद्वार और ऋषिकेश के आँकड़ों का हिस्सा बनकर सामने आती है। अनुमान है कि हर वर्ष यहाँ लाखों पर्यटक सफारी और वन्यजीव दर्शन के लिए पहुँचते हैं।

पर्यटन को राज्य गठन ने दी नई पहचान

आँकड़ों की सीधी तुलना बताती है

- 2000 में कुल 1.11 करोड़ पर्यटक
- 2024 में कुल 5.95 करोड़ पर्यटक

यानी राज्य बनने के बाद पर्यटन में पाँच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

SIDDHARTHA GROUP OF INSTITUTIONS
SIDDHARTHA GROUP OF INSTITUTIONS Estd. 2003
COURSES OFFERED / ADMISSION OPEN

Mr. Durga Prasad Verma
Chairman

Siddhartha Law College
Affiliation & Approval: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (Govt. University of Uttarakhand) & Bar Council of India, New Delhi
BA-LL.B. - 5 yrs.
BBA-LL.B - 5 yrs.
LL.B. - 3 yrs.
LL.M. - 2 yrs.

Siddhartha Institute of Pharmacy
Affiliation: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University (Govt. University of Uttarakhand) & Pharmacy Council of India, New Delhi.
D.Pharma - 2 yrs.
B.Pharma - 4 yrs.
B.Pharma (LE) - 3 yrs.
M.Pharma - 2 yrs.
Pharmaceutics, Pharmacology and Pharma Chemistry

Siddhartha Nursing Education & Research Institute
Affiliation & Approval: HNB Medical University, Uttarakhand Nursing Council, Dehradun and Medical Education Department, Govt. of Uttarakhand
Basic B.Sc. Nursing
4 Years (Degree Course)
Post Basic B. Sc. Nursing
2 Years (Degree Course)

Mr. Abhishek Verma
Vice Chairman

Near I.T. Park, Sahastradhara Road, Dobachi Road, Dehradun-248001 (Uttarakhand)
0135-2607784, 2607787 (Office), 9456596313, 9760434646 (Law)
9456596308, 9456596314 (Pharmacy), 9456596371, 9456596381 (Nursing)
www.siddharthagroup.co.in

St. Xavier's School
St. Xavier's School PER ASPERA AD ASTRA DEHRA DUN ESTD 1995
Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi
Co-Educational
(Playgroup to XII)
Registration & Admission Open
Classes
Playgroup to IX & XI
For Session (2025-26)
School Transport Facility Available
Dhoran Khas, (Near Canal Road Bridge), Dehradun
Mob: 9456596319, 9456596320
www.stxavier.co.in

The Himalayan Public School
THE HIMALAYAN PUBLIC SCHOOL DEHRA DUN LEARN TO SERVE ESTD. 2004
Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi
(Under the aegis of The Siddhartha Group of Institutions)
Co-Educational
(Nursery to XII)
Registration & Admission Open
Classes
Nursery to IX & XI
For Session (2025-26)
School Transport Facility Available
Kargi Grant, Chander Vihar, Patel Nagar Thana Road Kargi, P.O. Banjarawala, Dehradun
Mob: 9027203873, 7017614683
www.thehimalayanpublicschool.com

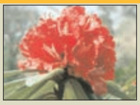

हमारी ताकत... तीन राज्य, आठ संस्करण, 19.52 लाख पाठक

उत्तराखण्ड-गढ़वाल संस्करण (देहरादून)

एम फहीम 'तन्हा'
एस आलम अंसारी
मौहम्मद शाहनज़र
मयूर गुप्ता
इमरान चौधरी
नवीन बधानी
विकासनगर:-एसएम आसिम, महेंद्र तोमर
चकराता:-विक्रम सिंह तोमर, संजय वर्मा
मसूरी:-अभीषेक सक्सेना
डोईवाला:-संजय अग्रवाल, सलमान राव
हरिद्वार:-डी एस वर्मा
रूडकी:-अख्तर मलिक
पौड़ी:-त्रिभूवन उनियाल
श्रीनगर:-देवेंद्र गौड, सूदेश गौड
कोटद्वार:-गोरव गोदियाल
उत्तरकाशी:- चिरंजीव सेमवाल
बडकोट:-सचिन रावत व संदीप चौहान
टिहरी:- जय प्रकाश पाण्डेय
रूद्रप्रयाग:-रोहित डिमरी
चमोली/गोपेश्वर:-रणजीत नेगी
गोचर:-देवेंद्र गुंसाई

उत्तराखण्ड-कुमाऊं संस्करण (हल्द्वानी)

नैनीताल-अफजल हुसैन फौजी
हल्द्वानी-शाहवेज खान, दीपक भण्डारी, डॉ.ए.एन तिवारी व आसिम जमाल
लालकुआं-मोहन जोशी, मनोज जोशी, रंजीत कुमार
बिन्दुखत्ता-जीवन गोस्वामी
कालाढुंगी-शाकिर हुसैन
अल्मोड़ा-नसीम अहमद
बागेश्वर-महीप पाण्डे
काशीपुर-नवीन अरोरा
शांतिपुरी-आकाश मेहता
रानीखेत-बलवंत रावत
उधमसिंह नगर-उस्मान अली
सुल्तानपुर-मौ.आशिक
बाजपुर-मौ. नौशाद
रूद्रपुर-कमल सुयाल, मौ. समी, समी आलम
खटीमा-मुस्तकीम मलिक
नानकमत्ता-राजीव सक्सेना
सितारगंज-धर्मेन्द्र चौधरी
किच्छा-अब्दुल राही तंहा
शक्तिफॉर्म-विक्की मंडल
चंपावत-जीवन सिंह बिष्ट
टनकपुर-आबिद हुसैन

मुख्यालय

स्थानीय सम्पादक-चेतन गुरूंग
तौसीफ कुरैशी
ज़िया अब्बास ज़ैदी
आजम खान
शाहनूर राणा
अफसार अहमद
मौ. शारिक
रोहिताश वर्मा
नसीम राणा

कार्यकारी सम्पादक:-
आनन्द बत्रा 'सुमन'

बनबसा-अर्जुन कुमार
लोहाघाट-गणेश पाण्डे
पिथौरागढ़-खालिद पाशा
जसपुर-शरीफ खान
बाजपुर-सलमान
गदरपुर-उमर अली
रामनगर-नदीम वारसी

उत्तर प्रदेश

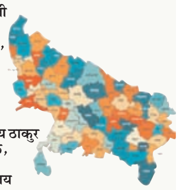

लखनाऊ-विरेश तरार
सहारनपुर-अबु बकर शिब्ली
देवबंद-अतहर उस्मानी
मुजफ्फर नगर-शरद गोयल, नसीम कुरैशी
मीरांपूर-नलिन वर्मा,
खतोली- आशीष सैनी
शामली-नसीम सैफी
बागपत-चांद मिया
मेरठ- शाहवेज खान, अजय ठाकुर
गाजियाबाद-नोशाद मलिक,
मोदीनगर-विनय कुमार
नोएडा-प्रवेश चौधरी व संजय त्यागी
अलीगढ़-प्रदीप शर्मा
बुलंदशहर-मौ. नईम खान
हापुड़-चांद मिया, बिजनोर-समीउल्लाह
नजीबाबाद-सोनू आदित्य, धामपूर-अभीषेक गुप्ता
मुरादाबाद-जितेंद्र जैन, ठाकुरद्वारा-सतीश चौधरी
बरेली-इरफान मुनीम,
रामपुर-इमरान हुसैन
पीलीभीत-विकास दीक्षित
संभल-मुजफ्फर हुसैन, बहजोई-राशिद अली
चंदोसी- सक्सेना
अमरोहा-नासिर अली
मथूरा-खलील अहमद
बदायूं-कामिल खान
दिल्ली-सफदर अली व राम गौपाल

सभी देश व प्रदेश वासियों को शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

- ★ सभी व्यापारी अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहें
- ★ छोटे व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा दुकान से खरीदारी करें।
- ★ समय पर जीएसटी का भुगतान किया जाए, जिससे कि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।
- ★ संगठन की शक्ति सदस्य हैं और सभी व्यापारी संगठन की मजबूती के लिए भी कार्यरत रहें

प्रतीक कालिया शर्मा
महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी
ऋषिकेश
महामंत्री
नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, ऋषिकेश

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित। सम्पादक: एस.एन. राना, *कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन', देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून, 0135-2743363, R.N.I. No.UTTHIN 2001/05656, 'मोबाइल-9720007290, www.shahtimesnews.com, ' *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों/लेखों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सरोवर नगरी का 'शाह टाइम्स'

ढाई दशक का स्वर्णिम सफर, बना जन-जन की आवाज

नैनीताल। उत्तराखंड की शांत सरोवर नगरी नैनीताल में 'शाह टाइम्स' ने अपने ढाई दशक के पत्रकारिता के सफर को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है। इस प्रमुख समाचार पत्र ने न केवल स्थानीय मुद्दों को मुखरता से उठाया है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर अपनी गहरी पैठ बनाई है।

ऐसे दौर में, जब अखबारी दुनिया का दायरा क्षेत्रीय स्तर तक सिमटता जा रहा है, 'शाह टाइम्स' ने नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों की आवाज को प्रदेश स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने स्थानीय जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनकर खुद को स्थापित किया है।

अफजल फौजी

एक स्थानीय व्यवसायी रमेश चंद्र ने इस अखबार के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'शाह टाइम्स' ने हमेशा हमारी स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि हमारी आवाज है जिसे प्रदेश स्तर पर सुना जाता है। सामाजिक, राजनैतिक और व्यावसायिक वर्गों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के कारण इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। यही वजह है कि यह समाचार पत्र पाठकों का प्रिय बन चुका है।

अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए, 'शाह टाइम्स' ने नगर की हर छोटी-बड़ी समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया है और शासन-प्रशासन को उनसे अवगत कराकर समाधान की दिशा में प्रयास किए हैं। नैनीताल के एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के नाते, 'शाह टाइम्स' ने यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों की आमद को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रबंधन ने भविष्य में भी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके साथ ही, ऐतिहासिक सरोवर नगरी की समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत रखने में भी समाचार पत्र का योगदान उल्लेखनीय रहा है। यहाँ के तीज-त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों को कलम के माध्यम से उजागर कर इसने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। शिक्षाविद् डॉ. अंजलि शर्मा के अनुसार, 'नैनीताल को शिक्षा का गुरुकुल कहा जाता है, जिसकी महत्ता ब्रिटिशकाल से चली आ रही है। शाह टाइम्स ने इस शशिक्षा के मंदिरश की गरिमा को बनाए रखने और इसके प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय सहयोग दिया है।'

नगर की सामाजिक सौहार्द की अनूठी पहचान देश-विदेश में है। 'शाह टाइम्स' ने इस पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में भी अपना दायित्व प्रमुखता से निभाया है। अखबार प्रबंधन ने पाठकों के निरंतर स्नेह और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि शशाह टाइम्सश आगे भी शपत्र नहीं, मित्रश के अपने आदर्श वाक्य के साथ जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहेगा।

उत्तराखंड में एयरपोर्ट व एयर स्ट्रिप की सूची

1. देहरादून जौलीग्रांट एयरपोर्ट- स्थानः देहरादून (जौलीग्रांट)-स्थितिः यह राज्य का प्रमुख व सबसे व्यस्त घरेलू एयरपोर्ट है, जिसमें नया टर्मिनल अक्टूबर 2021 में खोला गया था। 2. पंतनगर एयरपोर्ट-स्थानः पंतनगर, उधम सिंह नगर जिला (कुमाऊं क्षेत्र)-स्थितिः यह एक घरेलू विमानक्षेत्र है और कुमाऊं क्षेत्र का मुख्य प्रवेश मार्ग है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में परिवर्तित करने की योजना है। 3. नैनी सैनी एयरपोर्ट (पिथौरागढ़)-स्थानः पिथौरागढ़ (नैनी-सैनी)-स्थितिः यह घरेलू एयरपोर्ट है, जो UDAN योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। हाल ही में यहां से नियमित उड़ानें शुरू हुई हैं। 4. भारकोट (चिन्यालीसौड़) एयरस्ट्रिप, स्थानः चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी जिला-स्थितिः इसे मां गंगा या धरासू एयरपोर्ट भी कहा जाता है। वर्तमान में यह आईएएफ द्वारा एक एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के रूप में उपयोग होता है। 5. गौचर एयरस्ट्रिप-स्थानः गौचर, चमोली जिला,स्थितिः यह एक एयरस्ट्रिप है यह एयरस्ट्रिप चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाओं हेतु उपयोग की जाती है।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि
उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि. विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि.

विद्युत समस्याओं के निवारण हेतु
1912 (टोल फ्री)
पर कॉल करें।

सार्वजनिक सूचना

- सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित करना है कि वे अपने विद्युत बिलों का Online भुगतान उपाकालि की वेबसाईट www.upcl.org के माध्यम से कर सकते हैं।
- उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड की वेबसाईट पर विद्युत बिलों का Online भुगतान निम्नलिखित मोड से किया जा सकता है : 1 क्रेडिट कार्ड (Credit card) 2 डेबिट कार्ड (Debit card) 3 नेट बैंकिंग (Net Banking)
- विद्युत बिलों का Online भुगतान प्रदेश के समस्त उपभोक्ता कर सकते हैं।
- उपाकालि से बिल सम्बन्धी अन्य जानकारी SMS के माध्यम से प्राप्त करने के लिए अपना मोबाईल नं0 विद्युत बिल की Counter Foil पर लिखकर उपाकालि के किसी भी कार्यालय में जमा करा सकते हैं अथवा उपाकालि की वेबसाईट पर भी रजिस्टर कर सकते हैं।

राज्य सरकार द्वारा स्थापित सभी कॉमन सर्विस सेन्टरों (सीएससी) पर विद्युत भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। सम्मानित विद्युत उपभोक्ता इसका लाभ उठायें।

निम्न उपभोक्ता सेवा सम्बन्धित आवेदनों के लिए उपाकालि कस्टमर सर्विस सेन्टर आराघर, देहरादून में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।
1. नये संयोजन हेतु 2. नाम स्थानान्तरण हेतु 3. विद्युत भार परिवर्तन हेतु 4. विद्युत प्रकार परिवर्तन हेतु

नीचे दिये गये कोड को 9219503400 पर SMS कर जानकारी प्राप्त करें।

बिल विवरण की सूचना हेतु	BD<space><13 digit Service Connection No.>
बिल भुगतान की सूचना हेतु	PYD<space><13 digit Service Connection No.>
नये संयोजन की स्थिति जानने हेतु	NC<space><12 digit Registration No.>
शिकायत की स्थिति जानने हेतु	CD<space><11 digit Complaint No.>
मोबाईल नं0 पंजीकृत करने हेतु	RMN<space><13 digit Service Connection No.>
13 Digit Service Connection No टाइप करने का तरीका	3 digit खण्ड संकेत + 4 digit बुक संख्या + 6 digit कनेक्शन संख्या

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" "बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें"

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून

पत्रांक संख्या 769/XIII/स्टोर/जि0पं0दे0दून/2025-26 दिनांक 20/08/2025

"जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसायरत व्यवसायियों से अनुरोध है कि जिला पंचायत द्वारा आरोपित वार्षिक विभव एंव सम्पत्ति कर व व्यवसायिक लाईसेन्स का भुगतान समय से जिला पंचायत कार्यालय में जमा करने का कष्ट करें। जिला पंचायत, देहरादून जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हेतु सदैव तत्पर है। साथ ही समस्त व्यवसायियों एंव ग्रामवासियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने घरों के साथ-साथ अपने गाँव को भी स्वच्छ रखें। घरों का कूड़ा नालों एंव सड़कों के किनारे न फेंकें तथा गीला एंव सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के उपरान्त ही निस्तारित करना सुनिश्चित करें एंव अपने गाँव व क्षेत्र को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। सिंगल यूज प्लास्टिक एंव पॉलिथीन का प्रयोग करने से बचें, तथा डेंगू, मलेरिया एंव चिकनगुनिया से बचाव हेतु अपने घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें एंव अपने घरों के आस-पास पानी एकत्रित न होने दें। स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें एंव जनभागीदारी द्वारा अपने गाँव को स्वच्छता में प्रथम बनाने में अपना आवश्यक योगदान दें।'

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, देहरादून।

सौजन्य से

जिला पंचायत, देहरादून।

शाह टाइम्स रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाऐं।

'जल संचय' 'जीवन संचय'

उत्तराखण्ड जल संस्थान
'जल भवन', बी-ब्लॉक नेहरु कॉलोनी, देहरादून

सार्वजनिक अपील

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। कतिपय नगरों/क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं।

इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- पेयजल एवं सीवर में संबंधित शिकायत के लिए 'शिकायत निवारण केन्द्र' टोल फ्री नं0 1916 अथवा 1800-180-4100 से सम्पर्क करें।
- समस्या का कारण मुख्यत: पाइपलाइन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाइप के साथ-साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनेक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस-पास लगे पाइप की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एवं छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।
- विभागीय कर्मचारियों द्वारा जांच के समय यदि व्यक्तिगत कनेक्शन के पाइप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनेक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।
- प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाइन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाइप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।
- यदि देखने में पानी स्वच्छ न हो अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग में लायें। प्राय: जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।
- इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिए हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं।
  1. पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।
  2. पेयजल की बर्बादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अत: कृपया ऐसा न करें।
  3. विभाग को देयकों का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।

देवभूमि में बदला अपराध का स्वरूप

मयूर गुप्ता

देवभूमि में साइबर सेंध: सरिया-सब्बल से साइबर अटैक तक, उत्तराखंड में बदल गई अपराध की 'मोडस ऑपरेंडी'

देवभूमि उत्तराखंड में अपराध की दुनिया ने भी समय के साथ अपनी चाल बदल ली है। कभी जहां चोरों के हाथ में सरिया और सब्बल होता था, आज उनकी उंगलियां कीबोर्ड पर चलती हैं और निशाना सीधे आपके बैंक खाते पर होता है। राज्य गठन के पच्चीस वर्ष पूरे होने के बाद, अपराध के इस डिजिटल कायापलट ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जहाँ परंपरागत चोरों ने अब साइबर अपराधी का चोला ओढ़ लिया है।

ढाई दशक पहले की अपराध तस्वीर

आज से लगभग ढाई दशक पूर्व, जब उत्तराखंड ने एक अलग राज्य के रूप में जन्म लिया था, तब अपराध की तस्वीर काफी सीधी-सादी थी। घरों और दुकानों में चोरी की वारदातें अक्सर किसी टूटे शटर या क्षतिग्रस्त ताले की गवाही देती थीं। चोरों की 'मोडस ऑपरेंडी' (कार्यप्रणाली) में सरिया, सब्बल और हथौड़े जैसे औजार शामिल होते थे, जिनसे वे भौतिक रूप से सेंधमारी करते थे। रात के अंधेरे में, शांत वादियों में, ऐसी वारदातें अक्सर ग्रामीणों और छोटे कस्बों के व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बनती थीं।

दीपम सेठ, डीजीपी

तकनीक ने बदली अपराध की राह: अपराधियों का 'डिजिटल अपग्रेड'

देहरादून। लेकिन, समय के चक्र ने तेजी से घूमना शुरू किया। देश में आधुनिकता की लहर आई और तकनीक ने हर क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई, तो अपराधी भी भला कैसे पीछे रहते? उन्हें भी यह आभास हो गया कि सरिया और सब्बल से दुकानों के शटर और घरों के ताले तोड़ने वाले चोर, आधुनिकता के इस दौर में अपने परंपरागत अपराध के पेशे में पिछड़ जाएंगे। यह एक ऐसी क्रांति थी जिसने अपराधियों को भी अपग्रेड होने पर मजबूर कर दिया।

अपराधियों को किसी सूरत में पैर पसारने नहीं दिया जाएगा: राजीव स्वरूप

देहरादून। गढ़वाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने बताया कि रेंज के अंदर अपराधियों को पैर पसारने की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अपराध को अंजाम देने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कह रखा है कि अपराधी चाहे वह कितनी भी पहुंच वाला क्यों न हो और राजनीति में उसकी कितनी भी दखल हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी गढ़वाल रेंज के सभी सातों जिलों के एसएसपी और एसपी व सभी क्षेत्राधिकारियों के निर्देश दें रखे है कि अगर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई अपराधिक वारदात घटित होती है तो तत्काल मौके का निरीक्षण कर उसकी जानकारी से उन्हे भी अवगत करवाएं।

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने कहा कि अपराध करने वाले की जगह या तो जेल में है या फिर वह अपने किए का स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने एक साक्षत्कार के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि अपराध करने वाले का कोई धर्म और जाति नहीं होती वह एक अपराधि होता है और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाएगा जैसा एक अपराधि के साथ किया जाएगा।

देहरादून पुलिस के लिए नई चुनौती: अदृश्य दुश्मन से मुकाबला

देहरादून। सीसीटीवी कैमरों की बढ़ती संख्या, मोबाइल सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स की अनिवार्यता ने अपराधियों की पुरानी योजनाओं पर पानी फेर दिया। अब ताला तोड़ने या शटर उखाड़ने की कोशिश करना, पकड़े जाने का सीधा निमंत्रण था। पुलिस की मुस्तैदी और तकनीक के उपयोग ने परंपरागत चोरों के लिए मैदान तंग कर दिया। इसी मोड़ पर अपराध की दुनिया ने एक नई करवट ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्पहले हमें चोरों का पीछा भौतिक रूप से करना पड़ता था, उनकी पहचान के लिए मुखबिरों पर निर्भर रहना

पड़ता था। अब चुनौती डिजिटल है। साइबर अपराधी अदृश्य दुश्मन की तरह हैं, जो कहीं भी बैठकर किसी को भी निशाना बना सकते हैं। यह हमारे लिए एक पूरी तरह से नया युद्धक्षेत्र है।

साइबर अपराधों का बढ़ता जाल और नए हथियार

अपराध की इस दुनिया में एक सीढ़ी और आगे चढ़ते हुए, शातिर चोरों ने साइबर अपराधों की दुनिया में कदम रखा। जनता के बैंक खातों और निजी विवरण को साइबर अटैक के जरिए हैक करने का प्रचलन तेजी से बढ़ा। फिशिंग, स्पूफिंग, ओटीपी फ्रॉड और मालवेयर अटैक जैसे नए हथियार उनके तरकश में शामिल हो गए। उत्तराखंड की शांत छवि के विपरीत, साइबर अपराधियों को यहाँ की डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन लेनदेन में बढ़ती रुचि ने एक श्उपजाऊ भूमिश प्रदान की, जहाँ वे आसानी से भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना सकते थे।

देहरादून में अपराधियों के हौसलों को हर सूरत में किया जाएगा पस्त: अजय सिंह

देहरादून। देहरादून जनपद के अंदर अगर कोई व्यक्ति आपराधिक चोला ओढ़कर यहां के भोले-भाले लोगों को अपनी गुण्डागर्दी के बल पर उनसे लूटपाट करना, डकैती की वारदात को अंजाम देना और उनसे उगाही करने की सोच रखता है तो यह सोच उसकी आखिरी सोच होगी। जनपदवासियों को अपराधियों से सुरक्षा प्रदान करना खाकी का कर्तव्य है और खाकी पहनकर आम जनमानस और महिलाओं की सुरक्षा करने वाले मित्र पुलिस के अधिकारी और जवान अपने कर्तव्य से पीछे हटने वाले नहीं है। यह कहना है देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह का। **शाह टाइम्स** के रजत जयंती पर अपनी बेबाक टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि दून पुलिस अपराधियों के लिए काल है और अगर कोई अपराधी यह सोचता है कि देहरादून को अपनी शरणस्थली बनाकर अपराध कर आराम से अपना जीवन व्यतीत करेगा तो यह उसकी गलत सोच है। अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाने और अपराधी को शरण देने का काम करने वालों को कानून के दायर में रहकर उसकों सबक सिखाते हुए सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा का दायित्व भी पुलिस के कंधों पर है और मित्र पुलिस के जवान महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं।

उत्तराखंड में 'डिजिटल अरेस्ट' का आतंक: साइबर ठगी के मामले बढ़े

देवभूमि उत्तराखंड में साइबर अपराधों ने जिस तरह से अपनी जड़ें जमाई हैं, उससे राज्यवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। विशेषकर शडिजिटल अरेस्टश के नाम पर डरा-धमकाकर लाखों रुपये ठगने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राज्य के सभी जनपदों से कार्रवाई के लिए करीब 200 साइबर अपराध के मामले भेजे गए हैं। इनमें से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 105 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। पूरे प्रदेश में साइबर ठगों के खिलाफ 61 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनमें 39 अपराधियों को देश के विभिन्न राज्यों से दबोचा गया। इसके अतिरिक्त, 10 को वारंट भेजकर तलब किया गया और 56 को नोटिस तामील कराए गए। साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट के अलावा, ऑनलाइन ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट, फेसबुक फ्रेंड, गिफ्ट, इंश्योरेंस फ्रॉड, यूट्यूब लाइक, लोन ऐप और ऐप डाउनलोड के जरिए ठगी के मामले भी काफी तेजी से बढ़े हैं। इन बढ़ती चुनौतियों से निपटने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

बढ़ते आंकड़े

देहरादून। बीते पांच वर्षों में उत्तराखंड में साइबर अपराध के हैरतअंगेज आंकड़े दर्ज हुए हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि अपराध का यह नया चेहरा कितना भयावह होता जा रहा है। ये आंकड़े न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि किस तरह अपराधियों ने अपनी रणनीति को सूक्ष्म और तकनीकी रूप से उन्नत कर लिया है। अब पीड़ित को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उसकी निजी जानकारी भी खतरे में पड़ जाती है, जिससे मानसिक परेशानी और पहचान चोरी का खतरा भी बढ़ जाता है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनौती का

इमरान चौधरी

सामना करने के लिए पुलिस और जनता दोनों को ही अधिक जागरूक और तकनीकी रूप से सशक्त होना पड़ेगा।

भयावह परिणाम और आगे की राह

साइबर अपराध केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामा. जिक मुद्दा भी बन गया है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान और तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उत्तराखंड, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है,

अब अपराध के एक नए मोर्चे पर खड़ा है। यह समय की मांग है कि हम इस डिजिटल अंधकार से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करें, ताकि देवभूमि की शांति और सुरक्षा अक्षुण्ण बनी रहे

प्रदेश में तेजतर्रार अधिकारियों की तैनाती

देहरादून। मित्र पुलिस अधिकारियों की रणनीति की प्रदेश को अपराध मुक्त करना है ने अमली जामा पहनना प्रारंभ कर दिया। उत्तराखंड की सीमाओं से लगती उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर बनी कोतवालियों और थाने पर तेजतर्रार इंस्पेक्टरों और दरोगाओं की तैनाती की जाने लगी और इसका सीधा असर दिखाई देने लगा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश और अन्य जनपदों के कुख्यात डकैत और लुटेरे या तो पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने लगे या फिर उन्हे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

उत्तराखंड पुलिस के मुखिया के तौर पर कार्यभार संभालने वाले तेज तर्रार आईपीएस अधिकारियों निवर्तमान पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार और प्रदेश के कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने कार्यभार संभालते ही बदमाशां को खुली चुनौती दी। अशोक कुमार ने तो अपने कार्यकाल में स्पष्ट कहा था कि बदमाश या तो प्रदेश छोड़कर चले जाए या फिर यमराज से मिलने को तैयार रहे। इसी चेतावनी को कार्यवाह पुलिस महानिदेशक रहे अभिनव कुमार ने भी दोहराया। उन्होंने भी पदभार संभालते हुए मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दो टूक शब्दों में कहा था कि उत्तराखंड में अपराधियों और उनकों पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि अपराधियों को या तो कानून के दायरे में आना होगा या फिर परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

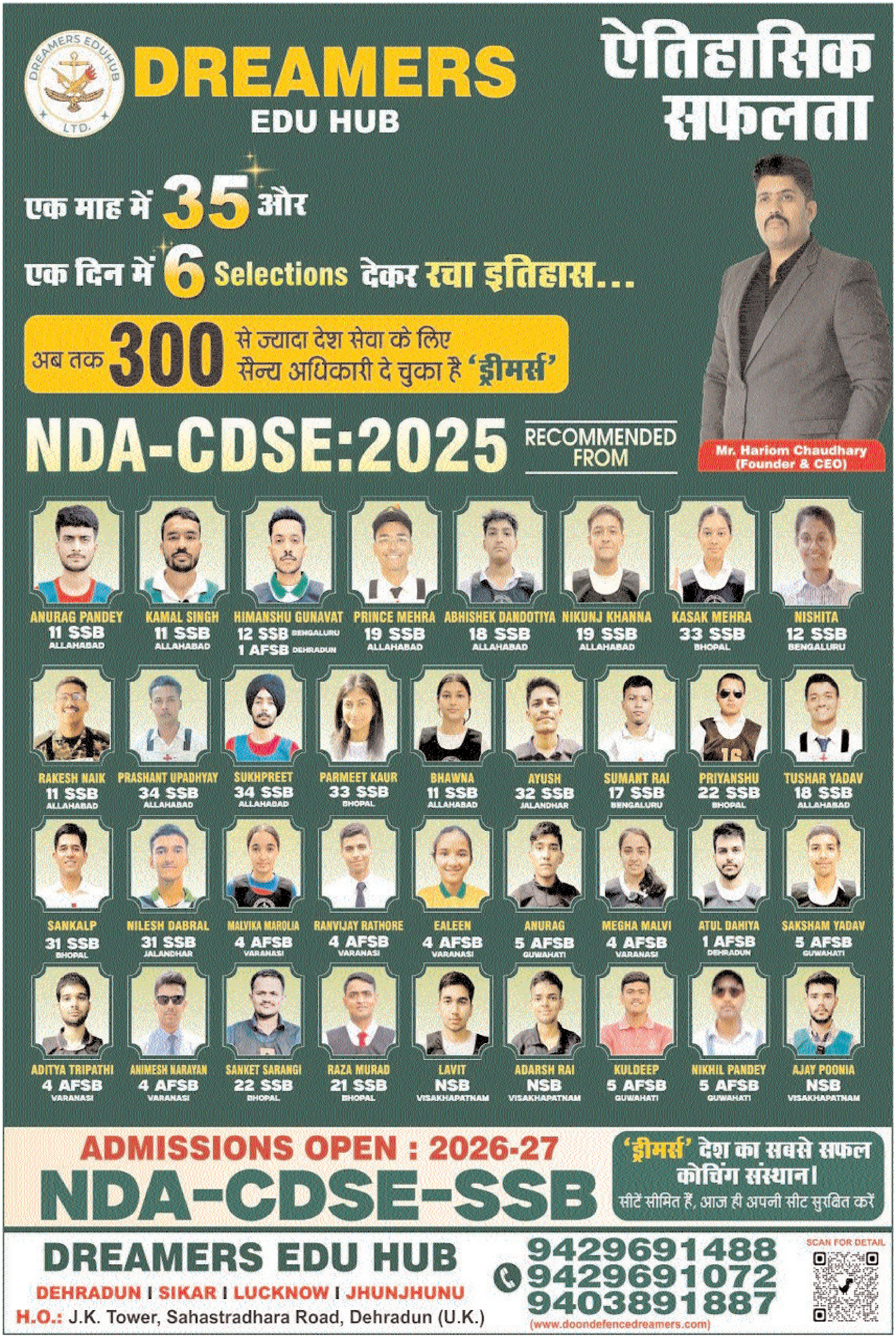
DREAMERS EDUHUB LTD.
DREAMERS
EDU HUB
ऐतिहासिक सफलता
एक माह में 35 और
एक दिन में 6 Selections देकर रचा इतिहास...
अब तक 300 से ज्यादा देश सेवा के लिए सैन्य अधिकारी दे चुका है 'ड्रीमर्स'
NDA-CDSE:2025
RECOMMENDED FROM
Mr. Hariom Chaudhary (Founder & CEO)
ANURAG PANDEY 11 SSB ALLAHABAD
KAMAL SINGH 11 SSB ALLAHABAD
HIMANSHU GUNAVAT 12 SSB BENGALURU 1 AFSB DEHRADUN
PRINCE MEHRA 19 SSB ALLAHABAD
ABHISHEK DANDOTIYA 18 SSB ALLAHABAD
NIKUNJ KHANNA 19 SSB ALLAHABAD
KASAK MEHRA 33 SSB BHOPAL
NISHITA 12 SSB BENGALURU
RAKESH NAIK 11 SSB ALLAHABAD
PRASHANT UPADHYAY 34 SSB ALLAHABAD
SUKHPREET 34 SSB ALLAHABAD
PARMEET KAUR 33 SSB BHOPAL
BHAWNA 11 SSB ALLAHABAD
AYUSH 32 SSB JALANDHAR
SUMANT RAI 17 SSB BENGALURU
PRIYANSHU 22 SSB BHOPAL
TUSHAR YADAV 18 SSB ALLAHABAD
SANKALP 31 SSB BHOPAL
NILESH DABRAL 31 SSB JALANDHAR
MALVIKA MAROLIA 4 AFSB VARANASI
RANVIJAY RATHORE 4 AFSB VARANASI
EALEEN 4 AFSB VARANASI
ANURAG 5 AFSB GUWAHATI
MEGHA MALVI 4 AFSB VARANASI
ATUL DAHIYA 1 AFSB DEHRADUN
SAKSHAM YADAV 5 AFSB GUWAHATI
ADITYA TRIPATHI 4 AFSB VARANASI
ANIMESH NARAYAN 4 AFSB VARANASI
SANKET SARANGI 22 SSB BHOPAL
RAZA MURAD 21 SSB BHOPAL
LAVIT NSB VISAKHAPATNAM
ADARSH RAI NSB VISAKHAPATNAM
KULDEEP 5 AFSB GUWAHATI
NIKHIL PANDEY 5 AFSB GUWAHATI
AJAY POONIA NSB VISAKHAPATNAM
ADMISSIONS OPEN : 2026-27
NDA-CDSE-SSB
'ड्रीमर्स' देश का सबसे सफल कोचिंग संस्थान।
सीटें सीमित हैं, आज ही अपनी सीट सुरक्षित करें
DREAMERS EDU HUB
DEHRADUN I SIKAR I LUCKNOW I JHUNJHUNU
H.O.: J.K. Tower, Sahastradhara Road, Dehradun (U.K.)
9429691488
9429691072
9403891887
(www.doondefencedreamers.com)
SCAN FOR DETAIL